नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 12 मई 2026, वर्ष- 09, अंक- 77, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

पेज : 08

वैभव को तीनों प्रारुपों में खेलते देखना चाहिते हैं अश्विन

सोमनाथ के शिखर पर पहली बार कुंभाभिषेक, पीएम ने की महापूजा

प्रधानमंत्री बोले- आज वो उस क्षण को जी रहे जो पहले कभी देश के प्रथम राष्ट्रपति ने जीआ होगा

एजेंसी। अहमदाबाद

गुजरात के गिर सोमनाथ में स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के मंदिर में आज सोमनाथ अमृत महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर के आधुनिक पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष धार्मिक अनुष्ठानों और महापूजा में भाग लिया। पूरा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और भक्तिमय संगीत से सराबोर रहा। इस अवसर पर देशभर के साधु-संतों, कलाकारों और हजारों श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी दिव्य बना दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ पहुंचकर सबसे पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा को नमन किया, जिन्होंने मंदिर के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया था। इसके पश्चात, मंदिर के इतिहास में पहली बार शिखर पर कुंभाभिषेक का अलौकिक दृश्य देखने को मिला। देश के 11 पवित्र तीर्थस्थलों के जल से भरे एक विशाल पांच फुट ऊंचे कलश को क्रेन की सहायता से करीब 90 मीटर ऊंचे मंदिर शिखर तक पहुंचाया गया, जहां शास्त्रों के अनुसार जलाभिषेक संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री ने इस आध्यात्मिक

वायुसेना ने भी दिखाई जांबाजी, 75 साल का गौरव

अनुष्ठान में पूरी श्रद्धा के साथ हिस्सा लिया। धार्मिक समारोह के साथ-साथ आज सोमनाथ की धरती पर राष्ट्रभक्ति और शौर्य का संगम भी देखने को मिला। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने मंदिर परिसर के ऊपर हैरतअंगेज एयर शो का प्रदर्शन किया। छह हॉक एमके-132 विमानों ने आसमान में आकर्षक फॉर्मेशन बनाकर दर्शकों का मन मोह लिया। मंदिर के भव्य शिखर के ऊपर वायुसेना के इन विमानों की गूँज और कलाबाजियों ने श्रद्धालुओं के बीच रोमांच भर दिया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी का जामनगर से लेकर सोमनाथ तक अभूतपूर्व स्वागत किया गया। सोमनाथ पहुंचने पर उन्होंने एक भव्य रोड शो किया, जिसमें सड़क के दोनों ओर जमा जनसैलाब ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया। गुजरात सरकार और सोमनाथ ट्रस्ट ने इस महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की थीं। मंदिर को विशेष लाइटिंग और विदेशी फूलों से सजाया गया है, जिससे रात्रि के समय इसकी आभा और भी मनोरम हो गई है। यह उत्सव न केवल आस्था का प्रतीक बना, बल्कि आधुनिक भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति के पुनर्जागरण का भी संदेश दे गया।

सोमनाथ अमृत महोत्सव में पीएम को हुई दिव्य अनुभूति

अहमदाबाद। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया, जहां उन्होंने दिव्य अनुभूति व्यक्त कर कहा कि वे यहां आकर धन्य महसूस कर रहे हैं। यह महोत्सव पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के भक्तों के लिए अपने द्वार खोलने के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी भावनाएं व्यक्त कर प्रधानमंत्री मोदी ने जय सोमनाथ लिखा और बताया कि पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ पर पावनधाम सोमनाथ आकर मन अभिभूत और भावविभोर हो गया है। उन्होंने कहा कि वह आज उस क्षण को जी रहे हैं, जिसका अनुभव भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के लोकार्पण के मौके पर जीआ होगा।

विद्यालय परिसर में जन्मदिन समारोह को लेकर उठा विवाद, शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

नई सोच एक्सप्रेस। बेतिया

जिला शिक्षा पदाधिकारी (D.E.O.) कार्यालय और जिला पदाधिकारी (D.M.) कार्यालय के समीप स्थित +2 विपिन उच्च विद्यालय में विद्यालय परिसर के भीतर जन्मदिन समारोह आयोजित किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या डॉ. विनीति कुमारी ने अपने और अपने पुत्र के जन्मदिन के अवसर पर स्कूल परिसर में केक काटने और भोज का आयोजन किया। स्थानीय लोगों और कुछ अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय शिक्षा और अनुशासन का केंद्र होता है, जहां पठन-पाठन और छात्रों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ऐसे में स्कूल परिसर में निजी कार्यक्रम आयोजित करना कई सवाल खड़े करता है। लोगों का आरोप है कि इस तरह की गतिविधियां शिक्षा व्यवस्था की गरिमा और अनुशासन पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। विद्यालय परिसर में निजी आयोजन की खबर सामने आने के बाद शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि जब सरकारी विद्यालयों में संसाधनों, शिक्षकों की कमी और शैक्षणिक गुणवत्ता को लेकर लगातार बहस होती रहती है, तब स्कूल परिसर का उपयोग निजी आयोजनों के लिए किया जाना उचित नहीं माना जा सकता। अभिभावकों का कहना है कि सरकारी विद्यालयों में बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए शैक्षणिक वातावरण मजबूत करने की आवश्यकता है। ऐसे में यदि विद्यालय का माहौल निजी आयोजनों की ओर केंद्रित होगा, तो इसका गलत संदेश छात्रों तक जाएगा। इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज है और लोग शिक्षा विभाग से जांच की मांग कर रहे हैं। हालांकि, इस संबंध में विद्यालय प्रशासन या शिक्षा विभाग की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अब देखना होगा कि शिक्षा विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और विद्यालय परिसर में निजी आयोजनों को लेकर क्या दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडुः शपथ ग्रहण के अगले ही दिन नई सरकार में रार

चेन्नई। तमिलनाडु में नई सरकार के गठन को अभी 24 घंटे भी नहीं बीते हैं कि सत्ता पक्ष और उसके सहयोगी दलों के बीच वैचारिक मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। मुख्यमंत्री थलपति विजय की पार्टी टीवीके को समर्थन देने वाली वीसीके के प्रमुख थोल थिरुमावलवन ने शपथ ग्रहण समारोह की प्रक्रिया और मुख्यमंत्री के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। थिरुमावलवन ने शपथ ग्रहण समारोह में प्रोटोकॉल के उल्लंघन का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की स्थापित परंपरा के अनुसार, सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत तमिल थाई वलथु (राज्य गीत) से होती है। लेकिन विजय के समारोह में सबसे पहले वंदे मातरम बजाया गया, उसके बाद राष्ट्रगान हुआ और अंत में तमिल थाई वलथु को जगह मिली। थिरुमावलवन ने सवाल उठाया कि क्या यह बदलाव राज्यपाल को खुश करने के लिए किया गया था? उन्होंने इसे क्षेत्रीय अस्मिता के खिलाफ बताते हुए कहा कि वंदे मातरम जैसे गीत को प्राथमिकता देना चिंताजनक है, क्योंकि इस पर अक्सर धार्मिक रंग के आरोप लगते रहे हैं। मुख्यमंत्री विजय ने पद संभालते ही पिछली सरकार पर 10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज छोड़ने और खजाना खाली करने का आरोप लगाया था।

पहले आईबीसीए सम्मेलन का प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन, 95 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की पहल पर गठित इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) के पहले वैश्विक सम्मेलन का एक जून को उद्घाटन करेंगे। भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन की थीम "विशालकाय बिल्लियों को बचाओं, पारिस्थितिकी तंत्र को बचाओ, मानवता को बचाओ है। इसमें दुनिया भर के 95 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इस दौरान बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा सहित सात विशालकाय बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा पर चर्चा होगी। आईबीसीए के महानिदेशक डॉ. एसपी यादव ने यहां सोमवार को पत्रकारों को बताया कि सम्मेलन में विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख बिग कैट संरक्षण को लेकर अपने अनुभव और रणनीतियां साझा करेंगे। इस दौरान विशालकाय बिल्लियों के संरक्षण के लिए दिल्ली के घोषणापत्र को भी अपनाया जाएगा। यह विशालकाय बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण की दिशा में अहम वैश्विक दस्तावेज माना जा रहा है। एक और दो जून को ताज पैलेस में तकनीकी सत्र आयोजित होंगे। इनमें 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ, नीति निर्माता, वैज्ञानिक, वित्तीय संस्थानों और कॉर्पोरेट जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें जनजातीय कला, बिग कैट्स पर आधारित पेंटिंग्स, फोटोग्राफी, फिल्में और वर्चुअल रियलिटी अनुभव प्रदर्शित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विशालकाय बिल्ली प्रजातियां पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं।

पोखरण परीक्षण भारत की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए वर्ष 1998 के सफल पोखरण परमाणु परीक्षणों को भारत की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम अपने वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और समर्पण को गर्व के साथ याद करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप 1998 में पोखरण में सफल परीक्षण हुए थे। वह ऐतिहासिक क्षण भारत की वैज्ञानिक उत्कृष्टता और अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी एक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में एक प्रमुख स्तंभ बन चुकी है। यह नवाचार को गति देने, अवसरों का विस्तार करने और विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र के विकास में योगदान दे रही है। मोदी ने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास प्रतिभाओं को सशक्त बनाने, अनुसंधान को प्रोत्साहित करने और ऐसे समाधान विकसित करने पर केंद्रित है, जो राष्ट्र की प्रगति और हमारे लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करें। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया, जिसमें 'अग्नि' को स्वर्ग की सर्वोच्च शक्ति और पृथ्वी पर समस्त ऊर्जा का मूल स्रोत बताया गया है। उन्होंने कहा कि यही अग्नि तत्व पदार्थ के सूक्ष्मतम कणों में छिपी अपार शक्ति को जागृत करता है और समस्त सृष्टि में ऊर्जा एवं गति का संचार करता है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, "वर्ष 1998 में आज के दिन पोखरण में हुए परमाणु परीक्षण ने दुनिया को भारत के अद्भुत सामर्थ्य से परिचित कराया।

दिल्ली में नितिन गडकरी ने शुरू की बैरियर-लेस टोलिंग प्रणाली, देश का दूसरा एमएलएफएफ टोल प्लाजा हुआ चालू

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को दिल्ली के यूईआर-II पर स्थित मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) बैरियर-लेस टोलिंग प्रणाली का उद्घाटन किया। यह देश में इस प्रकार की दूसरी प्रणाली है। इससे पहले 2 मई को गुजरात के एनएच-48 के सूरत-भरूच खंड पर स्थित चोरायासी टोल प्लाजा पर इसे लागू किया गया था। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, अजय टम्टा, पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत, उत्तर पश्चिम दिल्ली से सांसद योगेंद्र चंदौलिया तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव मौजूद रहे। गडकरी ने कहा कि पहले टोल प्लाजा पर लंबी कतारें लगती थीं, जिससे यात्रियों को एक-एक घंटे तक रुकना पड़ता था। इससे न केवल समय की बर्बादी होती थी बल्कि वाहनों को बार-बार गियर बदलने और इंजन चालू रखने से ईंधन की खपत भी बढ़ती थी। नई प्रणाली से इन समस्याओं से मुक्ति मिलेगी और जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि ज्ञान को संपदा में बदलना ही भविष्य है और तकनीक के उपयोग से राजस्व संग्रह में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ी है। गडकरी ने कहा कि पहले टोल संग्रह से मंत्रालय की आय 40-45 हजार करोड़ रुपये थी, जो फास्टैग लागू होने के बाद 55 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई। अब एमएलएफएफ प्रणाली से दो बड़े फायदे होंगे। पहला, टोल संग्रह की लागत 15 फीसदी से घटकर केवल 4 फीसदी रह जाएगी, जिससे हर साल लगभग 5-6 हजार करोड़ रुपये की बचत होगी। दूसरा, चोरी और राजस्व रिसाव पूरी तरह बंद हो जाएगा, जिससे 12-15 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ होगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय दिल्ली के तीनों कूड़े के पहाड़ों को खत्म कर रहा है और वहां से निकले कचरे का उपयोग हाईवे निर्माण में किया जा रहा है। प्लास्टिक, ग्लास और मेटल को अलग करके सड़क निर्माण में इस्तेमाल किया जा रहा है। पराली की समस्या से निपटने के लिए भी काम हो रहा है। आईसीआईसीआई संस्था ने पराली से बायो-बिटुमिन तैयार किया है।

उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्रियों ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर वैज्ञानिकों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत कई अन्य मंत्रियों और राज्यो के मुख्यमंत्रियों ने आज देश के सभी वैज्ञानिकों, अभियंताओं , नवप्रवर्तकों और शोधकर्ताओं को शुभकामनाएं दी। उपराष्ट्रपति ने एक्स संदेश में कहा कि 1998 में इस दिन पोखरण परीक्षण रेंज में किए गए परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को भारत की उल्लेखनीय वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता से परिचित कराया, जो आत्मनिर्भरता और रणनीतिक ताकत की दिशा में देश की यात्रा में एक निर्णायक क्षण था। देश के लोगों की प्रतिभा और समर्पण के बल पर विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। भारत राष्ट्रीय विकास और मानवता की प्रगति के लिए नई उपलब्धियां हासिल करता रहा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि 11 मई 1998, वह ऐतिहासिक दिन, जब पोखरण (राजस्थान) की धरती से भारत ने दुनिया को अपनी वैज्ञानिक क्षमता, आत्मविश्वास और सामरिक शक्ति का परिचय कराया। पोखरान-II परमाणु परीक्षण आत्मनिर्भर, सशक्त और निर्णायक भारत के उदय की घोषणा थी।

ईरान का जवाब पढ़ा, मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आया, यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा- मैंने ईरान के प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसे स्वीकार नहीं किया सकता। इससे पहले भी ट्रम्प ने ईरान पर खेल खेलने का आरोप लगाया था। ईरानी मीडिया के मुताबिक तेहरान ने रविवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को अपना नया प्रस्ताव भेजा था। रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी। अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत ईरान को कम से कम 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब 440 किलो 60फीसदी एनरिच्ड यूरेनियम अमेरिका को सौंपना होगा। इसके बदले अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देगा, ईरान की फ्रीज की गईं अरबों डॉलर की संपत्तियां छोड़ेगा, साथ ही ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम और हाईली एनरिच्ड यूरेनियम पर पूरी तरह समझौता करने को तैयार नहीं है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि उनका जवाब सकारात्मक और व्यावहारिक है।

प्रॉपर्टी बाजार धड़ाम! कई शहरों में 2005 जैसे दाम, लोगों ने बंद की EMI

एजेंसी। बीजिंग/नई दिल्ली

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन इन दिनों गंभीर प्रॉपर्टी संकट से गुजर रही है। हालात ऐसे बन गए हैं कि कई शहरों में मकानों और फ्लैटों की कीमतें 15-20 साल पुराने स्तर तक पहुंच गई हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चीन के कई हिस्सों में प्रॉपर्टी के दाम 2005-06 के आसपास के रेट तक गिर चुके हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि लाखों लोगों ने होम लोन की किस्तें यानी ईएमआई देना तक बंद कर दिया है। चीन में पिछले कुछ वर्षों के दौरान एवरग्रांडे, कंट्री गार्डन और वांके जैसी बड़ी रियल एस्टेट कंपनियां भारी कर्ज में डूब गईं। इन कंपनियों ने लोगों से पैसा लेकर हजारों प्रोजेक्ट शुरू किए, लेकिन आर्थिक संकट के कारण कई प्रोजेक्ट अधूरे रह गए। इससे नाराज खरीदारों ने "मॉर्गेज बायकाट" शुरू कर दिया और बैंकों को ईएमआई देना बंद कर दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में लंबे समय तक प्रॉपर्टी बाजार कृत्रिम रूप से बढ़ाया गया। लोगों ने निवेश के लिए बड़ी संख्या में फ्लैट खरीदे, लेकिन वास्तविक मांग उतनी नहीं थी। जब अर्थव्यवस्था धीमी हुई और रोजगार संकट बढ़ा, तब प्रॉपर्टी बाजार का बुलबुला फूटने लगा। अब सवाल उठ रहा है कि क्या भारत में भी ऐसे हालात पैदा हो सकते हैं? रियल एस्टेट विशेषज्ञों के अनुसार भारत और चीन की स्थिति पूरी तरह समान नहीं है। भारत में अभी भी शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है और घरों की वास्तविक मांग बनी हुई है। भारत में अधिकांश लोग जरूरत के लिए मकान खरीदते हैं, जबकि चीन में निवेश के लिए बड़े पैमाने पर खरीदारी हुई थी। हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि भारत को सतर्क रहने की जरूरत है।

पश्चिम एशिया तनाव से नेपाल की अर्थव्यवस्था और मानव विकास पर संकट के बादल-रिपोर्ट

एजेंसी। काठमांडू

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) में नेपाल की उपलब्धियां जोखिम में पड़ सकती हैं। यूएनडीपी की पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव पर ताजा अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखला, रेमिटेंस प्रवाह और आयातित वस्तुओं पर अत्यधिक निर्भरता के कारण नेपाल के इस संघर्ष से प्रभावित होने की आशंका में है। यूएनडीपी की "मिलिट्री एस्केलेशन इन द मिडल ईस्टः ह्यूमन डेवलपमेंट इम्पैक्ट्स अक्रॉस एशिया एंड द पैसिफिक" शीर्षक वाली प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दो महीने से जारी संघर्ष लंबा खिंचता है तो नेपाल और पाकिस्तान को मानव विकास के क्षेत्र में सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था कमजोर होने से रेमिटेंस आय घट सकती है। इससे परिवारों की क्रय शक्ति कम होगी और खाद्य सुरक्षा पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि युद्ध के कारण कृषि में व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले फॉस्फेट उर्वरक के लिए आवश्यक सल्फर की ढुलाई बाधित हुई है। पेट्रोलियम पदार्थों के सह-उत्पाद सल्फर की कीमत और आपूर्ति में समस्या आने से नेपाल में धान उत्पादन पर असर पड़ सकता है, जो कृषि क्षेत्र का प्रमुख आधार है। रिपोर्ट में कहा गया है, "नेपाल में रोजगार का जोखिम वैदेशिक श्रम प्रवासन से गहराई से जुड़ा हुआ है। करीब 80 प्रतिशत प्रवासी श्रमिक खाड़ी देशों और मलेशिया जाते हैं। यदि व्यवधान जारी रहा, तो श्रमिक आवाजाही में कमी आने से रेमिटेंस पर निर्भर परिवारों की आय और रोजगार प्रभावित हो सकते हैं। यूएनडीपी के विश्लेषण के अनुसार, रेमिटेंस और कृषि क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर कम होगी, जिससे एचडीआई के आय संबंधी सूचक प्रभावित होंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित देशों में स्वास्थ्य और शिक्षा के सूचकांकों पर भी असर पड़ेगा।

ऑपरेशन सिंदूर' की याद में सैनिकों ने नई दिल्ली में लगातार लगाई 88 घंटे दौड़

नई दिल्ली। पिछले साल पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को तबाह करने के लिए शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली सालगिरह पर भारतीय वायु सेना ने नई दिल्ली में 88 घंटे लगातार दौड़ का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना की सभी कमानों से कुल 600 धावकों ने भाग लिया। इस दौड़ को 7 मई को सुबह 1:05 बजे एयर ऑफिसर इन चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन (एओए) ने इंडिया गेट से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसका समापन 10 मई को शाम 5:00 बजे एयर फोर्स स्टेशन नई दिल्ली में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने किया। यह दौड़ 88 घंटे तक चलने वाली निरंतर रिले प्रारूप में आयोजित की गई थी, जिसमें असैनिक अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नागरिक स्वयंसेवकों ने भी दौड़ में पूरे जोश के साथ भाग लिया। वायु सेना के बैंड ने भी 10 मई को नेहरू पार्क में सुबह 6:30 से सुबह 8:00 बजे तक लाइव प्रस्तुति दी। इसका रूट दिल्ली के महत्वपूर्ण स्थलों से होकर गुजरा, जिनमें इंडिया गेट, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग, वायु सेना मुख्यालय वायु भवन, नेहरू पार्क और न्यू मोती बाग रोड शामिल हैं।

होर्मुज में फिलहाल शांति की उम्मीद नहीं, युद्ध टालने के प्रयासों को झटका

वाशिंगटन/तेहरान। इस साल फरवरी आखिर से अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य पर छिड़ी तकरार के और तेज होने की संभावना बढ़ गई है। युद्ध टालने और तनाव को कम करने के ताजा कूटनीतिक प्रयासों को झटका लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया है। ईरान की सेना ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी है कि अगर आक्रामकता फिर से शुरू होती है, तो दोनों देशों को निश्चित रूप से कल्पना से परे चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में इस घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई है। ट्रंप ने युद्ध खत्म करने के लिए ईरान के ताजा प्रस्ताव को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। ईरान ने अपने जवाब में कहा कि वह टकराव रोकने को तैयार है। बशर्ते अमेरिका नौसैनिक नाकाबंदी तत्काल हटाए। प्रतिबंधों को खत्म करे। परमाणु कार्यक्रम और विदेश नीति पर दखल न दे। इनमें कुछ ऐसे मसले हैं जिनका हवाला वाशिंगटन ने इस युद्ध को शुरू करने के लिए दिया था।

नवीन किशोर सिन्हा पथ (मंदिरी नाला पथ) के निर्माण से लोगों को आवागमन के लिये एक वैकल्पिक मार्ग मिल गया है:मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

- नवीन किशोर सिन्हा पथ ,फोर लेन सड़क को जे0पी0 गंगापथ से 31 मार्च, 2027 तक जोड़ा जाएगा
- इस पथ पर स्व0 नवीन किशोर सिन्हा जी की मूर्ति लगाई जाएगी
- गंगा नदी में डेढ़ महीने के अंदर वाटर मेट्रो शुरू किया जाएगा

पटना।मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज नवीन किशोर सिन्हा पथ का लोकार्पण किया। पटना स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 115.08 करोड़ रुपये की लागत से मंदिरी नाले पर 1289 मीटर लंबी सड़क बनाई गई है। नाले का जीर्णोद्धार कर इसे ढका गया है और उसपर पथ का निर्माण कराया गया है। यह पथ इनकम टैक्स चौराहा को अशोक राजपथ से जोड़ेगा। इस पथ में आधुनिक ड्रेनेज प्रणाली, बेहतर प्रकाश व्यवस्था एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। दीप प्रज्ज्वलित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ करने के पश्चात् अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्व० नवीन किशोर सिन्हा जी की जयंती है। मैं उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। हमलोगों पर उनका आशीर्वाद ऐसे ही बना रहे। उन्होंने कहा कि आज हमसब लोगों के लिए महत्वपूर्ण क्षण है कि पटना स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत कार्यान्वित नवीन किशोर सिन्हा पथ (मंदिरी नाला पथ) का उद्घाटन किया गया है। इस क्षेत्र से मेरा व्यक्तिगत लगाव रहा है। मंदिरी नाला खुला रहने के कारण यह अव्यवस्थित एवं प्रदूषित था। इस क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानी होती थी। मंदिरी नाला पर फोर लेन पथ का निर्माण कराया गया है जिससे यह क्षेत्र काफी सुंदर दिखने लगा है और लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी। इस फोर लेन सड़क को जे०पी० गंगापथ से जोड़ा जाएगा। 31 मार्च, 2027 तक इसे पूर्ण करने का हमने निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पथ के निर्माण से यह पूरा इलाका रेसीडेंशियल से कॉमर्शियल बनने जा रहा है। अब इस क्षेत्र में बड़े-बड़े मॉल और शो-रूम खुलेंगे। इस पथ के निर्माण के लिए पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी को विशेष तौर पर धन्यवाद देता हूं। श्री नितिन नवीन जी इस क्षेत्र के विधायक रहे हैं। इस क्षेत्र के लोगों से उनका जुड़ाव रहा है। उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के सामने इस विजन को रखा और श्री नीतीश कुमार जी ने इसे जमीन पर उतारा। जब मैं नगर विकास एवं आवास विभाग का मंत्री था उस समय मुझे मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने नाले पर सड़क बनवाने का निर्देश दिया था। इसके लिए मैंने पायलट प्रोजेक्ट के तहत दीघा आशियाना पथ का निर्माण कराया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों को व्यवस्थित करने और उनके विकास के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। पटना को और विकसित करने के लिए कई कार्य किए जा रहे हैं। गंगा नदी के दोनों तरफ शहर का विस्तार कराया जाएगा। 66 हजार एकड़ में पाटलिपुत्र नाम से नया टाउनशिप विकसित किया जाएगा। गंगा नदी के उस पार सोनपुर में हरिहरनाथ के नाम से नया टाउनशिप विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में बिहार में सुशासन स्थापित किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भारत को विकसित बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। श्री नीतीश कुमार जी ने बिहार को समृद्ध बनाने का सपना देखा है। हमलोग इस संकल्प के साथ काम करेंगे कि भारत भी विकसित होगा और बिहार भी आर्थिक रूप से समृद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपमुख्यमंत्री जो वित्त मंत्री भी हैं उन्होंने 3 लाख 47 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। बिहार की आर्थिक स्थिति को स्व० श्री सुशील कुमार मोदी, श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, श्री विजय कुमार चौधरी ने वित्त मंत्री रहते हुए काफी मजबूत किया। बिहार में सुशासन को बनाए रखना है। विकास के काम को जारी रखना है। लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जो भी योजनाएं चलाई जा रही हैं उसको ठीक ढंग से क्रियान्वित करना है। राज्य में कानून का राज है, न्याय के साथ विकास का कार्य किया जा रहा है। बिहार में इंडस्ट्री लानी है तो सुशासन की गति को और बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस को अगर कोई अपराधी चैलेंज करेगा तो उसे 48 घंटे के अंदर पुलिस जवाब देगी। अपराधी किसी जाति, धर्म का हो, उसे बख्शा नहीं जायेगा। बिहार को अपराधमुक्त रखना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना में कई नालों पर पथों का निर्माण कराया जा रहा है ताकि लोगों को आवागमन में सहूलियत हो। नाले की साफ-सफाई अच्छे ढंग से करना सुनिश्चित करें ताकि जलजमाव की कोई समस्या न हो। पटना मेट्रो रेल योजना को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि गंगा नदी में डेढ़ महीने के अंदर वाटर मेट्रो शुरू किया जाएगा। हमने अधिकारियों से कहा है कि अगले वर्ष जब स्व० नवीन किशोर सिन्हा जी की जयंती मनाई जाए तब यहां उनकी मूर्ति लगाई जाए। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर बिहार को विकसित बनाने का संकल्प लें और उस पर तेजी से काम करें। कार्यक्रम में नवीन किशोर सिन्हा पथ (मंदिरी नाला पथ) के निर्माण से संबंधित एक लघु फिल्म दिखाई गई। मुख्यमंत्री को नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव श्री विनय कुमार ने हरित पौधा भेंटकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री नितिन नवीन, उपमुख्यमंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव तथा नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री श्री रामकृपाल यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय सरावगी, विधायक श्री संजीव चौरसिया, विधायक श्री रत्नेश कुमार, पटना की महापौर श्रीमती सीता साहू, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष श्री रणवीर नंदन, उपमहापौर श्रीमती रेशमी चंद्रवंशी, किसान आयोग के अध्यक्ष श्री रूप नारायण मेहता सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव श्री विनय कुमार, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के सचिव श्री संजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव श्री संदीप आर० पुडकलकट्टी, पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री अनिमेष पराशर, नगर आयुक्त श्री यशपाल मीणा, पटना प्रक्षेत्र के पुलिस महानिदेशक श्री जितेंद्र राणा, जिलाधिकारी डॉ० त्याग राजन एस०एम०, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय के० शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

11 मई की तारीख राष्ट्रीय स्वाभिमान और शक्ति का प्रतीक : मंत्री

पटना।जनता दल (यू) विधायक दल के नेता और ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने 11 मई की तिथि की विशेषता बताते हुए एक प्रेस बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन राष्ट्रीय स्वाभिमान और शक्ति का प्रतीक है। अंतराष्ट्रीय भू-राजनैतिक दबाबों और सम्भावित प्रतिबंधों के बावजूद भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और प्रसिद्ध वैज्ञानिक भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और भूतपूर्व रक्षामंत्री जार्ज फर्नांडिस ने 11 मई 1998 को राजस्थान के पोखरण इलाके में पोखरन-2 का सफल परमाणु परीक्षण कर विश्व पटल पर एक परमाणु संपन्न देश के रूप में भारत की स्थिति को स्थापित किया। इस साहसिक कदम ने भारत को विश्व के शक्तिशाली परमाणु संपन्न देशो की श्रेणी में ला दिया। 'मिसाइल मैन' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिभा, दूरदृष्टि और देशभक्ति ने भारत की रक्षा शक्ति को नई ऊंचाईयां प्रदान की।

डीलरों का बकाया मार्जिन मनी शीघ्र भुगतान करे सरकार: दशरथ पासवान

पटना। फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के वरिष्ठ नेता श्री दशरथ पासवान ने एक बयान जारी कर बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी एवं खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री श्री अशोक चौधरी से जनवितरण प्रणाली के डीलरों की लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। श्री पासवान ने कहा कि बिहार सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग तथा बिहार एसएफसी में वर्ष 2025 के सितंबर माह से ही डीलरों का मार्जिन मनी बकाया है। उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में डीलरों के लिए प्रति क्विंटल 47 रुपये की दर से मार्जिन मनी बढ़ाने का निर्णय लिया गया था, लेकिन आज तक इसका भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के लगभग 55 हजार डीलरों का कई सौ करोड़ रुपये मार्जिन मनी सरकार के पास लंबित है, जिससे डीलरों एवं उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। श्री पासवान ने आरोप लगाया कि एक ओर सरकार द्वारा डीलरों को समय पर मार्जिन मनी का भुगतान नहीं किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर डीलरों पर कम तौलने के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार एसएफसी के गोदामों से डीलरों को कई बार कम मात्रा में तथा खराब गुणवत्ता वाला अनाज उपलब्ध कराया जाता है, जिससे आम उपभोक्ताओं के बीच भी परेशानी उत्पन्न होती है। उन्होंने खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री अशोक चौधरी से विभाग में व्याप्त अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि विभागीय सचिव, बिहार एसएफसी के प्रबंध निदेशक तथा डीलर संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ जल्द बैठक आयोजित कर समस्याओं का स्थायी समाधान निकाला जाए। फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन ने नई सरकार से उम्मीद जताई है कि जनवितरण प्रणाली से जुड़े डीलरों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कर उन्हें राहत प्रदान की जाएगी।

मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने योजना एवं विकास विभाग का कार्यभार ग्रहण किया

पटना। योजना एवं विकास विभाग के नव-नियुक्त मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने सोमवार को पुराना सचिवालय स्थित विभागीय कार्यालय में विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी, विभागीय वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। कार्यभार ग्रहण के उपरांत अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी द्वारा माननीय मंत्री को विभाग की संरचना, प्रमुख योजनाओं, सांख्यिकी एवं मूल्यांकन गतिविधियों तथा विभिन्न विकास कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना पर भी प्रस्तुतीकरण किया गया।बैठक में बताया गया कि योजना एवं विकास विभाग राज्य में विकास योजनाओं की मॉनिटरिंग, मूल्यांकन एवं संसाधन प्रबंधन का नोडल विभाग है। विभाग के अंतर्गत अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, मूल्यांकन निदेशालय, बिहार राज्य योजना पर्षद, बिहार मौसम सेवा केंद्र बिहार स्थानीय क्षेत्र विकास अभिकरण जैसी प्रमुख इकाइयाँ कार्यरत हैं। मंत्री को अवगत कराया गया कि राज्य में ऋरुढ एवं प्रति व्यक्ति आय के आकलन, कृषि एवं सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण, जन्म-मृत्यु निबंधन, डेटा आधारित मॉनिटरिंग तथा विभिन्न योजनाओं के मूल्यांकन का कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना, पंचायत सरकार भवन निर्माण तथा आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रमों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने कहा कि राज्य सरकार की विकासोन्मुख नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन, योजनाओं की समयबद्ध मॉनिटरिंग तथा डेटा आधारित नीति निर्माण को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को पारदर्शिता, समन्वय एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने कहा कि विभाग द्वारा विकास योजनाओं की सतत निगरानी, मूल्यांकन एवं तकनीक आधारित कार्यप्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है, जिससे योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुँच सके।

विदेशी एजेंडे पर चलने वाले फ्लॉप शहजादे को कैसे पता होगी राष्ट्रनीति की एबीसीडी: ऋतुराज सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री श्री ऋतुराज सिन्हा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर करारा हमला बोलते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रहित में की गई '7 अपीलों' को 'उपदेश' कहना राहुल गांधी की राजनीतिक ओछी मानसिकता और अज्ञानता की पराकाष्ठा है। श्री सिन्हा ने कहा कि जो व्यक्ति विदेशी धरती पर जाकर अपने ही देश का अपमान करता हो और जो हमेशा विदेशी ताकतों के एजेंडे को हवा देता हो, उसे राष्ट्रनीति की 'एबीसीडी' का ज्ञान कभी नहीं हो सकता। राहुल गांधी जैसे 'फ्लॉप शहजादे' को यह समझ लेना चाहिए कि देश उनके बचकाने बयानों से नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत संकल्पों और जनता के अटूट भरोसे से चलता है। ऋतुराज सिन्हा ने तीखे लहजे में कहा कि जब विश्व एक गंभीर संकट के मुहाने पर खड़ा है, तब प्रधानमंत्री ने देश को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने के लिए जनता से सहयोग मांगा है। इसे सरकार की 'नाकामी' बताना न केवल झूठ है, बल्कि उन करोड़ों देशभक्त नागरिकों के संकल्प का अपमान है जो राष्ट्र निर्माण के लिए अपना योगदान देने को तैयार हैं। सिन्हा ने राहुल गांधी को आइना दिखाते हुए कहा कि "देश चलाना तो दूर, राहुल गांधी से अपनी पार्टी के चार नेता नहीं संभल रहे, वह व्यक्ति दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेतृत्व को देश चलाने की सीख न दे। भाजपा नेता ने आगे कहा कि राहुल गांधी की पूरी राजनीति केवल भ्रम फैलाने और नकारात्मकता पैदा करने तक सीमित रह गई है। प्रधानमंत्री की अपीलें—चाहे वह स्वदेशी अपनाना हो, बचत करना हो या प्राकृतिक खेती—भारत के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए हैं। राहुल गांधी जैसे लोग, जो केवल चुनाव के समय पर्यटन पर निकलते हैं, उन्हें जनता की भावनाओं और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की समझ कभी नहीं हो सकती। श्री सिन्हा ने स्पष्ट किया कि देश की जनता ऐसे 'पार्ट-टाइम' नेताओं के बहकावे में आने वाली नहीं है । जनता ऐसे अहंकारियों को पहले भी सबक सिखा चुकी है और राहुल गांधी के इस विषैले नैरेटिव को एक बार फिर कचरे के डिब्बे में फेंक देगी।

मंत्री श्री भगवान सिंह कुशवाहा ने योजना एवं विकास विभाग का कार्यभार संभाला

नई सोच एक्सप्रेस

- बोले- लंबित बहालियां पूरी कर युवाओं को रोजगार देना प्राथमिकता

पटना।बिहार सरकार के योजना एवं विकास विभाग के नए मंत्री श्री भगवान सिंह कुशवाहा ने सोमवार को पटना स्थित घंटाघर कार्यालय में विभाग का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यभार ग्रहण के बाद डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने मंत्री को विभाग की संरचना, प्रमुख योजनाओं, सांख्यिकी एवं मूल्यांकन कार्यों तथा विकास कार्यक्रमों की जानकारी दी। विभागीय योजनाओं की प्रगति और आगामी कार्ययोजना पर भी प्रस्तुतीकरण किया गया। मंत्री कुशवाहा ने कहा कि विभाग में लंबित बहालियों को पूरा करना और बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने बताया कि योजना एवं विकास विभाग राज्य के विकास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसकी कार्यप्रणाली की समीक्षा कर आगे की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने लंबे समय से लंबित करीब पांच हजार पदों पर नियुक्ति का मुद्दा उठाते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी होने और कोर्ट के आदेश के बावजूद अब तक बहाली नहीं हो सकी है। उन्होंने अधिकारियों से रिक्त पदों का आकलन कर शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है और विधायिका व कार्यपालिका के समन्वय से विकास कार्यों को गति दी जाएगी। वहीं, अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने कहा कि विभाग विकास योजनाओं की निगरानी और तकनीक आधारित कार्यप्रणाली को और मजबूत कर रहा है, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

आधुनिक मशीनरी से सुदृढ़ होगी नगर निकायों की सफाई व्यवस्था : नीतीश मिश्रा

नई सोच एक्सप्रेस

- मानसून एवं आपदा प्रबंधन तैयारियों को सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

पटना।नगर विकास एवं आवास विभाग,मंत्र नीतीश मिश्रा ने सोमवार विकास भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। इस अवसर पर विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार भी उपस्थित रहे। मंत्री ने निर्देश दिया कि विगत वर्ष के अनुभवों एवं चुनौतियों का समग्र आकलन करते हुए विभाग के समक्ष मौजूद समस्याओं की शीघ्र पहचान कर उनके प्रभावी, व्यावहारिक एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से नालों की नियमित सफाई पर बल देते हुए कहा कि इसके लिए आवश्यक नई मशीनरी, आधुनिक उपकरण एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होनें जिलों एवं नगर निकायों से समन्वय स्थापित कर आवश्यकता आधारित प्रस्ताव शीघ्र प्राप्त करने का निर्देश भी दिया। बैठक के दौरान मंत्री ने विभाग की संस्थागत संरचना को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया। मंत्री ने आगामी मानसून को देखते हुए नगर निकायों की तैयारियों की विशेष समीक्षा की। उन्होंने सभी नगर निगमों एवं नगर निकायों को जलजमाव, जल निकासी एवं अन्य संभावित आपदा परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय स्थापित कर कार्य करें। बैठक में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों की भी समीक्षा की । इसके अतिरिक्त लेगेसी अपशिष्ट प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा तरल अपशिष्ट प्रबंधन योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होनें स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित शहरी वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने को कहा। श्री मिश्रा ने नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत सीवरेज प्रणाली से जुड़ी अवसंरचना परियोजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया, ताकि शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्यों को प्रभावी रूप से प्राप्त किया जा सके। बैठक में विभाग के सचिव संदीप कुमार आर. पुडकलकट्टी, विशेष सचिव राजीव कुमार श्रीवास्तव, अपर सचिव विजय प्रकाश मीणा, पटना नगर आयुक्त यशपाल मीणा सहित विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

विजय सिन्हा ने संभाला कृषि मंत्री का पदभार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार के अन्नदाताओं की सेवा एवं कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण के संकल्प के साथ बिहार सरकार के कृषि मंत्री के रूप में पुनः विधिवत पदभार ग्रहण किया। डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में तथा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार के किसानों, ग्रामीण परिवारों एवं कृषि क्षेत्र के समग्र विकास हेतु पूर्ण निष्ठा, समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। एनडीए सरकार किसानों की आय वृद्धि, आधुनिक कृषि व्यवस्था के विस्तार, सिंचाई, बीज, तकनीक एवं बाजार व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। प्राथमिकता यही रहेगी कि बिहार का प्रत्येक किसान आत्मनिर्भर, समृद्ध एवं सशक्त बने। यह दायित्व केवल पद नहीं, बल्कि बिहार की जनता और अन्नदाताओं की सेवा का महत्वपूर्ण अवसर है। आपसभी के सहयोग, स्नेह एवं आशीर्वाद से बिहार की जनता के विश्वास पर खड़ा उतरने का पूर्ण प्रयास करूँगा।

आपके पास ज्ञान नहीं तो कोई इज्जत नहीं करेगा : राज्यपाल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मगध महिला कॉलेज में सोमवार को वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। आज के वार्षिकोत्सव का थीम 'उड़ान' रखा गया था। मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) मौजूद रहे। उनके आगमन पर मगध महिला कॉलेज के एनसीसी कैडेट द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस समारोह के दौरान कॉलेज की वार्षिक रिपोर्ट का लोकार्पण किया गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने कहा कि महिला शिक्षा राष्ट्र निर्माण की सबसे सशक्त आधारशिला है। आज लड़कियां हर क्षेत्र में अपना नाम बुलंद कर रहीं है। पढ़ाई हो या खेलकूद हर जगह अच्छा करने की कोशिश करनी चाहिए। फल की चिंता नहीं करनी चाहिए। जिंदगी में कब किसे मौका मिले कोई नहीं जानता। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और समाज के प्रति उत्तरदायी बनने का संदेश दिया। उन्होंने आगे कहा कि ज्ञान हमारे व्यक्तित्व का विकास करते है। अगर आपके पास ज्ञान नहीं तो कोई आपकी इज्जत नहीं करेगा। अगर आपने अपने ऊपर हंसने की काबिलियत नहीं है तो आप अच्छे नेता नहीं बन सकते। एंबीशन और एस्पिरेशन दोनों में अंतर होता है। इस अंतर को समझना जरूरी है। आर्मी में उन्होंने स्त्रियों की पक्षधरता की खूब वकालत की। वहीं, कुलपति डॉ अजय कुमार सिंह ने कहा कि छात्राओं की उपलब्धियों समाज के बदलते सकारात्मक परिदृश्य का प्रतीक हैं। समय को वर्तमान में ही पहचाने की आवश्यकता होती है वरना वह हाथ से निकल जाता है। उन्होंने छात्राओं को टीमवर्क, पारिस्थितिक जीवन शैली और खाद्य प्रणाली को ध्यान में रखने की सलाह दी। पटना विश्वविद्यालय की गतिविधियों की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि पटना विश्वविद्यालय पूरे बिहार में एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जहां डिजिटल स्टूडियो की व्यवस्था है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पूरी तरह से लागू है। रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए यहां के एक शिक्षक को एक महीने के लिए लंदन भी भेजा गया है।

खेल विभाग में श्रेयसी सिंह ने संभाली खेल विभाग की जिम्मेदारी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने सोमवार को देर अपराह्न बिहार सरकार के खेल विभाग, विकास भवन, नया सचिवालय, पटना में विभागीय कार्यभार से जुड़ी बैठकों में भाग लिया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेंदर, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरण सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। बैठक के दौरान श्रेयसी सिंह ने राज्य में संचालित एकलव्य केंद्रों की समीक्षा की तथा बिहार की खेल नीति को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खेल नीति ही बिहार में खेलों के समग्र विकास की आधारशिला है और इसके प्रभावी क्रियान्वयन से राज्य में खेल संस्कृति को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि बिहार के खिलाड़ियों को जमीनी स्तर से तैयार करना विभाग का प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक जिले में ब्लॉडिस्ट्रिक्ट सेंटर ऑफ एक्सीलेंसब्लॉ के रूप में खेल अवसंरचना विकसित किए जाने की आवश्यकता है, ताकि स्थानीय स्तर पर प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण एवं अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि यदि बिहार को खेल हब के रूप में विकसित करना है, तो जिला स्तर पर मजबूत खेल संरचना तैयार करनी होगी। श्रेयसी सिंह ने विभाग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की तथा उन विषयों की भी जानकारी ली, जो उनके कार्यभार से दूर रहने के दौरान सामने आए थे। उन्होंने कहा कि बिहार में खेल संस्कृति के विकास के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप भविष्य की आवश्यकता है। इस दिशा में उन्होंने एक विस्तृत गाइडलाइन तैयार किए जाने की बात कही, जो राज्य में व्यावहारिक रूप से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को लागू करने में सहायक होगी।

संक्षिप्त समाचार

एसबीआई एटीएम में चल रही हेयर कटिंग सैलून की

दानापुर। रुपसपुर के विजय विहार कॉलोनी, गली-3 में स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) एटीएम में हेयर कटिंग सैलून की दुकान चलने से लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। हांलांकि मीडिया में खबर आने के बाद आनन फानन में दुकान के बाहर लिखे एसबीआई को मिटा दिया गया। जानकारी के अनुसार, यह स्थान पहले एसबीआई के एटीएम के रूप में कार्य करता था। किसी कारणवश एटीएम मशीन हटा दी गई, लेकिन उसका पूरा बाहरी ढांचा और बोर्ड वहीं छोड़ दिया गया। बाद में इस जगह को किराए पर दे दिया गया, जहां एक नाई ने अपनी दुकान खोल गई। इस स्थिति के कारण, राहगीर अक्सर इसे एटीएम समझकर नकदी निकालने के लिए पहुंच जाते हैं। हालांकि, अंदर पहुंचने पर उन्हें बाल काटने और दाढ़ी बनाने का काम चलता दिखाई देता है। वहीं, जो लोग नाई की दुकान ढूंढ रहे होते हैं, वे सीधे इस 'एटीएम पॉइंट' में पहुंचकर अपनी हेयर कटिंग और शेविंग करवा रहे हैं। इस बात की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस भी पहुंच कर एसबीआई लगे बोर्ड को हटाया।

बख्तियारपुर स्टेशन पर, चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान

पटना। पूर्व मध्य रेल का दानापुर मंडल उचित टिकट/प्राधिकार के साथ यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की सुविधा को लेकर निरंतर सजग व कार्यरत रहता है। इस संबंध में बिना टिकट/उचित प्राधिकार के रेल यात्रा करने के विरुद्ध दानापुर मंडल में निरंतर टिकट चेकिंग कार्य सघनतापूर्वक कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 11.05.2026 (सोमवार) को श्री अभिनव सिद्धार्थ (वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक दानापुर) के निर्देश पर बख्तियारपुर स्टेशन पर वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ की एक विशेष टिकट चेकिंग टीम बनाकर सघन टिकट जाँच अभियान चलाया गया। इस विशेष टिकट चेकिंग अभियान के दौरान बख्तियारपुर स्टेशन से गुजरने वाली प्रमुख ट्रेनों 12391/92 (श्रमजीवी एक्सप्रेस), 15946 (डिब्रूगढ़-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस), 15713 (कटिहार पटना इंटरसिटी), 13234(दानापुर-कोडरमा एक्सप्रेस), 18622(पाटलिपुत्र एक्सप्रेस) तथा इस मार्ग से गुजरने वाली अन्य पैसेंजर ट्रेनों का बख्तियारपुर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव लेकर सघन टिकट जाँच अभियान चलाया गया, जिसमें कुल मिलाकर 364 अनियमित/बिना प्राधिकार वाले यात्रियों से जुर्माने के रूप में लगभग 02 लाख रुपए का रेल राजस्व अर्जित किया गया । इस विशेष टिकट चेकिंग अभियान के परिणामस्वरूप बख्तियारपुर स्टेशन के टिकट काउंटर पर यात्रियों की बढी हुई भीड़ देखी गई और यात्री उचित टिकट लेकर रेल यात्रा करने के

64 वर्षीय वृद्ध का शव पेड़ से लटका हुआ मिला, पुलिस मामले की कर रही है जांच

पटना। बिहटा थाना क्षेत्र के कटेसर गांव में 64 वर्षीय शिव साव का शव घर से लगभग 50 मीटर की दूरी पर एक पेड़ से शव लटका हुआ पाया गया। शव सोमवार सुबह (11 मई 2026) देखा गया। बताया जाता है कि रविवार रात को शिव साव का अपने ही भाइयों के साथ किसी गंभीर बात को लेकर झगड़ा हुआ था। परिजनों का दावा है कि विवाद के दौरान मृतक के साथ मारपीट भी की गई थी। परिवार का आरोप है कि मारपीट के बाद उनकी हत्या कर दी गई और मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को पेड़ से लटका दिया गया। उन्होंने भाइयों और कुछ रिश्तेदारों पर सीधा संदेह जताया है। बिहटा पुलिस इस मामले को सुलझाने के लिए वैज्ञानिक और पारंपरिक दोनों तरीकों का इस्तेमाल कर रही है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शक के आधार पर तीन लोगों को हिरासत में लिया है। उनसे रविवार रात हुए विवाद और घटनाक्रम के बारे में कड़ी पूछताछ की जा रही है। घटनास्थल पर साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ न हो, इसके लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया है। टीम फिंगरप्रिंट्स, पैरों के निशान और फंदे की स्थिति की जांच करेगी। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या लग सकता है, लेकिन मौत के असली कारणों (जैसे दम घुटने से मौत हुई या लटकने से पहले कोई चोट आई थी) का पता पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट से ही चलेगा।

सोना खरीद टालने की अपील से 3.5 करोड़ लोगों की आजीविका पर संकट: AIJGF

पटना। ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (AIJGF) के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा ने नागरिकों से एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोना खरीद टालने की अपील पर चिंता जताई है। फेडरेशन का कहना है कि इससे ज्वेलरी और बुलियन क्षेत्र से जुड़े करीब 3.5 करोड़ लोगों और उनके परिवारों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। फेडरेशन ने कहा कि ज्वेलरी सेक्टर केवल बड़े कारोबारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे छोटे दुकानदार, सुनार, कारीगर, मैन्युफैक्चरर, होलसेलर, एक्सपोर्टर, रिफाइनर, हॉलमार्किंग सेंटर, डिजाइनर, ट्रांसपोर्टर और दैनिक मजदूर भी जुड़े हैं। बाजार में नकारात्मक माहौल बनने से शादी-त्योहारों की मांग और मैन्युफैक्चरिंग ऑर्डर प्रभावित हो सकते हैं।अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि भारत में सोना केवल विलासिता नहीं, बल्कि संस्कृति, बचत, महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मांग घटाने के बजाय देश में मौजूद निष्क्रिय सोने को उत्पादक अर्थव्यवस्था में लाने के लिए प्रभावी "Bullion Bank Framework" तैयार किया जाना चाहिए। बैठक में प्रेम नाथ गुप्ता, देवानंद, विनय कुमार गुप्ता, देवेंद्र कुमार वर्मा, राज कुमार, जय राम कुमार, शशी आर्या, कमलेश कुमार और अनूप कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रेल विस्तार से बदलेगी बिहार की तस्वीर- भाजपा नेत्री ममता पटेल

नई सोच एक्सप्रेस

» फतुहा–किऊल–झाझा रेलखंड पर तीसरी-चौथी लाइन निर्माण को मिली गति, भाजपा नेत्री ममता पटेल ने प्रधा जयनमंत्री मोदी को दी बधाई

पटना। बिहार में रेलवे विकास को नई रफ्तार मिलने जा रही है। फतुहा से किऊल और झाझा तक तीसरी एवं चौथी रेललाइन निर्माण की तैयारी तेज होने से प्रदेश के लाखों यात्रियों, व्यापारियों और किसानों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जगी है। रेलवे द्वारा डीपीआर तैयार कर रेलवे बोर्ड को भेजे जाने के बाद अब इस महत्वाकांक्षी परियोजना के शीघ्र धरातल पर उतरने की संभावना बढ़ गई है। इस ऐतिहासिक पहल पर भाजपा नेत्री Narendra Modi के नेतृत्व की सराहना करते हुए भाजपा नेत्री ममता पटेल ने प्रधानमंत्री को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में रेलवे का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है और बिहार भी अब विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ममता पटेल ने कहा कि वर्षों तक बिहार रेलवे उपेक्षा का दंश झेलता रहा, लेकिन आज केंद्र सरकार की विकासवादी सोच ने प्रदेश में नई उम्मीद जगाई है। फतुहा–किऊल–झाझा रेलखंड पर अतिरिक्त रेललाइन बनने से ट्रेनों की आवाजाही तेज होगी, माल ढुलाई को मजबूती मिलेगी और यात्रियों को घंटों जाम एवं लेटलतीफी से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ रेललाइन विस्तार नहीं, बल्कि बिहार की आर्थिक धड़कन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है। नई लाइन बनने से उद्योग, व्यापार, कृषि और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों को भी विकास का सीधा लाभ मिलेगा। भाजपा नेत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री Narendra Modi ने देश में आधुनिक रेलवे नेटवर्क, वंदे भारत ट्रेन, अमृत भारत स्टेशन योजना और माल परिवहन सुधार के माध्यम से भारत की तस्वीर बदलने का काम किया है। बिहार में तेजी से हो रहे रेल विस्तार से यह स्पष्ट हो गया है कि केंद्र सरकार विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग वर्षों तक बिहार को पिछड़ेपन में धकेलते रहे, वे आज विकास कार्यों पर राजनीति कर रहे हैं। जनता अब सब समझ चुकी है और विकास चाहती है, बहाना नहीं। ममता पटेल ने कहा कि आने वाले वर्षों में बिहार देश के सबसे मजबूत रेल नेटवर्क वाले राज्यों में शामिल होगा। फतुहा–किऊल–झाझा रेल परियोजना आने वाली पीढ़ियों के लिए विकास का नया अध्याय साबित होगी।

अग्निशमन विभाग द्वारा किया गया मॉक ड्रिल,आग से बचाव के लिए बताए गए उपाय

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। आशोपुर स्थित एक्वा सिटी परिसर में सोमवार को अग्निशमन विभाग द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को आग लगने की स्थिति में बचाव के तरीके, शॉर्ट सर्किट से होने वाली घटनाओं से सतर्क रहने तथा ऊंची इमारतों से सुरक्षित तरीके से नीचे उतरने की जानकारी दी गई। अग्निशमन कर्मियों ने मौके पर आग बुझाने के विभिन्न उपकरणों का प्रदर्शन करते हुए आपदा के समय घबराने के बजाय सतर्कता और समझदारी से काम लेने की अपील की। कार्यक्रम में भाजपा नेता बेला यादव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं DIG मनोज कुमार और सुधीर कुमार का स्वागत भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि बढ़ती बहुमंजिला इमारतों को देखते हुए इस तरह की मॉक ड्रिल लोगों के लिए काफी जरूरी है ताकि किसी भी आपात स्थिति में जान-माल की क्षति को कम किया जा सके। आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

इन्दिरा आईवीएफ पटना ने मदर्स डे पर किया प्रेरणादायी माताओं का सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मातृत्व, त्याग और संस्कार को नमन करते हुए इन्दिरा आईवीएफ पटना ने मदर्स डे के अवसर पर बिहार की प्रेरणादायी माताओं को सम्मानित कर मातृत्व की महान शक्ति को सलाम किया। "मां का अथाह प्रेम" थीम पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में उन माताओं को सम्मानित किया गया, जिनके संस्कार, संघर्ष और समर्पण ने उनके बच्चों को समाज में एक विशिष्ट पहचान दिलाई। इस अवसर पर अलीनगर विधायक एवं प्रसिद्ध लोकगायिका मैथिली ठाकुर की माता भारती ठाकुर, स्वच्छता एवं नमामि गंगे अभियान की ब्रांड एंबेसडर डॉ. नीतू कुमारी नवगीत की माता शैल बाला, लोकप्रिय रेडियो जॉकी आरजे अंजली की माता संजुक्ता सिंह, आरजे रमा की माता संगीता रानी, नालंदा दस्तक के लोकप्रिय यूट्यूबर एवं इंफ्लुएंसर अमित चौरसिया की माता धर्मशिला देवी तथा एडवे मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक मनोज कुमार की माता मीला देवी को सम्मानित किया गया। इन सभी माताओं ने साधारण पृष्ठभूमि में रहकर अपने बच्चों के सपनों को संवारने, संघर्षों में उनका साथ देने और उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में सभी माताओं को सम्मान पत्र, शॉल एवं क्राउन भेंट कर सम्मानित किया गया तथा मदर्स डे के उपलक्ष्य में केक भी काटा गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा अशोक वृक्ष को जल अर्पित कर की गई, जो मां के अटल प्रेम, धैर्य और सहनशीलता का प्रतीक माना जाता है। इन्दिरा आईवीएफ एवं मेटकेयर ग्रुप, पटना सेंटर हेड एवं एम्ब्रायोलॉजिस्ट डॉ. दयानिधि कुमार ने स्वागत भाषण में कहा कि मां के समान त्याग और तप दुनिया में कोई नहीं कर सकता। हर सफल व्यक्ति के पीछे उसकी मां के संघर्ष, संस्कार और आशीर्वाद की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि इन्दिरा आईवीएफ उन महिलाओं के जीवन में मातृत्व की खुशियां लाने का कार्य कर रहा है, जो लंबे समय से संतान सुख से वंचित हैं। आज इन्दिरा आईवीएफ पूरे भारत में 2 लाख से अधिक तथा बिहार में 25 हजार से अधिक परिवारों के जीवन में मातृत्व की खुशियां ला चुका है। विधायक एवं लोकगायिका मैथिली ठाकुर ने कहा कि मां के त्याग और प्रेम का वर्णन शब्दों में संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आज वे जिस मुकाम पर हैं, उसके पीछे उनकी मां के संस्कार, समर्पण और आशीर्वाद की सबसे बड़ी भूमिका है। डॉ. नीतू कुमारी नवगीत ने कहा कि मां केवल जन्म नहीं देती, बल्कि जीवन जीने की दिशा भी देती है। स्वच्छ समाज और जागरूकता के प्रति जो प्रेरणा उन्हें मिली, उसकी शुरुआत उनके घर और मां के संस्कारों से हुई। आरजे अंजली ने कहा कि हर बेटी के आत्मविश्वास के पीछे उसकी मां का विश्वास होता है। मां ही वह शक्ति है, जो हर कठिन परिस्थिति में हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। आरजे रमा ने कहा कि छोटे शहरों से निकलकर बड़े सपने देखने का साहस उन्हें अपनी मां से मिला। मां के प्रोत्साहन ने ही उन्हें अपनी अलग पहचान बनाने की प्रेरणा दी। अमित चौरसिया ने कहा कि समाज में अलग राह चुनना आसान नहीं था, लेकिन उनकी मां ने हमेशा उन पर विश्वास किया। आज जो पहचान उन्हें मिली है, उसके पीछे मां का त्याग और समर्थन सबसे बड़ी ताकत है। मनोज कुमार ने कहा कि सफलता केवल बड़े पद या पारंपरिक पेशों से नहीं, बल्कि ईमानदारी और मेहनत से मिलती है। उन्होंने कहा कि संघर्ष के दिनों में उनकी मां ने हमेशा उन्हें आगे बढ़ने का हौसला दिया। कार्यक्रम के दौरान इन्दिरा आईवीएफ द्वारा सभी आईवीएफ गर्भवती महिलाओं को फलदार पौधे भेंट किए गए। इस पहल के माध्यम से "एक पेड़ आपके आने वाले बच्चे के नाम" का संदेश दिया गया, ताकि आने वाली पीढ़ियों को हरियाली, स्वस्थ जीवन और प्रकृति से जुड़ाव का प्रेरणादायी संदेश मिल सके। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि जिस प्रकार एक वृक्ष समय के साथ बढ़कर छाया, फल और जीवन देता है, उसी प्रकार बच्चे भी परिवार, समाज और राष्ट्र का भविष्य होते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुजा मिश्रा एवं डॉ. शिप्रा भारती ने किया। वहीं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनीता कुमारी द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल मातृत्व का सम्मान करना ही नहीं, बल्कि समाज में वैज्ञानिक फर्टिलिटी उपचार के प्रति जागरूकता बढ़ाना और महिलाओं को मातृत्व सुख की ओर प्रेरित करना भी था। "मां के बिना दुनिया अधूरी है" — इसी संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन भावुक और प्रेरणादायी वातावरण में हुआ।

शिक्षा में सुधार के लिए सरकारी शिक्षकों के बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाई अनिवार्य करना होगा - भाजपा नेत्री शोभा पटेल

नई सोच एक्सप्रेस

» पहली बार भाजपा के पास शिक्षा विभाग

फतुहा। भाजपा नेत्री शोभा पटेल ने कहा कि स्कूलों की बदहाली पर भाजपा नेत्री शोभा पटेल का बड़ा सवाल — "शिक्षक अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाएं, तभी बदलेगी शिक्षा व्यवस्था" बिहार की शिक्षा व्यवस्था वर्षों से भ्रष्टाचार, लापरवाही, फर्जीवाड़ा और राजनीतिक प्रयोगशाला का शिकार बनी हुई है। सरकारी स्कूलों में भवन हैं, योजनाएं हैं, बजट है, शिक्षक हैं, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आज भी लाखों गरीब बच्चों की पहुंच से दूर है। पहली बार भारतीय जनता पार्टी के पास शिक्षा विभाग आने के बाद अब जनता की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं और जवाबदेही भी तय होगी। भाजपा नेत्री शोभा पटेल ने साफ कहा है कि बिहार की शिक्षा व्यवस्था की हालत अत्यंत दयनीय है और इसे सुधारना आसान नहीं होगा, लेकिन अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो बदलाव संभव है। उन्होंने कहा कि वर्षों से शिक्षा विभाग योजनाओं और घोषणाओं का केंद्र बना रहा, मगर जमीनी सच्चाई यह है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की गुणवत्ता लगातार गिरती गई। कहीं शिक्षक स्कूल से गायब हैं, कहीं बच्चे बिना शिक्षक के बैठने को मजबूर हैं, तो कहीं स्कूल केवल मध्यान्ह भोजन वितरण केंद्र बनकर रह गए हैं। गांवों के गरीब परिवार अपने बच्चों का भविष्य बचाने के लिए कर्ज लेकर निजी स्कूलों की तरफ भाग रहे हैं। यह स्थिति किसी भी सरकार के लिए शर्मनाक होनी चाहिए। शोभा पटेल ने शिक्षा सुधार का सबसे बड़ा और सबसे कठोर फार्मूला देते हुए कहा कि यदि सरकार वास्तव में सरकारी शिक्षा व्यवस्था को सुधारना चाहती है तो सबसे पहले शिक्षकों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाना अनिवार्य करे। उन्होंने कहा कि जिस दिन अधिकारी, मंत्री और शिक्षक अपने बच्चों को सरकारी स्कूल भेजेंगे, उसी दिन स्कूलों की टूटी बेंच, गंदे शौचालय, शिक्षक की कमी और पढ़ाई की वास्तविक स्थिति स्वतः सुधरने लगेगी। आज व्यवस्था का सबसे बड़ा दुर्भाग्य यही है कि नीति बनाने वाले खुद सरकारी स्कूलों पर भरोसा नहीं करते। उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि गरीब का बच्चा सरकारी स्कूल में प्रयोग का विषय बन गया है, जबकि संपन्न वर्ग और अधिकारी वर्ग अपने बच्चों को महंगे निजी विद्यालयों में पढ़ाकर शिक्षा सुधार के बड़े-बड़े भाषण देते हैं। शिक्षा केवल योजना, पोर्टल और समीक्षा बैठक से नहीं सुधरेगी, बल्कि जवाबदेही तय करनी होगी। यदि शिक्षक स्कूल में पढ़ाने के बजाय राजनीति, दलाली और निजी कोचिंग में व्यस्त रहेंगे तो आने वाली पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। भाजपा नेत्री ने कहा कि अब शिक्षा विभाग भाजपा के पास है, इसलिए जनता को केवल बयान नहीं बल्कि जमीन पर बदलाव चाहिए। स्कूलों में नियमित उपस्थिति, कठोर मॉनिटरिंग, नकल माफियाओं पर कार्रवाई, शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता और ग्रामीण विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित करनी होंगी। बिहार का भविष्य तभी बदलेगा जब सरकारी स्कूलों में गरीब का बच्चा सम्मान और गुणवत्ता के साथ शिक्षा प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा सुधार केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि सामाजिक क्रांति का विषय है। यदि बिहार की शिक्षा व्यवस्था नहीं सुधरी तो बेरोजगारी, अपराध और पलायन की समस्या कभी खत्म नहीं होगी। अब समय आ गया है कि शिक्षा विभाग भाषणों से बाहर निकलकर कठोर निर्णय लेने का साहस दिखाए।

आरपीएफ ने देशी शराब के साथ दो व्यक्ति सहित एक नाबालिक को किया गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी। गया जी रेलवे स्टेशन पर इन दिनों सुरक्षा और अपराधिक गतिविधि को लेकर विशेष अभियान चलाए जा रहा है। जिसके तहत निरीक्षक प्रभारी रेल सुरक्षा बल पोस्ट गया बनारसी यादव एवं निरीक्षक प्रभारी सीआईबी गया चंदन कुमार के निर्देशन में सीपीडीएस टीम गया,एवं पुअनि शिवशंकर प्रसाद जीआरपी गया के साथ निगरानी हेतु गश्त कर रहे थे। बनारसी यादव ने जानकारी देते हुए बताया की प्लेटफार्म संख्या 1C पर आसनसोल गया पैसेंजर का आगमन हो चुका था। जिसमें दो व्यक्ति और एक बालक को प्लास्टिक एवं जूट के 12 बोरे के साथ संदिग्धावस्था में देखा गया जिसे रोककर पूछताछ किया गया। तत्पश्चात बोरी की तलाशी लिया गया जिसमें कुल 370 लीटर देशी शराब पाया गया। मौके पर कार्रवाई करते हुए जीआरपी थाना गया ले जाया गया जहां पर कांड संख्या 132/2026 दिनांक 10.05.2026 अन्तर्गत धारा 30(ए)बिहार मध निषेध अधिनियम पंजीकृत किया गया। बरामद व जप्त देशी शराब का कीमत 37000 हजार रूपये बताया गया।

महिला संघ बिहार द्वारा "मदर टैलेंट शो" का हुआ भव्य आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। महिला संघ बिहार द्वारा "मदर टैलेंट शो" का हुआ भव्य आयोजन,मातृ शक्ति के सम्मान एवं महिलाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से महिला संघ बिहार द्वारा "मदर टैलेंट शो" का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कला, प्रतिभा और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्वागत संबोधन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं सदस्यों ने सभी माताओं को मातृ दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मां केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की शक्ति और प्रेरणा होती हैं। मदर टैलेंट शो में फैशन शो, सांस्कृतिक प्रस्तुति, नृत्य, गायन एवं विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायक मंच उपलब्ध कराना था। महिला संघ बिहार परिवार की ओर से सभी प्रतिभागियों, सम्मानित अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। संस्था ने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ आपसी प्रेम, एकता और खुशियों को भी मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ खुशियाँ बाँटते हुए मातृ दिवस को उत्साह और उमंग के साथ सेलिब्रेट किया। अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दी गईं। महिला संघ बिहार परिवार "नारी सम्मान, नारी शक्ति और नारी

नशा मुक्त भारत बनाने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण - प्रेम कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय पटना के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा जारी निर्देशों के आलोक में श्री गुरु गोबिंद सिंह महाविद्यालय, पटना सिटी की एनएसएस इकाई द्वारा "तंबाकू मुक्त परिसर" विषय पर एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रात महाविद्यालय परिसर में स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण के साथ हुई, जिसके पश्चात परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान तंबाकू के दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई और छात्रों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रमेश प्रसाद ने कहा कि तंबाकू न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम की ने बताया कि तबाकू का सेवन आम जनता के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है और इसपर रोकथाम कीआवश्यकता है। अस्सी प्रतिशत मुह का कैंसर तम्बाकू के सेवन से ही हो रहा है । नशा मुक्त भारत बनाने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है । महाविद्यालय की एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. मोहम्मद तकी ने कहा कि सभी आवश्यक सावधानियों का पालन करते हुए महाविद्यालय परिसर को पूर्णतः तंबाकू मुक्त बनाया गया है और यह गर्व का विषय है कि परिसर 100% तंबाकू मुक्त है। शिकायत कक्ष प्रभारी ने जानकारी दी कि तबाकू का सेवन आम जनता के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है और इसपर रोकथाम कीआवश्यकता है। खैनी छोड़ो बीड़ी तोड़ो , गुटका खाया गाल गलाया नारो से गूंज उठा पटना सिटी ।

संक्षिप्त समाचार

आपसी रंजिश में मारपीट कर घायल किया

वैशाली।मारपीट के मामले को लेकर बरांटी थाने में दर्ज हुई प्राथमिकी। बरांटी थाना क्षेत्र के दयालपुर सपहां निवासी विजय कुमार राय का पुत्र अनिकेत कुमार ने थाने में आवेदन देकर तीन लोगों के विरुद्ध मारपीट करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। आवेदन में अनिकेत कुमार ने बताया कि मैं थाना क्षेत्र के डीहवारिणी स्थान चौक पर किराए के मकान में साइबर कैफे की दुकान चलाता हूं। बीते रविवार की शाम 7:30 बजे मेरे दुकान पर थाना क्षेत्र के दयालपुर निवासी मनोज कुमार, गुड्डू कुमार व राजेंद्र राय हरवे हथियार लैश हो मेरे दुकान पर आए और अचानक मेरे साथ मारपीट करने लगे। इस दौरान मनोज कुमार मुझे जान से मारने की नीयत से मेरा गर्दन दबाने लगा।जिसका विरोध करने पर मनोज कुमार दोनों व्यक्तियों के साथ मिलकर रौड से मार कर मेरा सिर फोड़ दिया। जिससे मैं बेहोश होकर गिर गया। उसके बाद मेरे चाचा वीरेंद्र राय ने मुझे सदर अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

प्राथमिक विद्यालय साइन बृजलाल के मध्याह्न भोजन में मिले जहरीले कीड़े

मुजफ्फरपुर।जिले के कांटी प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय साइन बृजलाल में आज मध्याह्न भोजन (Mid-Day Meal) योजना के दौरान एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। विद्यालय में परोसे गए भोजन में जहरीले कीड़े मिलने से बच्चों के बीच हड़कंप मच गया । प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को जब बच्चों को दोपहर का भोजन परोसा जा रहा था, तभी कुछ बच्चों की थाली में मृत जहरीले कीड़े पाए गए। भोजन की अस्वच्छता देखते ही बच्चों ने खाना बंद कर दिया और शोर मचाने लगे। स्कूल के शिक्षकों इसकी सूचना प्रखंड विकास पदाधिकारी कांटी को दिया मामले की सूचना मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) डॉ. आनंद कुमार विभूति ने संज्ञान लिया। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कहा कि, "बच्चों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर विधिसम्मत कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।"

हेडक्वार्टर डीएसपी ने किया थाने का निरीक्षण

मझौलिया।बेतिया हेडक्वार्टर डीएसपी अर्चना कुमारी ने सोमवार को मझौलिया थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर, अभिलेख संधारण, लंबित कांडों की स्थिति, मालखाना, हाजत तथा साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। डीएसपी ने थाना में मौजूद पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों से विधि-व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की तथा अपराध नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने थानाध्यक्ष अमर कुमार को लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने, फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तेज करने तथा आम जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही महिला संबंधी मामलों में संवेदनशीलता बरतने एवं थाना आने वाले लोगों के साथ बेहतर व्यवहार करने की बात कही। निरीक्षण के दौरान पुलिस कर्मियों में सक्रियता देखी गई ।

जीविका से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की तकदीर

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले के मखदुमपुर प्रखंड अंतर्गत पूर्वी सरेन पंचायत के टेहटा गांव की रहने वाली रानी देवी की आत्मनिर्भरता की कहानी आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं। प्रकाश जीविका महिला ग्राम संगठन के अंतर्गत दुर्गा जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़कर रानी देवी ने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को पूरी तरह से बदल दिया। रानी देवी का कहना है कि उनके पति श्री धनंजय कुमार पहले परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। सीमित आय के कारण परिवार का पालन-पोषण काफी कठिनाई से हो पाता था। आर्थिक तंगी के बीच किसी तरह घर का खर्च चलता था। ऐसे समय में रानी देवी को जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रचार प्रसार से दुर्गा जीविका स्वयं सहायता समूह के बारे में जानकारी प्राप्त हुई और जीविका दीदियों के प्रयास से वह दुर्गा जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं और यहीं से उनके संघर्षपूर्ण जीवन में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10,000 की सहायता प्राप्त कर किराना दुकान खोली। आज उनका कथन है कि उनकी दुकान अच्छी तरह संचालित हो रही है और वे प्रतिमाह लगभग 9,000 की आय अर्जित कर रही हैं। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से लाभ प्राप्त कर दीदी ने किराना दुकान खोला जिससे उनके आय में वृद्धि हुई और अभी वो सम्मानजनक जीवन यापन कर रही है। बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जाते हैं। रानी देवी जो अब एक जीविका दीदी भी है, उन्होंने अन्य महिलाओं से अपील किया हैं कि वे भी जीविका समूह से जुड़कर बचत की आदत अपनाएं और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

समयबद्ध और पारदर्शी प्रशासन की मिसाल

बनेगा सहयोग शिविर : विजय सिन्हा

» पीएम के 'नागरिक देवो भव' के संकल्प को साकार करेगा सहयोग शिविर कार्यक्रम

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा सहयोग पोर्टल और हेल्पलाइन नम्बर के लोकार्पण की सराहना करते हुए बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सबका सम्मान- जीवन आसान के लक्ष्य के साथ हमारी डबल इंजन सरकार ने सहयोग शिविर, उससे संबंधित पोर्टल और हेल्पलाइन नम्बर की सुविधा देकर राज्य के आमलोगों को एकसाथ सुलभता और सशक्तिकरण उपलब्ध कराया है। यह कदम प्रधानमंत्री के 'नागरिक देवो भव' के मूलमंत्र को धरातल पर साकार करेगा । इससे आम जीवन की समस्याओं का समाधान तो होगा ही साथ ही जवाबदेह और पारदर्शी लोकसेवा का एक इकोसिस्टम विकसित हो सकेगा। श्री सिन्हा ने कहा कि आम जनता की आशा, अपेक्षा और शिकायतों के नियमसम्मत निष्पादन के लिए पूर्व में लोकसेवा अधिकार और लोकशिकायत अधिनियम जैसे प्रावधान हमारी ठऊअ सरकार द्वारा पहले किये गए थे। लेकिन समय के साथ प्रशासन में हो रहे नवाचार के लिए जनसमस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी निष्पादन एवं अनुश्रवण आवश्यक हो चला था। इसी के मद्देनजर पंचायत स्तर से लेकर राज्य मुख्यालय स्तर तक प्रशासन और पुलिस के पदाधिकारियों को समयबद्ध कार्यनिष्पादन की जिम्मेदारी गई है। इस पूरी व्यवस्था को हमेशा मुख्यमंत्री स्वयं मॉनिटर करने जा रहे हैं। श्री सिन्हा ने आगे कहा कि लोकप्रशासन में आज तकनीक की भूमिका बेहद अहम हो गई है। इसको ध्यान में रखते हुए सहयोग पोर्टल और केंद्रीकृत डैशबोर्ड बनाया जा रहा है। निश्चित रूप से इस पहल से 30 दिनों की समयसीमा के भीतर जन-समस्याओं का निपटारा तो होगा ही, साथ ही आ रही बाधाओं की सटीक पहचान व लक्षित समाधान हो सकेगा।

98 साल पहले मुंबई में खुला था देश का पहला पेट्रोल पंप,बैलगाड़ी से होता था सप्लाई

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई।आज भारत में कुल पेट्रोल पंप की संख्या 01 लाख से अधिक हो गई है। मगर क्या आप जानते हैं कि पहला पेट्रोल पंप किस शहर में खोला गया था और किसने उस पेट्रोल पंप की शुरुआत की थी? आइए जानते हैं भारत में शुरू हुए पहले पेट्रोल पंप का इतिहास। भारत का पहला पेट्रोल पंप 1928 में मुंबई में खोला गया था। तब मुंबई को बॉम्बे कहा जाता था। यह पेट्रोल पंप बर्मा शेल द्वारा शुरू किया गया था जिसे बाद में भारत पेट्रोलियम के नाम से जाना गया। ह्यूजेस रोड (अब एनी बेसेंट रोड वर्ली) पर स्थित इस स्टेशन को बर्मा शेल स्टेशन कहा जाता था। उस पेट्रोल पंप में केवल दो हाथ से चलने वाले डिस्पेंसर थे और इसकी स्टोरेज कैपेसिटी लगभग 200-300 गैलन 900-1200 लीटर थी। बर्मा शेल एक ब्रिटिश तेल कंपनी थी जिसने 1928 से 1976 तक भारत में काम किया और पूरे देश में मिट्टी के तेल पेट्रोल और लुब्रिकेंट्स के डिस्ट्रिब्यूशन की शुरुआत की। यह बर्मा ऑयल कंपनी और शेल पेट्रोलियम कंपनी के बीच एक जॉइंट वेंचर था।भारत सरकार ने 1976 में इसका राष्ट्रीयकरण कर दिया जिससे भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड बीपीसीएल का गठन हुआ। आज यही कंपनी भारत में करीब 25000 पेट्रोल पंप संचालित करती है। उस समय भारत में कोई तेल रिफाइनरी तो था नहीं इसलिए पेट्रोल को ही पानी के जहाजों के जरिए आयात किया जाता था। तब पेट्रोल बर्मा (अब म्यांमार) ईरान और पश्चिम एशिया से आता था और फिर इसे ट्रकों या बैलगाड़ियों के जरिए 40-गैलन वाले ड्रमों में भरकर स्टेशन तक पहुँचाया जाता। बता दें कि गाड़ियों में पेट्रोल भरने के लिए हैंड-पंपों का इस्तेमाल किया जाता था जिससे यह पूरी प्रोसेस पूरी तरह से हाथों से की जाती थी। पहले पेट्रोल पंप पर पेट्रोल की कीमत 01 आना (06 पैसे) से 02 आना (12 पैसे) प्रति लीटर के बीच थी। 06 पैसे के रेट पर देखें तो 01 रुपये में 16 लीटर से अधिक पेट्रोल मिल जाता था। मगर उस समय एक आम आदमी की औसत दैनिक आय 01 रुपये से भी कम थी इसलिए यह रेट बहुत अधिक था। उस समय पेट्रोल पंप खोलना इतना आसान नहीं था। गाड़ियों की लिमिटेड संख्या फ्यूल की अनियमित सप्लाई और रिफाइनरियों की कमी के कारण कंपनी के सामने कई अनिश्चितता थीं। वहीं बारिश में ईंधन के ड्रमों को अक्सर जंग लग जाता था जिससे उनमें रिसाव होने लगता था। शुरुआत में इस बिजनेस के मुनाफे को लेकर काफी दुविधा रही मगर बाद में यह बेहद सफल साबित हुआ।पेट्रोल के शुरुआती ग्राहकों में अमीर पारसी और गुजराती व्यापारी परिवार थे। साथ ही ब्रिटिश अधिकारियों के अलावा सरकारी अधिकारी मुंबई आने वाले राजा और टैक्सी ड्राइवर यहां के रेगुलर कस्टमर बन गए।आज पेट्रोलियम पदार्थ लाइफ लाइन बन गया है। इसके बिना हम विकास की कल्पना नहीं कर सकते हैं।

जिलाधिकारी के जनसुनवाई कार्यक्रम में 60 मामलों की हुई सुनवाई

नई सोच एक्सप्रेस

बेतिया।जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने एक एक कर सभी फरियादियों की शिकायतें सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान 60 मामलों की सुनवाई की गई। इनमें भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मुद्दे,सामाजिक सुरक्षा पेंशन,प्रधानमंत्री आवास योजना,बिजली आपूर्ति,पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण व मरम्मत तथा राशन कार्ड से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं। कई मामलों में जिलाधिकारी के हस्तक्षेप से मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जिससे लोगों को तत्काल राहत मिली। यह कार्यक्रम सात निश्चय-3 के तहत चलाए जा रहे सबका सम्मान जीवन आसान अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनिल कुमार सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता, रोचना माद्री, मासूम अंसारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सोमनाथ मंदिर के एक हजार वर्ष पूर्ण होने पर वाणावर में विशेष कार्यक्रम

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद(हसनैन दीवाना)।जिले के प्रसिद्ध वाणावर पहाड़ स्थित सिद्धेश्वरनाथ मंदिर परिसर में सोमनाथ मंदिर के एक हजार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी, जिसके माध्यम से लोगों ने कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्तिमय माहौल और उत्साह का वातावरण बना रहा। इसमें बिहार सरकार के कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ.प्रमोद कुमार चंद्रवंशी भी शामिल हुए। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए थे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर सोमनाथ मंदिर की गौरवशाली परंपरा को याद किया। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री डॉ.प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि वाणावर क्षेत्र को पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थल धार्मिक और प्राकृतिक दोनों दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है और सरकार इसे एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना चाहती है। डॉ.प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने बताया कि वाणावर क्षेत्र के विकास को लेकर सरकार गंभीर है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए रोपवे परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है और बहुत जल्द लोगों को इसकी सुविधा मिलने लगेगी। वाणावर क्षेत्र में खनिज संसाधनों की भी अपार संभावनाएं हैं। बिहार सरकार का इसपर पर भी अध्ययन है और योजनाएं तैयार की जा रही हैं ताकि क्षेत्र के विकास को नई गति मिल सके। उन्होंने कहा कि पर्यटन और खनिज आधारित विकास से स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

भाजपा की जिला बैठक में प्रशिक्षण महाअभियान की तैयारियों पर मंथन

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में भाजपा कोर कमेटी एवं जिला पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 16 एवं 17 मई को आयोजित होने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह ने बताया कि 16 एवं 17 मई (शनिवार एवं रविवार) को प्रातः 9 बजे से कटरा नेवाजी टोला स्थित आर एन सिंह इवनिंग कॉलेज में प्रशिक्षण अभियान का आयोजन होगा, जिसका समापन अगले दिन किया जाएगा। इस अभियान में जिले के वरिष्ठ नेता, सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, विधान पार्षद, पूर्व विधान पार्षद, जिला पदाधिकारी, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, जिला कार्यसमिति सदस्य, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी भाग लेंगे। साथ ही प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री एवं नेता भी प्रशिक्षण सत्र में शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। बैठक के अंत में भाजपा नेत्री स्वर्गीय नेहा यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित नेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर एक मिनट का मौन रखा। रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि नेहा यादव भाजपा की मजबूत स्तंभ थीं और उनकी कमी सारण भाजपा को हमेशा महसूस होगी। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश प्रसाद, रामदयाल शर्मा, वेद प्रकाश उपाध्याय, पूर्व प्रत्याशी डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह, भाजपा महामंत्री विवेक कुमार सिंह, उपाध्यक्ष श्रीनिवास सिंह, कृष्णा राम, अनु सिंह, जिला मंत्री अर्द्धेन्दु शेखर, राजीव कुमार सिंह, सुनीता कुमारी (अधिवक्ता), सुनीता देवी, मीरा देवी, अनुरंजन कुमार सहित सभी जिला पदाधिकारी एवं जिला कोर कमेटी सदस्य उपस्थित रहे।

वर्षों से बदहाल कमलनाथ नगर-सुप्रिया रोड का बरसात से पहले ही शुरू हो जाएगा बहुप्रतीक्षित नव निर्माण:गरिमा

नई सोच एक्सप्रेस

» बोलीं महापौर 1.07 करोड़ की लागत वाली डबल लेन पीसीसी सड़क के साथ आरसीसी नाला निर्माण से दशकों की समस्या से मिलेगी राहत

» बदहाल, जर्जर सड़क का नाला सहित डबल लेन निर्माण से लोगों को आवागमन में सुविधा के साथ जलजमाव की विकट समस्या से भी मिलेगी मुक्ति

बेतिया।वर्षों से बदहाल कमलनाथ नगर से सुप्रिया रोड सड़क का बरसात से पहले ही शुरू हो जाएगा। इस अपनी बहुप्रतीक्षित विकास योजना के नव निर्माण की जानकारी देते हुए महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि 'बुडको' अर्थात बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से बनने वाली इस डबल लेन पीसीसी रोड और आरसीसी नाला निर्माण को बनाने के लिए भीष्म कंस्ट्रक्शन को इस योजना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर के संत तेरेसा रोड में खीरी पेड़ के स्थान से एनएच-727 मेन रोड तक जाने वाली वर्षों से जर्जर डबल लेन पीसीसी सड़क के नवनिर्माण का रास्ता साफ हो गया है। निर्माण एजेंसी के प्रबंध निदेशक के हवाले महापौर ने बताया कार्य स्थल का अवलोकन के बाद निर्माण एजेंसी द्वारा एक सप्ताह के भीतर बरसात पूर्व निर्माण कार्य शुरू करने के लिए इस सड़क सीमांकन के साथ अतिक्रमण मुक्त कराने का अनुरोध किया है। वही महापौर ने यह भी बताया कि उनकी अध्यक्षता सम्पन्न सशक्त स्थाई समिति की बैठक में भी इस सड़क का बहुप्रतीक्षित नव निर्माण कार्य शुरू होने से पूर्व अतिक्रमण मुक्त बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि कमलनाथ नगर का मोहल्ला जलजमाव और बदहाल जल निकासी व्यवस्था को लेकर चर्चित रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर होगा कि अतिक्रमण पर प्रशासनिक कार्रवाई से पूर्व ही इस ऐतिहासिक मुहल्ले की जल निकासी व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए स्वयं से ही सड़क और नाले की सरकारी जमीन को संबंधित नगर वासी ही खाली कर दें।महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुल 1.07 करोड़ खर्च से यह कार्य आवंटित किया गया है। इधर कतिपय स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सड़क पिछले कई दशकों से जर्जर अवस्था में थी। हल्की बारिश में भी सड़क तालाब में तब्दील हो जाती है, जिससे राहगीरों, स्कूली बच्चों और मुहल्ले वालों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ती थी। अतिक्रमण के कारण नाला सही नहीं होने से गंदा और बदबूदार पानी घरों और दुकानों के अंदर पहुंच जाता है।

राजस्व कर्मचारी काम पर लौटे हड़ताल समाप्त

नई सोच एक्सप्रेस

राजापाकर(वैशाली)।राजापाकर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न हल्कों में कार्यरत राजस्व कर्मचारी सरकार से वार्ता सफल होने के बाद हड़ताल से वापस लौटे। सोमवार 11 मई को प्रखंड के सभी 6 कर्मचारी अमित कुमार रंजन, प्रियव्रत कुमार, बलवीर कुमार, सूरज कुमार, प्रियरंजन कुमार ,मुजाजिर हुसैन सभी हडताल से वापस आने के बाद अपने अपने पूर्व निर्धारित हलकों में बैठे बैठेंगे एवं दैनिक कार्यों का निष्पादन करेंगे।वहीं इस संबंध में जानकारी देते हुए वरिष्ठ राजस्व कर्मचारी अमित कुमार रंजन ने बताया कि सरकार द्वारा उनकी 17 सूत्री मांगों को सरकार से वार्ता हुई है। जिसमें उनकी मांगों को लागू करने का निर्णय लिया गया है। मालूम हो कि 22 अप्रैल से सभी राजस्व कर्मचारियों को हड़ताल अवधि की सेवा नियमित करते हुए उपार्जित अवकाश के रूप में स्वीकृत करने और उपार्जित अवकाश शेष नहीं रहने की स्थिति में अग्रिम उपार्जित अवकाश स्वीकृत किए जाने के संबंध में पत्र जारी किया गया है। दिवस के भीतर कार्रवाई कर ली जाएगी। राजस्व कर्मचारी का राजस्व अधिकारी एवं समकक्ष पदों पर प्रोन्नति हेतु नियमावली में समय अवधि उपरांत संचिका सामान प्रशासन विभाग बिहार पटना को भेजा जाना प्रक्रियाधीन है।राजस्व कर्मचारी का पदनाम परिवर्तित करते हुए सहायक राजस्व अधिकारी करने के संबंध में संचिका सक्षम पदाधिकारी को भेजी जा चुकी है। सभी मांगों पर सरकार द्वारा पुरा करने का आश्वासन दिया गया है।

तेज रफ्तार का कहर:सुगौली ओवरब्रिज के पास मराजो कार बनी मौत का कारण,एक की दर्दनाक मौत

नई सोच एक्सप्रेस

» सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंदती चली गई बेकाबू कार,दो लोगों के किया घायल

मोतिहारी।सुगौली में रविवार देर रात तेज रफ्तार का ऐसा तांडव देखने को मिला,जिसने एक परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं।सुगौली थाना क्षेत्र के मुख्य मार्ग स्थित ओवरब्रिज सिसवनिया टोला के समीप महिंद्रा कंपनी की तेज रफ्तार मराजो कार ने सड़क किनारे खड़े लोगों को जोरदार टक्कर मार दी।हादसा इतना भयावह था कि मौके पर ही चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग दहशत में आ गए।इस दर्दनाक हादसे में सिसवनिया टोला निवासी इसूफ अंसारी की मौत हो गई,जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।दोनों घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है।घटना के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देर रात कुछ लोग सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत कर रहे थे।तभी छपवा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही अनियंत्रित मराजो कार अचानक लोगों पर चढ़ गई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि लोग कई फीट दूर जा गिरे।हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भागने की कोशिश में था,लेकिन स्थानीय लोगों की तत्परता से गाड़ी को रोक लिया गया।घटना की सूचना मिलते ही सुगौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे में शामिल वाहन को कब्जे में लेकर उसमें सवार चार लोगों को हिरासत में ले लिया।पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही हादसे की बड़ी वजह मानी जा रही है।स्थानीय लोगों में घटना को लेकर भारी आक्रोश है।लोगों का कहना है कि ओवरब्रिज और मुख्य सड़क पर आए दिन तेज रफ्तार वाहनों का आतंक बना रहता है,लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती।ग्रामीणों ने रात में पुलिस गश्ती बढ़ाने और तेज रफ्तार वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।एक बार फिर यह हादसा सवाल खड़ा कर गया है कि आखिर सड़कें सफर के लिए हैं या मौत बांटने के लिए?तेज रफ्तार और लापरवाही कब तक लोगों की जान लेती रहेगी?

बिहार के सभी वर्गों को मिला बराबर का सम्मान:- मंत्री श्रवण कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

राजगीर।राजगीर के कुंड परिसर कुटिया में भारतीय राजवार राजवंशी समाज नालंदा के द्वारा के ग्रामीण विकास एवं सूचना जन जन संपर्क के नवमनोनित मंत्री श्री श्रवण कुमार का अभिनंदन समारोह भारतीय रजवार समाज नालंदा के अध्यक्ष बालेश्वर राजवंशी के नेतृत्व मे किया गया।इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष ने कहा कि पूरे राजवंशी समाज ने पूरे जोश के साथ गरीबों शोषित वंचितों के नेता का अभिनंदन किया ।मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि अपने समाज को एक जुटता बनाए रखे कुंड परिसर में बने हुए कुटिया को भी काफी सहयोग किया और भविष्य में भी करेंगे और विकास का कार्य काफी तेजी से होगा और मलमास मेले में आए हुए अतिथियों के लिए काफी सुविधा उपलब्ध हो गया कुंड परिसर दुकानदारों के लिए वेंडिंग जोन बनाने का अवशोषण भी दिए हैं बिहार की सरकार अपके साथ आपके विकास को कृतसंकल्पित है बिहार में जब से नीतीश कुमार को जनता ने आशीर्वाद दिया तब से लेकर अब तक मुख्यमंत्री सम्राट सरकार के नेतृत्व में न्याय के साथ विकास कर हर समाज को बराबरी का मौका मिला सम्मान मिला है मुख्यमंत्री ने कहा कि आगे भी बिहार नीतीश मांडल पर चलकर बिहार को टाप पांच राज्यों में शामिल कराने को लेकर काम कर रही है करेगी भी हमारी सरकार बोलने में कम और काम करने में ज्यादा विश्वास करती थी है और रहेगी बिहार वासियों की सेवा करना सरकार का प्राथमिक लक्ष्य रहा है।मौके पर उपस्थित जीरो देवी नगर परिषद अध्यक्ष श्री श्याम दोव राजवंशी श्री सुरेंद्र राजवंशी मिथिलेश राजवंशी चंदन राजवंशी बिरजू राजवंशी संपत राजवंशी उदय राजवंशी अरुण राजवंशी वार्ड पार्षद कविता कुमारी वार्ड पार्षद मनीषा कुमारी वार्ड परिषद विनोद राजवंशी जदयू नेत्री मीरा कुमारी वार्ड पार्षद और 100 ग्रामीण उपस्थित है।

संक्षिप्त समाचार

वीरों को जन्म देने वाली माताओं को किया नमन

कानपुर।दिल्ली पब्लिक स्कूल किदवई नगर के प्रांगण में मदर्स डे के उपलक्ष्य में भव्य और भावनात्मक का आयोजन किया गया। बच्चों ने माताओं के सम्मान में विशेष प्रस्तुति दी। बच्चों ने रोल प्ले नाट्य रूपांतरण के माध्यम से उन प्रसिद्ध माताओं का जीवंत अभिनय किया। मुख्य अतिथि प्रो वाइस चेयरपर्सन बंदना मिश्रा ने विचार व्यक्त किए। विद्यालय की हेडमिस्ट्रेस अलका जोशी ने अपने संबोधन में सभी माताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा माँ हमारे जीवन की पहली गुरु होती है। तथा आज का कार्यक्रम उनके प्रति हमारी श्रद्धा और सम्मान का एक छोटा सा प्रयास है। हम उनके योगदान को कभी शब्दों में नहीं बाँध सकते। समारोह का समापन सभी माताओं के सम्मान में धन्यवाद और सामूहिक चित्रण के साथ हुआ।

गांदरबल में नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गांदरबल। अल रहीम ट्रस्ट द्वारा गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, गांदरबल में नशा मुक्त अभियान के तहत #असलुक_आलाव का दूसरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सूफी विद्वानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे और सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूक करना था। वक्ताओं ने कहा कि समाज में नैतिकता, समानता और जागरूकता अभियान के माध्यम से ही नशे जैसी बुराइयों को खत्म किया जा सकता है। अल रहीम ट्रस्ट के अध्यक्ष नजीर गिलकर ने बताया कि संस्था पिछले तीन वर्षों से मुफ्त दवाएं, स्वास्थ्य जांच शिविर और जरूरतमंद मरीजों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध करा रही है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए ट्रस्ट ने गांदरबल जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को दी बधाई

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने बिहार सरकार में निशांत कुमार को स्वास्थ्य मंत्री बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि माननीय नीतीश कुमार जी के कुशल मार्गदर्शन एवं निशांत कुमार के नेतृत्व में बिहार निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छूएगा और बिहार का स्वास्थ्य विभाग नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा और आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। शैलेंद्र कुमार ने उम्मीद जताई कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, अस्पतालों की व्यवस्था सुधारने, ग्रामीण क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने तथा गरीबों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्य किए जाएंगे।उन्होंने आगे कहा कि बिहार सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का कार्य करेगी। साथ ही उन्होंने निशांत कुमार के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग और अधिक सशक्त एवं जनहितकारी बनेगा।

ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूर्ण होने पर दीपक शर्मा की 14,000 किलोमीटर राष्ट्र जागरण यात्रा बनी प्रेरणा

हरिद्वार।भारत सरकार द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाई जाने के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के साधारण कार्यकर्ता दीपक शर्मा द्वारा निकाली जा रही राष्ट्र जागरण साइकिल यात्रा ने 14,000 किलोमीटर का ऐतिहासिक पड़ाव पार कर लिया है। यह यात्रा राष्ट्रभक्ति, भारतीय सेना के सम्मान, सनातन संस्कृति और भारत की एकता को समर्पित है। दीपक शर्मा ने 25 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के बाद उसकी गौरव गाथा को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ हरियाणा के पानीपत जिले के गांव सोंधापुर से अपनी राष्ट्र जागरण साइकिल यात्रा प्रारंभ की थी। आज यह यात्रा देशव्यापी जनआंदोलन और राष्ट्र चेतना का प्रतीक बन चुकी है। दीपक शर्मा अब तक हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम, नागालैंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सहित 21 राज्यों की यात्रा साइकिल के माध्यम से पूरी कर चुके हैं। वर्तमान में वह यात्रा के अंतिम पड़ाव चौथे धाम बद्रीनाथ की ओर अग्रसर हैं। यात्रा के दौरान दीपक शर्मा ने गांव-गांव, शहर-शहर, स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संस्थानों में पहुंचकर ऑपरेशन सिंदूर की गौरव गाथा को विद्यार्थियों, युवाओं और आम जनमानस तक पहुंचाने का कार्य किया। इस यात्रा के दौरान दीपक शर्मा ने 100 से अधिक स्कूलों और कॉलेजों में पहुंचकर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अपने विचार व्यक्त किए तथा भारतीय सेना की गौरव गाथा को बड़े गर्व और भावनात्मक रूप से छात्रों एवं युवाओं तक पहुंचाया। दीपक शर्मा ने अपनी यात्रा के दौरान पश्चिम में द्वारकाधीश, दक्षिण में रामेश्वरम और पूर्व में जगन्नाथ पुरी धाम की यात्रा पूर्ण की। वहीं उत्तर-पूर्व भारत के असम और नागालैंड सहित कई क्षेत्रों में पहुंचकर उन्होंने भारत की सभी दिशाओं में ऑपरेशन सिंदूर की गौरव गाथा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया। अब चौथे धाम बद्रीनाथ की ओर बढ़ती यह यात्रा राष्ट्र एकता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बन चुकी है। यात्रा के दौरान दीपक शर्मा ने भारतीय सेना के जवानों एवं अधिकारियों के साथ भी संवाद किया। मद्रास रेजीमेंट, जाट रेजीमेंट और असम राइफल्स जैसे प्रतिष्ठित सैन्य संगठनों द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। यह सम्मान राष्ट्रसेवा और जनजागरण के प्रति उनकी निष्ठा का प्रतीक माना जा रहा है। दीपक शर्मा ने कहा कि यह यात्रा केवल एक साइकिल यात्रा नहीं बल्कि भारत की आत्मा, संस्कृति, सेना के सम्मान और राष्ट्र चेतना को जोड़ने का अभियान है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की भावना देश के हर युवा तक पहुंचाना उनका उद्देश्य है ताकि आने वाली पीढ़ियां राष्ट्रहित और देशभक्ति को सर्वोपरि रखें। देशभर में चल रही इस यात्रा को विभिन्न सामाजिक संगठनों, संत समाज, युवाओं और राष्ट्रवादी नागरिकों का निरंतर समर्थन एवं आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है।

कर्नाह में निःशुल्क कैंसर जांच और बहु-विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर से सैकड़ों लोगों को लाभ मिला

नई सोच एक्सप्रेस

कर्नाह।सीमावर्ती निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहल के तहत, भारतीय सेना ने कुपवाड़ा जिला प्रशासन और ड्रगमुल्ला क्वालिटी हेल्थकेयर अस्पताल के सहयोग से, एसडीएच तंगदार के कर्मचारियों के पूर्ण समर्थन से, कर्नाह के उप जिला अस्पताल (एसडीएच) तंगदार में निःशुल्क कैंसर जांच और बहु-विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया। शिविर में जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसमें कर्नाह और आसपास के गांवों के सैकड़ों निवासियों ने निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, जांच और उपचार सुविधाओं का लाभ उठाया। दिल्ली से आए कैंसर विशेषज्ञों की एक प्रतिष्ठित टीम ने रोगियों की कैंसर जांच और चिकित्सा मूल्यांकन किया। विशेषज्ञों ने कैंसर का इलाज करा रहे रोगियों को परामर्श भी दिया और विशेषज्ञ चिकित्सा मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की। शिविर में प्रसिद्ध गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. मजीद के साथ-साथ जनरल मेडिसिन डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा परामर्श भी दिया गया। कार्यक्रम के दौरान रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा परीक्षण और दवा वितरण के लिए फार्मेसी सुविधाएं प्रदान की गईं। एसडीएच तंगदार की पूरी टीम ने शिविर के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और अस्पताल के अधिकारियों ने दिनभर सुचारू रोगी प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम किया। एसडीएच तंगदार के बीएमओ, डॉ. आरिफ ख्वाजा ने व्यवस्थाओं की बारीकी से निगरानी की और उचित समन्वय और कुशल स्वास्थ्य सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों और रोगियों दोनों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। यह पहल दूरस्थ सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हुई, क्योंकि इससे विशेष स्वास्थ्य सेवाएँ सीधे उनके घर तक पहुँच गईं। रोगियों ने व्यवस्थाओं की सराहना की और लंबी दूरी तय किए बिना विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श करने का अवसर मिलने पर आभार व्यक्त किया। नाह के नागरिक समाज के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने भारतीय सेना, एसडीएच तंगदार के कर्मचारियों और बहु-विशेषज्ञ चिकित्सा दल को उनके मानवीय प्रयासों और जन कल्याण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया। शिविर के सफल संचालन ने एक बार फिर आम जनता और सुरक्षा बलों के बीच मजबूत बंधन को उजागर किया और क्षेत्र में सहयोग, विश्वास और सेवा की भावना को सुदृढ़ किया।

बंगीय हिन्दी परिषद में मातृ दिवस

नई सोच एक्सप्रेस

कोलकाता।कोलकाता महानगर की प्राचीनतम संस्था 'बंगीय हिन्दी परिषद 'के तत्वावधान में आयोजित कवि कल्प गोष्ठी में अपने संबोधन में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रख्यात साहित्यकार व पत्रकार डॉ अभिज्ञात ने कहा कि मातृ दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं बल्कि माँ के अनगिनत त्याग, समर्पण, स्नेह के प्रति व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने यह भी कहा कि माँ अपने बच्चों की खुशियों के लिए स्वयं की इच्छाओं का त्याग कर देती है। मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता शम्भुनाथ राय ने कहा कि हम अपने माता-पिता का सम्मान केवल एक दिन नहीं बल्कि जीवन भर करे। विशिष्ट अतिथि दया शंकर मिश्र ने कहा कि वह बिना किसी अपेक्षा के हर परिस्थिति में परिवार का साथ निभाती है। यही कारण है कि माँ को भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत कोकिल कंठ की धनी प्रणति ठाकुर की सरस्वती वंदना से हुआ। इस पावन अवसर पर जिन्होंने माँ पर रचनाएँ सुनाई उनमें सुरेन्द्र सिंह, कृष्ण कुमार दूबे, चन्द्रिका प्रसाद पाण्डेय 'अनुरागी',ओमप्रकाश चौबे, शिवम तिवारी, विश्वजीत ठाकुर, अय्यूब वारसी 'कोलकतवी ',जतिब हयाल, सुरेश शॉ, पूर्णिमा जायसवाल, लक्ष्मी कुमार जायसवाल, श्रीकांत गलुई, नीतू शर्मा, रवि पारख, संजय शुक्ल, राम नारायण झा, नजीर राही, डॉ शाहिद फरोगी, डॉ राजन शर्मा, शहनाज रहमत, विजय इससर 'वत्स 'ने कविताएँ सुनाकर भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रदीप कुमार धानुक जबकि धन्यवाद ज्ञापन कमल पुरोहित 'अपरिचित 'ने किया।

हंडवारा के सड़क एवं भवन निर्माण प्रभाग के कार्यकारी अभियंता, फारूक अहमद शाह, विकास को गति देने वाले दूरदर्शी अधिकारी

नई सोच एक्सप्रेस

हंडवारा।हंडवारा के सड़क एवं भवन निर्माण (आर एंड बी) प्रभाग के कार्यकारी अभियंता, श्री फारूक अहमद शाह, विकास के प्रति व्यापक दृष्टिकोण और दृढ़ प्रतिबद्धता वाले अधिकारी के रूप में सर्वत्र मान्यता प्राप्त हैं। उनके मार्गदर्शन में, हंडवारा के सड़क एवं भवन निर्माण प्रभाग ने बुनियादी ढांचे के विकास में, विशेष रूप से सड़कों और सार्वजनिक सुविधाओं के निर्माण और उन्नयन में महत्वपूर्ण प्रगति देखी है। कई विकास परियोजनाएं कुशलतापूर्वक निष्पादित की गई हैं, जबकि कई अन्य वर्तमान में चल रही हैं, जो क्षेत्र में आधुनिकीकरण और बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में निरंतर प्रयास को दर्शाती हैं। अपनी लगन और मेहनत के लिए जाने जाने वाले श्री शाह ने बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके सक्रिय दृष्टिकोण और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने की स्थानीय लोगों ने सराहना की है, जो हंडवारा में हो रहे स्पष्ट परिवर्तन को स्वीकार करते हैं। उनके नेतृत्व में आर एंड बी डिवीजन द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों से कनेक्टिविटी में और सुधार होने, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और निवासियों के जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है।

जाहरवीर गोगाजी धाम पावला बेगमाबाद में हुआ वार्षिक भंडारे का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

बागपत, उत्तर प्रदेश।विवेक जैन। जनपद बागपत के गांव पावला बेगमाबाद में स्थित जाहरवीर गोगाजी धाम में वार्षिक जागरण व भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंड़ित सुमित जी द्वारा विधि-विधान के साथ हवन कराया गया। हवन के मुख्य यजमान सतीश डायरेक्टर रहे। इसके उपरान्त भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। जाहरवीर गोगाजी धाम में रागनी के कलाकारों ने गोगाजी की महिमा का गुणगान किया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध समाजसेवी व प्रोपर्टी डीलर यशराम धामा ने बताया कि जाहरवीर गोगाजी का यह धाम लगभग 100 वर्ष पुराना है। बताया कि गांव के निवासी बागचन्द बाबा, जाहरवीर गोगाजी के परम भक्त थे। उन्होने अपने खेत में जाहरवीर गोगाजी के इस धाम की स्थापना की। उनके निधन के बाद उनके अविवाहित पुत्र लाला भगत जी ने इस धाम पर गोगाजी की सेवा की। लाला भगत जी के निधन के बाद बागचन्द बाबा जी के वंशज तेजपाल जी, ग्रामवासियों के साथ गोगाजी के इस धाम की सेवा कर रहे है। तेजपाल जी ने बताया कि कोरोनाकाल के समय से गोगाजी के इस धाम का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। बताया कि गोगाजी के इस धाम पर लगभग 16 वर्षों से जेठ महीने में कृष्ण पक्ष की अष्टमी को जाहरवीर गोगाजी का जागरण व नवमी को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। सम्पूर्ण कार्यक्रम जाहरवीर सेवा समिति पावला बेगमाबाद द्वारा किया जाता है, समिति में सभी को समान अधिकार प्राप्त है, सभी सेवादार है और सभी दिल से जाहरवीर गोगाजी की सेवा करते है। कार्यक्रम में प्रदीप, दिल्ली पुलिस में तैनात कपिल, ओमवीर, महेन्द्र धामा मैनेजर, ग्राम प्रधान मनोज धामा, महामहिम राष्ट्रपति जी व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन, ऋषिराज, कर्मवीर, सतपाल, राधे, राजेराम, यशराम धामा सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित थे।

बाघमारा अंचल अधिकारी का आदेश हाईकोर्ट ने किया अवैध घोषित, 6 सप्ताह में मांगा जवाब

नई सोच एक्सप्रेस

बाघमारा।बाघमारा अंचल अधिकारी द्वारा 17 अप्रैल 2026 को जारी आदेश, जिसमें एक तालाब को सरकारी संपत्ति घोषित किया गया था, को झारखंड हाईकोर्ट ने गैरकानूनी करार दिया है। मामले की सुनवाई करते हुए माननीय न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने अंचल अधिकारी को छह सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। यह मामला गोस्वामी परिवार की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि संबंधित तालाब उनकी निजी रैयती भूमि पर स्थित है। इससे पहले भी हाईकोर्ट की डबल बेंच ने वर्ष 2024 में LPA No. 81/2024 के तहत भूस्वामियों के रैयती प्रमाण पत्र को वैध ठहराया था। गोस्वामी परिवार का आरोप है कि अंचल अधिकारी के आदेश के आधार पर, जिसे अब हाईकोर्ट ने अवैध करार दिया है, कंदरा पंचायत की मुखिया, पंचायत समिति सदस्य एवं अन्य लोगों द्वारा उनके निजी तालाब में लगातार तीन दिनों तक मछली पकड़ने का अभियान चलाया गया। याचिकाकर्ताओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि जिन व्यक्तियों पर उनकी जमीन में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी और मत्स्य पालन से होने वाली आय में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगने का आरोप है, उन्हीं लोगों को अंचल अधिकारी द्वारा मछली पकड़ने की अनुमति दी गई। इससे प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। गोस्वामी परिवार ने कंदरा पंचायत की मुखिया रिंकू देवी, मुखिया प्रतिनिधि धनेश्वर महतो एवं पंचायत समिति सदस्य सुभाष चंद्र महतो पर लगातार रंगदारी और हिस्सेदारी मांगने का आरोप लगाया है। इस संबंध में कई बार प्रशासन को लिखित शिकायत भी दी गई है। रैयतों का कहना है कि अंचल अधिकारी के खिलाफ अवमानना (Contempt of Court) याचिका भी दायर की गई है। वहीं, मुखिया प्रतिनिधि द्वारा संबंधित भूखंड पर कब्जा कर सड़क निर्माण और नए निर्माण कार्य की घोषणा किए जाने को हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन बताया गया है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज है और अब सभी की नजरें हाईकोर्ट में अगली सुनवाई तथा प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं।

हंदवारा में शबीर इलेक्ट्रॉनिक्स का उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

हंदवारा।एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, आज राजवार रोड, नए कोर्ट कॉम्प्लेक्स गेट के सामने स्थित शबीर इलेक्ट्रॉनिक्स, जो सभी इलेक्ट्रॉनिक सामान, विशेष रूप से सेकंड हैंड मोबाइल फोन बेचता है, का उद्घाटन धूमधाम से किया गया। यह दुकान ग्राहकों को उनके मनपसंद फोन खरीदने के लिए ईएमआई की सुविधा भी प्रदान करेगी। स्थानीय धर्मगुरु ने शबीर इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए शुभकामनाएं दीं। हंदवारा और बंगस वैली ट्रेडर्स फेडरेशन के सूमो स्टैंड अध्यक्ष सैयद तनवीर गिलानी और ड्राइवर ने शबीर इलेक्ट्रॉनिक्स को शुभकामनाएं दीं और समाज में इतनी अंधकारमय परिस्थितियों के बावजूद इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए युवाओं के प्रयासों की सराहना की।

दुकान का नामः शबीर इलेक्ट्रॉनिक्स

मालिक का नामः शबीर अहमद शेख

स्थानः राजवार रोड, नए कोर्ट कॉम्प्लेक्स गेट के सामने, हंदवारा

77808 02624

अलीराजपुर से लेकर मांडव तक स्वामी स्वदेशानंद ब्रह्म गिरि महाराज का हुआ भव्य स्वागत

नई सोच एक्सप्रेस

अलीराजपुर।अंतर्राष्ट्रीय सन्त बौद्धिक मंच के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी स्वदेशानन्द ब्रह्म गिरि महाराज अपने साथियों शहडोल संभाग के अध्यक्ष रामनारायण मिश्रा, सुखलाल तुरकर, निरंजन शर्मा, राकेश शर्मा, श्याम सूर्यवंशी, मेहतलाल कटरे, श्रीमती मंजू यूईके आदि साथियों के साथ एक मई से नर्मदा परिक्रमा में जब वे अलीराजपुर पहुंचे तो नरेन्द्र मोदी विचार मंच महिला शाखा की मालवा प्रान्त की प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा जी के नेतृत्व में परिक्रमा वासियों को पुष्प हारों तथा शाल श्रीफल से स्वागत किया गया। धार में अंतर्राष्ट्रीय सन्त बौद्धिकटी मंच के प्रदेश अध्यक्ष राजा भाऊ भदाने के नेतृत्व में तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सरदार सिंह मेढा की उपस्थिति में सैकड़ों पदाधिकारियों ने पुष्प हारों से और भगवा वस्त्र देकर स्वागत किया। रानी रूपमती की नगरी मांडव में भगवान चतुर्भुज श्री राम मन्दिर में महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री की प्रमुख उपस्थिति में सत्संग का कार्यक्रम हुआ। स्वामी स्वदेशानंद ब्रह्म गिरि महाराज के नेतृत्व में किए जा रहे मां नर्मदा परिक्रमा का 11 वा दिन है । स्वामी स्वदेशानंद ब्रह्म गिरि महाराज ने बताया कि 14 दिनों में ये यात्रा हम पूरी कर अमरकंटक में समापन करेगें । नर्मदा परिक्रमा का उद्देश्य मां नर्मदा मैया से आशीर्वाद प्राप्त कर आने वाले समय में ग्यारह सूत्रीय मांगों को लेकर किए जाने भारत माता परिक्रमा को सफल बनाने के उद्देश्य से नर्मदा परिक्रमा कर रहें हैं। भारत माता परिक्रमा का उद्देश्य रहेगा भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना, गौ माता को राष्ट्र माता का सम्मान दिलाना, साधु सन्तों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून बनाना, लव जिहाद पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने विशेष कानून बनाना, धर्मांतरण रोकने के लिए विशेष कानून बनाना आदि ग्यारह सूत्रीय मांगों को लेकर भारत माता परिक्रमा किया जायेगा। आपने कहा कि हम दशहरा के प्रथम दिन से ही हम पुनः मां नर्मदा जी की परिक्रमा करेगें। तीन बार मां नर्मदा जी के आशीर्वाद से मां नर्मदा जी की परिक्रमा करेगें।

» 25 करोड़ सदस्य बनाकर हम सन्त संसद की स्थापना करेगें - स्वामी स्वदेशानंद

आरटीओ का होगा घेराव,15 मई को आंदोलन करेगा वाराणसी टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट यूनियन - राकेश कुमार सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में अर्बन फूड कोर्ट नदेसर स्थित कैंप कार्यालय पर संपन्न हुई | बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 मई को आरटीओ कार्यालय काजीसराय का घेराव किया जाएगा | बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सरकार एवं परिवहन विभाग द्वारा मोटर मालिकों पर लगातार नए-नए नियम लागू कर उन्हें परेशान किया जा रहा है | आए दिन बदलते नियमों और भारी जुर्माने के कारण बस एवं वाहन मालिक आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं | एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि आरटीओ अधिकारियों से मिलकर उनकी समस्याओं को अवगत कराया जाएगा तथा यह पूछा जाएगा कि बिना किसी टैक्स राहत के वाहन मालिक आखिर इतनी व्यवस्थाएं कैसे करेंगे | बैठक में विशेष रूप से शान द्वारा आदेश हुआ है कि वर्ष 2019 के बाद की बसों एवं अन्य वाहनों में पैनिक बटन लगाने के आदेश हुई हैं | वक्ताओं ने आरोप लगाया कि इस आदेश के नाम पर आरटीओ विभाग द्वारा वाहन मालिकों का उत्पीड़न किया जा रहा है सभी बसों पर साथ ही आए दिन वाहनों के चालान किए जाने से परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों में भारी नाराजगी है | कार्यक्रम के अंत में 7 मई 2026 को दिवंगत हुए साथी त्रिभुवन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया | बैठक में मुख्य रूप से प्रवक्ता शशि प्रताप सिंह,विनोद सिंह,हर्षवर्धन सिंह,पी. रोहित सिंह,विकास सिंह,विशाल राय,प्रवीण श्रीवास्तव,अखिलेश सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे ||

भाजपा क्षमता अब कमजोर

विपक्ष के एकजुट रहने का संदेश है कि जनमत की प्रतिक्रिया उभार कर निर्णायक दबाव बनाने की भाजपा क्षमता अब कमजोर पड़ रही है। मगर प्रधानमंत्री इससे बेखबर नज़र आए। नतीजतन, राजनीतिक गतिरोध अब और बढ़ेगा। अपने 12 साल के कार्यकाल की सबसे बड़ी विधायी पराजय का सामना करने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार आत्म-निरीक्षण करे, तो वह विश्वास, पारदर्शिता, और साफ़गोई का महत्व बेहतर ढंग से समझ सकती है। मकसद परिसीमन था, तो उस पर महिला आरक्षण का मुलम्मा चढ़ाने क्या जरूरत थी? विपक्ष चकमा खा जाएगा या महिला विरोधी ना दिखने की जुगत में लोकसभा सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी को अपना समर्थन दे देगा, ऐसी सोच रखना अपनी बुद्धि पर अत्यधिक यकीन ही माना जाएगा।

दांव शायद भी था कि चूंकि उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटें सबसे ज्यादा बढ़ने वाली थीं, इसलिए समाजवादी पार्टी अपनी क्षेत्रीय गणना के तहत विपक्षी खेमे से टूट जाएगी। मगर ऐसी सोच साम-दाम- दंड-भेद के नज़रिए को जाहिर करती हैं। अब साफ है कि ऐसे नज़रिए के कामयाब होते रहने की समयसीमा होती है। बढ़ी आबादी को देखते हुए लोकसभा की सदस्य संख्या में बढ़ोतरी अतार्किक नहीं है। ना ही सैद्धांतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या आधारित परिसीमन का विरोध किया जा सकता है। मगर मुद्दा वो संदर्भ है, जिसमें ये पहल की गई। भाजपा सरकार के व्यवहार एवं नीतियों से राजनीतिक वर्ग में गहरा अविश्वास पैदा हुआ है। संवाद के मंचों को खत्म करना, राज्यपालों के जरिए गैर-भाजपा सरकारों को परेशान करना, मज़हब- भाषा आधारित विभाजक एजेंडे को हवा देना, विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग आदि जैसी अनेक प्रवृत्तियां हैं, जिनका साया लोकतंत्र के मूलभूत तकाज़ों पर पड़ा है। इसका ताज़ा शिकार परिसीमन की विधायी पहल हुई। बेहतर होता राष्ट्र के नाम प्रसारण में विपक्ष को कोसने के बजाय प्रधानमंत्री इन प्रश्नों पर आत्म-मंथन करते दिखते। नरेंद्र मोदी इस बार विपक्ष के एकजुट रहने का संदेश समझने की कोशिश करते। संदेश यह है कि एजेंडा सेट करने और जनमत की प्रतिक्रिया उभार कर निर्णायक दबाव बनाने की भाजपा क्षमता अब कमजोर पड़ रही है। विपक्ष का आकलन संभवतः यह है कि इन तरीकों से भाजपा जितना ध्रुवीकरण कर सकती थी, कर चुकी। बहरहाल, प्रधानमंत्री इससे बेखबर नज़र आए। नतीजतन, गतिरोध और बढ़ेगा। आगे का रास्ता सिर्फ संवाद से संभव है। मगर उसके लिए कम-से-कम इतनी ईमानदारी जरूरी होगी, जिससे दूसरे पक्ष में भरोसा पैदा हो।

गुजरात मॉडल के बीच कानून व्यवस्था की चुनौती

आरती कुमारी

गुजरात लंबे समय से देश के सबसे विकसित, औद्योगिक और अपेक्षाकृत सुरक्षित राज्यों में अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। उद्योग, व्यापार, निवेश और रोजगार के अवसरों के कारण इस राज्य को देश की आर्थिक रीढ़ के रूप में देखा जाता रहा है। खासकर सूरत, जिसे देश की डायमंड और टेक्सटाइल राजधानी कहा जाता है, हरदिन करोड़ों रुपये के कारोबार का केंद्र है। लाखों श्रमिक, व्यापारी और निवेशक इस शहर की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में सूरत और पूरे गुजरात में बढ़ते अपराधों ने इस चमकदार छवि पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़े बताते हैं कि गुजरात में अपराध का ग्राफ लगातार ऊपर जा रहा है। वर्ष 2024 के दौरान राज्य में 6.15 लाख से अधिक अपराध दर्ज किए गए, जो पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाते हैं। आंकड़ों की यह बढ़ोतरी केवल संख्या भर नहीं है, बल्कि यह कानून व्यवस्था के सामने खड़ी होती गंभीर चुनौतियों का संकेत है। अपराधों में वृद्धि का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अपराधियों के मन से कानून और पुलिस का भय कम होता दिखाई दे रहा है। गुजरात में शराबबंदी वर्षों से लागू है, लेकिन इसके बावजूद शराब और ड्रग्स से जुड़े अपराधों की संख्या सबसे अधिक होना नीति और क्रियान्वयन दोनों पर सवाल उठाता है। कुल अपराधों में बड़ी हिस्सेदारी शराब और नशे से संबंधित मामलों की बताई जा रही है। इसका साफ अर्थ है कि प्रतिबंध के बावजूद अवैध शराब और नशीले पदार्थों का कारोबार मजबूत नेटवर्क के जरिए संचालित हो रहा है। यदि प्रतिबंधित वस्तुएं आसानी से उपलब्ध हैं, तो यह प्रशासनिक निगरानी और कार्रवाई की सीमाओं को उजागर करता है। हिंसक अपराधों में वृद्धि और भी गंभीर चिंता का विषय है। हत्या, हत्या के प्रयास, मारपीट, गंभीर हमले और गैंग गतिविधियों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2024 में गुजरात में लगभग एक हजार हत्याएं दर्ज होना किसी भी विकसित राज्य के लिए चिंताजनक संकेत है। हत्या जैसी घटनाएं केवल आपराधिक मानसिकता नहीं दर्शातीं, बल्कि यह भी बताती हैं कि अपराधी कानून की पकड़ से बच निकलने को लेकर आश्वस्त हैं। सूरत की स्थिति इस संदर्भ में और भी गंभीर नजर आती है। देश के बड़े शहरों में अपराध के मामलों में सूरत शीर्ष शहरों में शामिल हो चुका है। शहर में हत्या, लूट, हमला, चोरी, महिलाओं के खिलाफ अपराध, साइबर फ्रॉड और अवैध गतिविधियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पांडेसरा, उधना, लिम्बायत और अन्य घनी आबादी वाले इलाकों में अपराध की घटनाएं आम चर्चा का विषय बन चुकी हैं। कई मामलों में अपराधी खुलेआम वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं, जिससे नागरिकों के भीतर असुरक्षा की भावना गहरी होती जा रही है। सूरत केवल एक शहर नहीं, बल्कि देश की आर्थिक गतिविधियों का बड़ा केंद्र है। यहां हीरा उद्योग, टेक्सटाइल बाजार और निर्यात कारोबार लाखों परिवारों की आजीविका से जुड़े हैं। यदि ऐसे शहर में अपराध बढ़ते हैं, तो इसका असर केवल सामाजिक सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता बल्कि निवेश, व्यापारिक विश्वास और रोजगार पर भी पड़ता है। कोई भी निवेशक या उद्योगपति ऐसे माहौल में दीर्घकालिक निवेश करने से पहले सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देगा। अपराध बढ़ने के पीछे कई सामाजिक और आर्थिक कारण भी दिखाई देते हैं। तेजी से बढ़ती आबादी, बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिकों का आगमन, बेरोजगारी, नशे का फैलता कारोबार और स्थानीय असामाजिक तत्वों की सक्रियता अपराध के लिए उर्वर जमीन तैयार कर रही है। युवाओं का नशे और अवैध गतिविधियों की ओर झुकाव भी सामाजिक चिंता का विषय है। यदि रोजगार, शिक्षा और सामाजिक मार्गदर्शन की कमी बनी रहती है, तो अपराधी गिरोहों को नए सदस्य मिलते रहेंगे। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों की स्थिति भी चिंता बढ़ाती है। छेड़छाड़, दुष्कर्म, घरेलू हिंसा और उत्पीड़न के मामलों में वृद्धि समाज की संवेदनशीलता और सुरक्षा ढांचे पर प्रश्नचिह्न लगाती है। महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की सभ्यता और विकास का पैमाना है। यदि महिलाएं सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित महसूस नहीं करतीं, तो विकास के दावे अधूरे रह जाते हैं। साइबर अपराध एक नई और तेजी से उभरती चुनौती है।

ऑनलाइन धोखाधड़ी, बैंक फ्रॉड, फर्जी निवेश योजनाएं, फिशिंग लिंक और डिजिटल ठगी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अपराधी अब तकनीक का इस्तेमाल कर लोगों को निशाना बना रहे हैं, जबकि जांच एजेंसियों के सामने तकनीकी संसाधनों और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की कमी चुनौती बनी हुई है। आने वाले समय में साइबर अपराध पारंपरिक अपराधों से भी बड़ी चुनौती बन सकते हैं। चोरी और लूट के मामलों में कम रिकवरी दर भी पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठाती है। जब पीड़ितों को उनका नुकसान वापस नहीं मिलता, तो न्याय व्यवस्था पर भरोसा कमजोर पड़ता है। अपराधियों को भी यह संदेश जाता है कि पकड़े जाने या माल बरामद होने की संभावना सीमित है।

इन परिस्थितियों में सूरत पुलिस और राज्य प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त, सीसीटीवी नेटवर्क का विस्तार, हिस्ट्रीशीटर अपराधियों पर कड़ी निगरानी, नशे के कारोबार पर निर्णायक कार्रवाई और त्वरित न्यायिक प्रक्रिया आवश्यक है। केवल एफआईआर दर्ज करना या घटना के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं, बल्कि अपराध रोकथाम को प्राथमिकता देनी होगी। पुलिस और जनता के बीच विश्वास का रिश्ता मजबूत करना भी जरूरी है। कई बार लोग शिकायत दर्ज कराने से बचते हैं या पुलिस प्रक्रिया पर भरोसा नहीं करते। यदि स्थानीय पुलिस समुदाय आधारित संवाद, मोहल्ला निगरानी समितियां और व्यापारिक संगठनों के साथ समन्वय बढ़ाए, तो अपराध नियंत्रण में मदद मिल सकती है। राज्य सरकार को भी यह समझना होगा कि विकास केवल बुनियादी ढांचे, निवेश और उद्योगों तक सीमित नहीं है। कानून व्यवस्था किसी भी विकसित समाज की पहली शर्त है। यदि नागरिक सुरक्षित नहीं होंगे, तो विकास की रफ्तार भी प्रभावित होगी। गुजरात की पहचान शांति, व्यापार और स्थिरता से रही है; इसलिए अपराध के बढ़ते ग्राफ को सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सूरत में लगातार बढ़ती हत्या, हमला और गैंग गतिविधियां स्पष्ट संकेत हैं कि अपराधियों में कानून का भय कम हो रहा है। यह किसी भी शहर के लिए खतरनाक संकेत है। अपराधियों के मन में कानून का डर और आम नागरिकों के मन में सुरक्षा का विश्वास—दोनों एक मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के आधार हैं। अब समय आंकड़ों पर बहस से आगे बढ़कर ठोस और निर्णायक कार्रवाई का है। गुजरात और विशेष रूप से सूरत को सुरक्षित बनाए रखना सरकार, पुलिस प्रशासन और समाज की साझा जिम्मेदारी है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो यह बढ़ता अपराध ग्राफ आने वाले वर्षों में राज्य की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता दोनों के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

क्रिकेट से सत्ता तकः पांच चेहरे, पांच भूमिकाएँ—लोकप्रियता, राजनीति और जनविश्वास की कठोर कसौटी

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी
कटिहार बिहार

भारतीय लोकतंत्र की एक अनोखी विशेषता यह रही है कि यहाँ राजनीति केवल पारंपरिक नेताओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि समय-समय पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए व्यक्तित्वों ने इसमें अपनी भूमिका निभाई है। सिनेमा, साहित्य, उद्योग और खेल—इन सभी क्षेत्रों से आए लोग राजनीति में सक्रिय हुए हैं, लेकिन इनमें सबसे दिलचस्प और प्रभावशाली प्रवृत्ति रही है क्रिकेटरों का राजनीति में प्रवेश। भारत में क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक सामूहिक भावना है, एक सांस्कृतिक शक्ति है और कई बार जननेतृत्व का आधार भी बन जाती है। ऐसे में जब क्रिकेटर राजनीति में प्रवेश करते हैं, तो वे केवल उम्मीदवार नहीं होते, बल्कि वे जनता के विश्वास, लोकप्रियता और उम्मीदों के प्रतीक बनकर आते हैं। पश्चिम बंगाल के चुनावी परिदृश्य और उससे जुड़े व्यापक राजनीतिक विमर्श में इस बार पांच क्रिकेटरों की भूमिकाएँ विशेष रूप से चर्चा में रहीं। ये पांच चेहरे—सौरव गांगुली, मनोज तिवारी, यूसुफ पठान, लक्ष्मी रतन शुक्ला और महेंद्र सिंह धोनी—राजनीति में पांच अलग-अलग प्रकार की भूमिकाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनकी तुलना केवल व्यक्तियों की तुलना नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक प्रश्न का उत्तर खोजने का प्रयास है कि क्या लोकप्रियता राजनीति में सफलता की गारंटी बन सकती है, या राजनीति एक अलग प्रकार की प्रतिबद्धता और क्षमता की मांग करती है। सबसे पहले बात करें सौरव गांगुली की। सौरव गांगुली बंगाल की पहचान हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट को आक्रामकता, आत्मविश्वास और नेतृत्व का नया आयाम दिया। लेकिन राजनीति में उनकी भूमिका प्रत्यक्ष नहीं रही। वे चुनाव नहीं लड़ते, कोई पार्टी पद नहीं संभालते, लेकिन उनका प्रभाव बना रहता है। यह राजनीति की एक अलग श्रेणी है—अप्रत्यक्ष प्रभाव की राजनीति। यहाँ व्यक्ति बिना सक्रिय भागीदारी के भी राजनीतिक विमर्श को प्रभावित करता है। गांगुली का उदाहरण यह दिखाता है कि लोकप्रियता केवल वोट में नहीं बदलती, बल्कि वह विचार और माहौल भी बनाती है। दूसरा महत्वपूर्ण नाम है मनोज तिवारी का। उन्होंने सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया, चुनाव लड़ा और मंत्री भी बने। यह श्रेणी है प्रत्यक्ष राजनीतिक भागीदारी की। यहाँ क्रिकेटर को केवल लोकप्रियता नहीं, बल्कि प्रशासनिक क्षमता, जनसंपर्क और नीति की समझ भी साबित करनी होती है। मनोज तिवारी का उदाहरण यह स्पष्ट करता है कि राजनीति में सफलता केवल जीत तक सीमित नहीं होती, बल्कि जनता के बीच निरंतर उपस्थिति और कार्य से तय होती है। तीसरा नाम है यूसुफ पठान का, जिन्होंने संसद तक पहुँचकर राजनीति में अपनी जगह बनाई। उनका व्यक्तित्व शांत और संतुलित रहा है, लेकिन राजनीति में यह पर्याप्त नहीं होता। यहाँ सक्रियता, संवाद और निरंतर क्षेत्रीय जुड़ाव आवश्यक होता है। उनका उदाहरण इस बात को उजागर करता है कि राष्ट्रीय पहचान होने के बावजूद स्थानीय राजनीति में अलग तरह की मेहनत करनी पड़ती है। चौथा नाम है लक्ष्मी रतन शुक्ला का, जिन्होंने राजनीति में प्रवेश किया, मंत्री बने और बाद में दूरी बना ली। यह उदाहरण दोहरी भूमिका और उसके संकट को दर्शाता है। खेल और राजनीति दोनों अलग-अलग प्रकृति के क्षेत्र हैं। एक में प्रदर्शन तुरंत दिखता है, दूसरे में परिणाम समय लेते हैं। इस संतुलन को बनाए रखना कठिन होता है और कई बार व्यक्ति को एक दिशा चुननी पड़ती है। और पाँचवाँ नाम है महेंद्र सिंह धोनी का—जो सीधे राजनीति में नहीं हैं, लेकिन उनकी भूमिका प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण है। झारखंड से जुड़े, लेकिन तमिलनाडु के साथ लंबे क्रिकेटीय संबंध रखने वाले धोनी इस बात का उदाहरण हैं कि कैसे एक खिलाड़ी भौगोलिक सीमाओं से परे राष्ट्रीय प्रभाव रख सकता है। उनका राजनीति से दूर रहना भी एक प्रकार की भूमिका है—यह दिखाता है कि हर लोकप्रिय व्यक्ति राजनीति में आना जरूरी नहीं समझता। इन पाँचों उदाहरणों को एक साथ देखने पर राजनीति और लोकप्रियता के संबंध की जटिलता स्पष्ट होती है। यह स्पष्ट हो जाता है कि क्रिकेटर राजनीति में पाँच प्रकार की भूमिकाएँ निभा सकते हैं—

प्रत्यक्ष नेता, अप्रत्यक्ष प्रभावक, दोहरी भूमिका वाले, सीमित सक्रियता वाले और पूरी तरह दूरी बनाए रखने वाले। अब प्रश्न यह उठता है कि इन सभी में कौन सफल है? इसका उत्तर सरल नहीं है। सफलता का मापदंड अलग-अलग है। यदि सफलता केवल चुनाव जीतना है, तो कई क्रिकेटर सफल हैं। यदि सफलता जनता के जीवन में बदलाव लाना है, तो तस्वीर बदल जाती है। यहीं राजनीति और खेल के बीच सबसे बड़ा अंतर सामने आता है।

क्रिकेट में प्रदर्शन व्यक्तिगत होता है— रन बनाए, विकेट लिया, मैच जीता—सफलता स्पष्ट है।

लेकिन राजनीति में सफलता सामूहिक होती है— नीतियाँ, विकास, संतुलन, जनसंपर्क—इन सभी का प्रभाव धीरे-धीरे दिखता है। यही कारण है कि कई क्रिकेटर राजनीति में संघर्ष करते हुए दिखाई देते हैं। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहाँ राजनीति अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक और वैचारिक रूप से तीव्र रही है। यहाँ केवल लोकप्रियता के आधार पर टिके रहना संभव नहीं है। यहाँ निरंतर सक्रियता, संगठन से जुड़ाव और जनता के साथ संवाद आवश्यक होता है। यहाँ एक और महत्वपूर्ण पहलू है—जनता का बदलता व्यवहार। पहले जनता किसी लोकप्रिय चेहरे को देखकर वोट दे सकती थी, लेकिन अब वह परिणाम देखती है।

वह पूछती है—

क्या काम हुआ?
क्या समस्या हल हुई?
क्या प्रतिनिधि उपलब्ध है?

इस बदलाव ने क्रिकेटरों के लिए राजनीति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। यदि हम इन पाँच उदाहरणों को एक व्यापक दृष्टिकोण से देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि राजनीति अब केवल पहचान की नहीं, बल्कि प्रदर्शन की राजनीति बन चुकी है। लोकप्रियता प्रवेश का माध्यम है, लेकिन टिके रहने का आधार कार्य है। इस पूरे विमर्श में सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यही है कि क्रिकेट और राजनीति का संबंध आकर्षक जरूर है, लेकिन सरल नहीं है। यह एक अवसर भी है और एक परीक्षा भी। अवसर इसलिए कि यह नए चेहरे और नई सोच को राजनीति में लाता है। परीक्षा इसलिए कि यह साबित करना होता है कि लोकप्रियता को जिम्मेदारी में बदला जा सकता है या नहीं। इन पाँच क्रिकेटरों की कहानी दरअसल भारतीय लोकतंत्र का एक आईना है— जहाँ हर व्यक्ति को अवसर मिलता है, लेकिन सफलता उसी को मिलती है जो उस अवसर को जिम्मेदारी में बदल सके। और अंततः यही लोकतंत्र का सबसे बड़ा सत्य भी है— जनता केवल पहचान नहीं देखती, वह परिणाम देखती है। और जो इस कसौटी पर खरा उतरता है, वही सच्चा जननेता बनता है।

संविधान, लोकतंत्र और सत्ता संघर्ष - राज्यपाल बनाम निर्वाचित सरकार

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सत्ता जनता के मत से तय होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनती है और वही प्रतिनिधि सरकार बनाते हैं। लेकिन कई बार ऐसी राजनीतिक परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं, जब किसी राज्य में सरकार गठन को लेकर विवाद पैदा हो जाता है। ऐसे समय में राज्यपाल की भूमिका अचानक चर्चा के केंद्र में आ जाती है। हाल के वर्षों में कई राज्यों में यह प्रश्न बार-बार उठा है कि क्या राज्यपाल संविधान के संरक्षक हैं या फिर केंद्र सरकार के राजनीतिक प्रतिनिधि? जब राज्यपाल यह कहते हैं कि पहले समर्थन-पत्र पेश कीजिए, तभी सरकार गठन पर निर्णय होगा, तब एक वर्ग इसे संवैधानिक दायित्व मानता है, जबकि दूसरा वर्ग इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप बताता है। यह बहस केवल किसी एक राज्य या दल की नहीं है। यह भारतीय संघीय ढांचे, संविधान की आत्मा और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा अत्यंत गंभीर प्रश्न है। एक तरफ राज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है कि वह स्थिर सरकार सुनिश्चित करें, वहीं दूसरी ओर निर्वाचित सरकारों का यह आरोप भी लगातार सामने आता रहा है कि राज्यपाल केंद्र के "रबड़ स्टैंप" बनकर काम करते हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 153 से 162 तक राज्यपाल के पद, शक्तियों और दायित्वों का उल्लेख किया गया है। संविधान निर्माताओं ने राज्यपाल को राज्य का संवैधानिक प्रमुख बनाया है, ठीक उसी तरह जैसे राष्ट्रपति केंद्र का संवैधानिक प्रमुख होता है। राज्यपाल का पद मूलतः तीन उद्देश्यों के लिए बनाया गया था। पहला राज्य में संवैधानिक व्यवस्था बनाए रखना। दूसरा केंद्र और राज्य के बीच सेतु का कार्य करना और तीसरा राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति में तटस्थ निर्णय देना। संविधान सभा में इस पद पर लंबी बहस हुई थी। कई सदस्यों को आशंका थी कि राज्यपाल केंद्र का एजेंट बन सकता है। इसलिए यह स्पष्ट किया गया कि राज्यपाल को दलगत राजनीति से ऊपर रहना होगा। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि राज्यपाल का पद केवल औपचारिक नहीं है, लेकिन वह समानांतर सत्ता केंद्र भी नहीं बन सकता। यही कारण है कि संविधान में वास्तविक कार्यपालिका शक्ति मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद को दी गई। यह प्रश्न आज सबसे अधिक चर्चा में रहता है। यदि राज्यपाल किसी दल या गठबंधन से समर्थन-पत्र मांगते हैं, तो क्या यह संविधान के खिलाफ है? संवैधानिक दृष्टि से इसका उत्तर "नहीं" है। जब किसी राज्य में स्पष्ट बहुमत नहीं होता है, तब राज्यपाल का दायित्व बनता है कि वह सुनिश्चित करें कि जिसे सरकार बनाने के लिए बुलाया जा रहा है, उसके पास सदन का विश्वास प्राप्त करने की वास्तविक संभावना हो। ऐसी स्थिति में राज्यपाल किस दल के पास सबसे अधिक सीटें हैं। कौन-सा गठबंधन बहुमत के करीब है। क्या समर्थन देने वाले दलों ने लिखित समर्थन दिया है। क्या स्थिर सरकार बनने की संभावना है। इन सभी मुद्दों को देख सकते हैं। इसलिए समर्थन-पत्र मांगना अपने आप में असांविधानिक नहीं माना जा सकता है। बल्कि कई मामलों में यह संवैधानिक सतर्कता का हिस्सा माना जाता है। लेकिन विवाद तब पैदा होता है, जब राज्यपाल का निर्णय निष्पक्ष न लगे या राजनीतिक पक्षपात का आरोप लगे। भारतीय न्यायपालिका ने इस विषय पर कई ऐतिहासिक फैसले दिए हैं। सर्वोच्च न्यायालय बार-बार यह स्पष्ट कर चुका है कि बहुमत साबित करने का सबसे उचित मंच विधानसभा है, न कि राजभवन। एस.आर. बोम्मई बनाम यूनियन ऑफ इंडिया भारतीय संघवाद और लोकतंत्र से जुड़ा ऐतिहासिक फैसला माना जाता है। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बहुमत का परीक्षण सदन के पटल पर होना चाहिए। राज्यपाल की रिपोर्ट अंतिम सत्य नहीं मानी जा सकती है। लोकतांत्रिक सरकार को मनमाने तरीके से हटाया नहीं जा सकता है। यह फैसला संघीय ढांचे की रक्षा के लिए मील का पत्थर माना जाता है। संविधान सभा में कई सदस्यों ने चिंता व्यक्त की थी कि यदि राज्यपाल को अत्यधिक शक्तियां दी गईं, तो वह निर्वाचित सरकार के समानांतर शक्ति केंद्र बन सकते हैं। इसलिए स्पष्ट किया गया है कि वास्तविक सत्ता मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के पास होगी। राज्यपाल सामान्य परिस्थितियों में मंत्रिपरिषद की सलाह से कार्य करेंगे। राज्यपाल का विवेकाधिकार सीमित परिस्थितियों तक ही रहेगा। यही कारण है कि संविधान सभा में कहा गया कि राज्य में सत्ता के दो केंद्र नहीं हो सकते हैं। यदि राज्यपाल बार-बार निर्वाचित सरकार के निर्णयों में हस्तक्षेप करें, तो लोकतांत्रिक संतुलन बिगड़ सकता है। भारत के राजनीतिक इतिहास में अनेक अवसर ऐसे आए हैं, जब राज्यपाल की निष्पक्षता पर सवाल उठे। कई राज्यों में देखा गया कि सबसे बड़े दल को आमंत्रित नहीं किया गया। रातों-रात शपथ ग्रहण कराया गया। बहुमत परीक्षण में देरी की गई। विपक्ष को सरकार बनाने का मौका नहीं मिला। इन घटनाओं ने यह धारणा मजबूत की कि कुछ राज्यपाल केंद्र सरकार के राजनीतिक हितों के अनुसार कार्य करते हैं। राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है, लेकिन व्यवहारिक रूप से केंद्र सरकार ही नाम तय करती है। अधिकतर मामलों में पूर्व राजनेता, सेवानिवृत्त नौकरशाह या राजनीतिक रूप से निकट व्यक्ति राज्यपाल बनाए जाते हैं। यहीं से विवाद शुरू होता है। जब राज्यपाल विपक्ष शासित राज्यों से टकराव करें। विधेयकों को लंबे समय तक रोके। सरकार गठन में विवादित भूमिका निभाएं। बार-बार केंद्र समर्थक रुख अपनाएं, तो उन पर "रबड़ स्टैंप" होने का आरोप लगता है। हाल के वर्षों में कई राज्यों में राज्यपाल और सरकार के बीच संघर्ष देखने को मिला है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, पंजाब, महाराष्ट्र, दिल्ली (हालांकि दिल्ली पूर्ण राज्य नहीं है), इन राज्यों में विश्वविद्यालय नियुक्तियों, विधेयकों, विधानसभा सत्र बुलाने और सरकार गठन को लेकर लगातार विवाद हुए हैं। 2019 महाराष्ट्र गवर्नमेंट फॉर्मेशन क्राइसिस भारतीय राजनीति का एक बड़ा उदाहरण बन गया है। रातों-रात राष्ट्रपति शासन हटाया गया और सुबह सरकार गठन की प्रक्रिया पूरी हुई। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत फ्लोर टेस्ट कराने का आदेश दिया। इस घटना ने यह सवाल उठाया कि क्या राज्यपाल राजनीतिक घटनाक्रम में निष्पक्ष बने रहे? 2018 कर्नाटक गवर्नमेंट फॉर्मेशन क्राइसिस और गोवा में भी सरकार गठन को लेकर विवाद हुआ। कई बार सबसे बड़े दल को आमंत्रित करने की बजाय गठबंधन को प्राथमिकता दी गई। कहीं बहुमत परीक्षण के लिए लंबा समय दिया गया, तो कहीं तुरंत फ्लोर टेस्ट कराया गया। इन अलग-अलग मानकों ने राज्यपाल की भूमिका को विवादास्पद बना दिया है। कई संवैधानिक विशेषज्ञ मानते हैं कि राज्यपाल के विवेकाधिकार की स्पष्ट सीमाएं तय होनी चाहिए। इसके पक्ष में तर्क है राजनीतिक दुरुपयोग रुकेगा। सरकार गठन प्रक्रिया पारदर्शी होगी। संघीय ढांचे को मजबूती मिलेगी और न्यायपालिका पर बोझ कम होगा। वहीं विरोध में तर्क है कि हर राजनीतिक परिस्थिति अलग होती है। राज्यपाल को कुछ लचीलापन जरूरी है। संवैधानिक संकट में तत्काल निर्णय लेने पड़ते हैं। राज्यपाल की भूमिका को लेकर गठित आयोगों ने कई सुझाव दिए। सरकारिया कमीशन- इस आयोग ने कहा है कि राज्यपाल गैर-राजनीतिक व्यक्ति होना चाहिए। नियुक्ति से पहले मुख्यमंत्री से परामर्श होना चाहिए। राज्यपाल केंद्र का एजेंट नहीं होना चाहिए। वहीं पूंछी कमीशन (Punchhi Commission)- इस आयोग ने सुझाव दिया है कि राज्यपाल की शक्तियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाए। विवेकाधिकार के दुरुपयोग पर रोक लगे। सरकार गठन की प्रक्रिया के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश हो। असल समस्या यह है कि दोनों पक्ष अपने-अपने तर्कों में सही दिखाई देते हैं। राज्यपाल कहते हैं कि उन्हें स्थिर सरकार सुनिश्चित करनी है। बिना पर्याप्त समर्थन के सरकार गठन लोकतंत्र के लिए खतरा हो सकता है। समर्थन-पत्र मांगना संवैधानिक जिम्मेदारी है।

मेष राशि : आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में नई खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन व्यतीत करेंगे। आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ खरीदारी करने में व्यस्त होंगे। घर में फंक्शन होने की संभावना है। कुछ लोग साझेदारी में व्यापार शुरू करेंगे।
वृषभ राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखना चाहिए। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर ही लेने चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन की स्थिति में आ सकते हैं। घरवालों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिये अच्छा रहेगा। कोर्ट-कचहरी के मामले में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से ही सलाह लेनी चाहिए। छात्रों के लिये दिन ठीक रहेगा।
मिथुन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आपके कुछ कामों में अधिक समय लगेगा, जिससे आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। ऑफिस में आपको कुछ लोगों से मदद मिलेगी। स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों की आज शानदार जीत होगी। इस राशि वाले छात्रों को आज पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। आपको अच्छे फल पाने के लिये ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।
कर्क राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को आज किसी बड़ी कंपनी में जॉब मिलेगी।
सिंह राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीत सकता है। परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक बड़ा धन लाभ होगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा। पैसों की स्थिति में बड़े बदलाव होने की संभावना है। आपके काम से आपका जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे। आज शाम तक शुभ समाचार मिलने से घर में खुशियों का माहौल बनेगा। बच्चे आज किसी खिलौने की मांग कर सकते है।
कन्या राशिः आज आपका दिन आनंदमय होगा। आज आपको खुशखबरी मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी। नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा। आप पूरी सावधानी से काम करें। आज आप घर परिवार की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब रहेंगे। आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी। किसी कार्य योजना के कारण आपको दूर की यात्रा करनी पड़ेंगी।
तुला राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। बच्चे आपको शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। सेहत के मामले में आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। किसी रचनात्मक कार्य में आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आपको आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा।
वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। मेहनत से किये गये काम में आपको सफलता मिलेगी। इस राशि के कॉलेज के स्टूडेंट्स को नये प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।
धनु राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बिता सकते हैं। आज आपके लिए फैसला करना कठिन होगा। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान कैंसिल करना पड़ेगा। आज आपका मन अध्यात्म की ओर रहेगा, आप धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करवा सकते है।
मकर राशिः आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का सपोर्ट मिलेगा, जिससे आपका प्रोजेक्ट हो जायेगा। आज लोग आपकी बातों से प्रभावित होंगे। जल्द ही कुछ नई जिम्मेदारियां आपको मिलेगी, जिनको आप अच्छी तरह से निभाएंगे। आपको अपनी मनपसंद कंपनी से इंटरव्यू के लिए बुलावा आयेगा। लवमेट आज एक दूसरे को उपहार देंगे।
कुंभ राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। साथ काम करने वाले लोगों से आपको मदद मिलेगी। दोस्तों की मदद से आपके काम की प्लानिंग सफल होगी। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है।
मीन राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर पर अचानक रिश्तेदार आ सकते हैं, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आयेंगे। आज आपको किसी भी तरह के वाद-विवाद से बचने की जरूरत है। किसी से बातचीत करते समय आपको अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा।

संक्षिप्त समाचार

महंगाई और आर्थिक नीतियों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

रांची।प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता के बीच आम जनता पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। राकेश सिन्हा ने बयान जारी कर कहा कि देश में महंगाई चरम पर है और ऐसे समय में लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों में कटौती करने की सलाह देना आम जनता के प्रति असंवेदनशील रवैया दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, खाने का तेल, दाल, सब्जियों समेत अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि से आम आदमी परेशान है। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि आखिर आम जनता कब तक आर्थिक नीतियों की विफलताओं का भार उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग और गरीब परिवार पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे हैं, जबकि सरकार बड़े आयोजनों और प्रचार-प्रसार पर भारी खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का दायित्व लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाने, रोजगार सृजन करने और महंगाई पर नियंत्रण रखने का है। केवल उपभोग कम करने की सलाह देकर आर्थिक चुनौतियों से ध्यान भटकाने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। राकेश सिन्हा ने कहा कि यदि आम लोग बाजार में खर्च कम करेंगे, यात्रा नहीं करेंगे और निवेश नहीं करेंगे तो इसका असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से महंगाई नियंत्रण और आम जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

झारखंड सरकार के 'क्लस्टर सिस्टम' के विरोध में उतरी अभाविप, बताया शिक्षा विरोधी कदम

पाकुड़। झारखंड सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में प्रस्तावित 'क्लस्टर सिस्टम' को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। पाकुड़ में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने इस नीति के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। परिषद ने सरकार के इस फैसले को छात्र विरोधी और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए मानसिक व आर्थिक बोझ करार दिया है।अभाविप के प्रदेश सह मंत्री बम भोला उपाध्याय ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि जहाँ एक ओर 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' शिक्षा को सुलभ और समावेशी बनाने की वकालत करती है, वहीं क्लस्टर व्यवस्था इसके ठीक उलट है। उन्होंने कहा, "क्लस्टर सिस्टम लागू होने से छात्रों को एक विषय की पढ़ाई के लिए दूसरे कॉलेज की दौड़ लगानी होगी। इससे विद्यार्थियों का बहुमूल्य समय और पैसा दोनों बर्बाद होगा।" उपाध्याय ने स्पष्ट किया कि छात्रों के लिए भौगोलिक दूरी उतनी बड़ी चुनौती नहीं है, जितनी कॉलेजों में संसाधनों और शिक्षकों का असंतुलन है। सरकार को चाहिए कि वह क्लस्टर सिस्टम जैसे प्रयोग करने के बजायः शिक्षकों का युक्तिकरण करे। कॉलेजों में बुनियादी सुविधाओं और लैब-लाइब्रेरी का विस्तार करे। रिक्त पड़े शैक्षणिक पदों पर तत्काल नियुक्तियाँ करे। जिला जनजाति प्रमुख चंदन पहाड़िया ने इस नीति पर कड़ा प्रहार करते हुए इसे एक बड़ी साजिश बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का केंद्रीकरण कर गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को उच्च शिक्षा से दूर धकेलने का प्रयास किया जा रहा है। क्लस्टर व्यवस्था से वे छात्र सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे जिनके पास आवागमन के पर्याप्त साधन नहीं हैं। अभाविप ने सरकार से इस निर्णय को तत्काल वापस लेने की मांग की है। परिषद के कार्यकर्ताओं ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सरकार ने अपना अड़ियल रवैया नहीं छोड़ा और कॉलेजों में शिक्षकों की कमी दूर करने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए, तो विद्यार्थी परिषद पूरे राज्य में उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

गरीबों के सहारे रहे सच्चिदानंद प्रसाद 'सच्चू बाबू' की पुण्यतिथि पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

» समाजसेवा, दान और मानवता की मिसाल रहे सच्चू बाबू को लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

हजारीबाग। अधिवक्ता सह समाजसेवी सच्चिदानंद प्रसाद उर्फ सच्चू बाबू की छठी पुण्यतिथि पर उनके आवास में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों सहित शहर के गणमान्य लोग, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता, विश्व हिंदू परिषद, आरएसएस और विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उनके बड़े पुत्र प्रभात कुमार सिन्हा उर्फ गुड्डू सिन्हा, छोटे पुत्र प्रदीप कुमार सिन्हा उर्फ टूटू जी, पुत्रवधू, पुत्री सुषमा सिन्हा, पोता शाश्वत शिखर तथा परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। परिवार के लोगों ने सच्चू बाबू के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प दोहराया। उनकी बड़ी पोती स्वस्तिका शिखर उर्फ तृषा, जो वर्तमान में लंदन में अध्ययन और कार्य कर रही हैं, ने भी अपने दादा के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की। सच्चू बाबू केवल अधिवक्ता ही नहीं, बल्कि समाजसेवा और मानवता की जीवंत मिसाल थे। गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करना उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा था। वे गरीबों के मुकदमे निःशुल्क लड़ते थे और उनसे किसी प्रकार की फीस नहीं लेते थे। जरूरत पड़ने पर आने-जाने का खर्च, भोजन और रहने की व्यवस्था तक अपने स्तर से करवाते थे। उनके आवास पर हमेशा साधु-संतों, समाजसेवियों और जरूरतमंदों का आना-जाना लगा रहता था। कोई भी व्यक्ति उनके घर से बिना जलपान किए वापस नहीं लौटता था। समाज के हर वर्ग के लोगों के प्रति उनका व्यवहार समान और आत्मीय था। हंसमुख स्वभाव और मधुर व्यवहार के कारण वे हर आयु वर्ग के लोगों में लोकप्रिय थे।विश्व हिंदू परिषद में जिला अध्यक्ष से लेकर राज्य स्तर तक उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। अधिवक्ता परिषद में भी उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। गौसेवा के प्रति उनकी विशेष आस्था थी। उन्होंने अपने स्तर से दो गौशालाओं का निर्माण कराया और गो तस्करों से बचाई गई गायों के लिए भोजन और देखभाल की व्यवस्था करते रहे। सच्चू बाबू ने जीवनभर कई गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में सहयोग किया और अनेक संस्थाओं, अनाथालयों तथा जरूरतमंद लोगों की गुप्त रूप से सहायता भी की। समाज में उनकी कमी आज भी लोगों को महसूस होती है। श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे लोगों ने कहा कि सच्चू बाबू जैसा व्यक्तित्व विरले ही देखने को मिलता है। उनके बड़े पुत्र प्रभात कुमार सिन्हा उर्फ गुड्डू जी वर्तमान में व्यवसाय और समाजसेवा दोनों क्षेत्रों में सक्रिय हैं। वे हिंदू जागरण मंच झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर रहे हैं और गरीबों की सहायता के लिए लगातार आगे रहते हैं। वहीं छोटे पुत्र प्रदीप कुमार सिन्हा उर्फ टूटू जी विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष के रूप में सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पुण्यतिथि के अवसर पर शहर के व्यवसायी, अधिवक्ता, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, मित्रगण और दूर-दराज से पहुंचे लोगों ने सच्चू बाबू को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

चुनाव बाद त्याग का उपदेश देकर मोदी सरकार ने आर्थिक विफलता स्वीकार की : झामुमो

नई सोच एक्सप्रेस

» झामुमो ने केंद्र सरकार पर लगाया आर्थिक सच्चाई छिपाने और चुनाव बाद जनता पर बोझ डालने का आरोप

रांची।झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने केंद्र की मोदी सरकार पर चुनाव खत्म होने के बाद देशवासियों को खर्च कम करने और त्याग करने की सलाह देने को लेकर तीखा हमला बोला है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा कि चुनाव तक सरकार आर्थिक संकट और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों पर चुप रही, लेकिन चुनाव खत्म होते ही जनता को कटौती और त्याग का उपदेश दिया जा रहा है। विनोद पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल बचाने, सोना नहीं खरीदने, विदेश यात्राएं रोकने, विदेशी सामान छोड़ने और घर से काम करने जैसी सलाहें यह दर्शाती हैं कि देश आर्थिक दबाव से गुजर रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि हालात इतने गंभीर थे तो चुनाव से पहले जनता को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई। झामुमो नेता ने आरोप लगाया कि पांच राज्यों के चुनाव को देखते हुए केंद्र सरकार ने वास्तविक आर्थिक स्थिति को छिपाए रखा और अब चुनाव समाप्त होने के बाद जनता को कम खर्च करने की सलाह दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि राजनीतिक लाभ के लिए सरकार ने सच्चाई सामने नहीं आने दी। विदेश नीति पर भी सवाल उठाते हुए पांडेय ने कहा कि जिन देशों को भारत का करीबी मित्र बताया जाता था, वे अब दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अमेरिका के दबाव के आगे झुक रही है, जिसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने "विश्वगुरु", "न्यू इंडिया" और "5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी" जैसे बड़े दावे किए, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर पर है और रुपये की कीमत कमजोर हुई है। पेट्रोल-डीजल पर भारी कर लगाकर आम जनता पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। झामुमो ने यह भी कहा कि एक ओर जनता को विदेश यात्राएं और डेस्टिनेशन वेडिंग रोकने की सलाह दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री स्वयं विदेशी दौरों पर जाते हैं। पार्टी ने सवाल किया कि यदि ऑनलाइन बैठकें और वर्क फ्रॉम होम इतना प्रभावी है तो सरकार खुद इसका पालन क्यों नहीं करती।m पार्टी ने कहा कि देश की जनता अब भाषण नहीं, बल्कि महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट पर ठोस जवाब चाहती है। झामुमो के अनुसार जनता टैक्स भी दे, महंगाई भी सहे और अंत में उपदेश भी सुने, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ न्याय नहीं है।

आलमगीर आलम को जमानत मिलना न्यायिक प्रक्रिया में विश्वास का प्रतीक : कांग्रेस

नई सोच एक्सप्रेस

» प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश बोले- सत्य और न्याय की होगी जीत, भाजपा पर लगाया एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप

रांची।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को माननीय न्यायालय से जमानत मिलने पर प्रदेश कांग्रेस ने इसे न्यायिक प्रक्रिया में विश्वास का प्रतीक बताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी शुरू से ही संविधान, कानून और न्यायपालिका का सम्मान करती रही है तथा उसे न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। केशव महतो कमलेश ने कहा कि अदालत का फैसला यह दर्शाता है कि लोकतंत्र में अंतिम भरोसा न्यायपालिका पर ही टिका होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को विश्वास है कि सत्य और न्याय की अंततः जीत होगी। प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं की छवि धूमिल करने के लिए राजनीतिक द्वेष की भावना से केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा लगातार विपक्ष के नेताओं को निशाना बनाकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करती रही है, लेकिन अदालतों के फैसले सच्चाई सामने लाते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी हमेशा पारदर्शिता, संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के साथ खड़ी रही है। उन्होंने भाजपा की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने से पहले अपराधी बताना भाजपा की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न्यायपालिका के फैसलों का सम्मान करती है और आगे भी संवैधानिक संस्थाओं में अपना विश्वास बनाए रखेगी।

जिला उपायुक्त ने की शिक्षा विभाग की किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

» कस्तूरबा विद्यालयों में नामांकन की पारदर्शिता पर सख्त निर्देश

हजारीबाग।शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को उपायुक्त श्री हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के प्राथमिक, उच्च विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस और पीएम श्री विद्यालयों की वर्तमान स्थिति की गहन पड़ताल की गई। उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (KGBV) में नामांकन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि प्राप्त सभी आवेदनों की बीईओ, बीआरपी और सीआरपी के माध्यम से गहन स्क्रूटनी कराई जाए। साथ ही, प्रखंड विकास पदाधिकारियों (BDO) को निर्देशित किया गया कि वे रैंडम आधार पर पांच आवेदनों का चयन कर स्वयं भौतिक सत्यापन करें और रिपोर्ट जिला स्तरीय समिति को सौंपें।बैठक के दौरान उपायुक्त ने 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों में सुधार लाने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, वहां सहायक आचार्यों की पदस्थापना जल्द सुनिश्चित की जाए। साथ ही, शिक्षकों के रेशनलाइजेशन (युक्तिकरण) की प्रक्रिया पूरी कर उसकी विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है।कस्तूरबा विद्यालयों में रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए एडीपीओ को वार्डन के साथ समन्वय कर उप विकास आयुक्त को रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया।शिक्षकों के सेवा संपुष्टि, स्थानांतरण और लेखा सत्यापन के कार्यों को समय पर निष्पादित करने हेतु स्थापना लिपिकों को सख्त निर्देश दिए गए। अनुमंडल पदाधिकारी को जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने को कहा गया ताकि वहां की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सके। **बैठक में ये रहे उपस्थितः** इस महत्वपूर्ण बैठक में उपायुक्त के साथ उप विकास आयुक्त रिया सिंह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक समेत सभी बीईओ, बीपीओ और वार्डन मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पाकुड़ में बिजली-पानी के संकट पर 'मटका फोड़' प्रदर्शन करेगी भाजपा, संगठनात्मक बैठक में बनी रणनीति

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।पाकुड़ जिला भाजपा इकाई की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक सोमवार को जिलाध्यक्ष सरिता मुर्मू की अध्यक्षता में अपर्णा मार्केट कॉम्प्लेक्स में संपन्न हुई। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी कृष्णा महतो की मौजूदगी में संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों पर हेमंत सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की गई।बैठक में वरिष्ठ नेता अनुग्राहित प्रसाद साह ने बताया कि जिले में गहराते बिजली और पानी के संकट को लेकर आगामी 12 मई को विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ता रेलवे मैदान से समाहरणालय तक विरोध मार्च निकालेंगे और झारखंड सरकार की विफलता के खिलाफ 'मटका फोड़' प्रदर्शन करेंगे। प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो ने मतदाता गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया किः मतदाता सूची से फर्जी नामों को हटाया जाए। सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे। विधानसभा स्तर पर BLA-2 की कार्यशाला आयोजित कर मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाया जाए। बैठक की शुरुआत में नव-मनोनीत मंडल अध्यक्षों और जिला पदाधिकारियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मई माह में जिला प्रशिक्षण वर्ग चलाने और बूथ स्तर तक समितियों को सक्रिय करने का लक्ष्य रखा गया।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री रूपेश भगत ने किया। मौके पर मीरा प्रवीण सिंह, अमृत पांडेय, दुर्गा मरांडी, साधन झा, दिलीप सिंह, मनीष पाण्डेय, सुशील साह और जिला परिषद सदस्य पिंकी मंडल सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

पाकुड़ में सियार का खूनी आतंकः मासूम को बनाया निवाला, अब पांच साल के बच्चे पर हमला

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।सदर प्रखंड के लखीनारायणपुर गांव में इन दिनों आदमखोर सियारों का आतंक चरम पर है। स्थिति यह है कि ग्रामीण अब अपने ही घरों में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। शुक्रवार को एक तीन माह की मासूम को अपना शिकार बनाने के बाद, सियारों के झुंड ने अब पांच साल के बच्चे जुबाईर शेख पर जानलेवा हमला कर उसे उठाकर ले जाने का प्रयास किया।रविवार की रात सादीकुल शेख और उनकी पत्नी बेली बीवी अपने बेटे जुबाईर के साथ सो रहे थे। रात करीब 3:00 बजे एक सियार घर के भीतर घुस आया और सो रहे मासूम को गर्दन से पकड़कर खींचने लगा। बच्चे की चीख सुनकर परिजनों की नींद खुल गई, जिसके बाद उन्होंने साहस दिखाते हुए बच्चे को सियार के जबड़े से छुड़ाया। हालांकि, हमले में बच्चे के चेहरे और गर्दन पर गंभीर चोटें आई हैं, जिसका इलाज अस्पताल में कराया गया है।

गांव में सियारों का हमला सिलसिलेवार तरीके से जारी है: **शुक्रवार रातः** तीन माह की मासूम अफीफा खातून की सियार के हमले में मौत। **उसी रातः** अफीफा की 4 वर्षीय बहन जस्मीन खातून को घायल किया। **शनिवार रातः** सियारों का झुंड एक बकरे को उठाकर ले गया। **रविवार रातः** पांच साल के जुबाईर पर हमला। ग्रामीण आनिकुल शेख और भोदन शेख ने बताया कि सियार अब दिन के उजाले में भी खेतों और झाड़ियों में घूमते देखे जा रहे हैं। दहशत का आलम यह है कि ग्रामीण रात भर जागकर अपने बच्चों की पहरेदारी कर रहे हैं। परिजनों ने बच्चों का घर से बाहर निकलना बंद कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस प्रशासन (थाना प्रभारी गौरव कुमार के नेतृत्व में) सहयोग कर रहा है, लेकिन वन विभाग की चुप्पी चिंताजनक है।"हम डरे हुए हैं। वन विभाग को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। आखिर कब तक हम अपने ही घरों में दुबक कर रहेंगे" — पीड़ित ग्रामीण सोमवार को भाजपा नेत्री और अल्पसंख्यक राष्ट्रीय मंत्री डॉ. मिसफीका हसन पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचीं। उन्होंने परिजनों को सांत्वना दी और प्रशासन से जल्द से जल्द सियारों को पकड़ने या गांव से खदेड़ने की मांग की। ग्रामीणों की अब एक ही पुकार है कि वन विभाग त्वरित कार्रवाई करे ताकि लखीनारायणपुर की रातें फिर से सुकून भरी हो सकें।

पाकुड़ पहुँचे लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू व प्राक्कलन समिति के सदस्य, उपायुक्त ने किया अभिनंदन

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।झारखंड विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सभापति सह लिट्टीपाड़ा के माननीय विधायक हेमलाल मुर्मू सोमवार को पाकुड़ पहुँचे। उनके साथ समिति के सदस्य सह टुंडी के माननीय विधायक मथुरा प्रसाद महतो, बगोदर के माननीय विधायक नागेंद्र महतो और घाटशिला के माननीय विधायक सोमेश चंद्र सोरेन भी पाकुड़ आगमन पर उपस्थित रहे।विधानसभा की प्राक्कलन समिति का यह दौरा जिले की विभिन्न विकास योजनाओं और सरकारी निधियों के सदुपयोग के आकलन के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। समिति के सदस्यों द्वारा जिले में चल रही योजनाओं की प्रगति, बजट के आवंटन और धरातल पर उनके क्रियान्वयन की समीक्षा किए जाने की संभावना है।स्वागत समारोह के पश्चात समिति के सदस्यों ने स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की।

कोलारजोरा में शिव मंदिर के पक्के निर्माण की पहल, जिप सदस्य ने जगाई उम्मीद

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।कोलजोरा पंचायत के कोलारजोरा गाँव की बरसों पुरानी मुराद अब जल्द पूरी होने वाली है। गाँव में ताल के पत्तों के अस्थायी ढांचे में विराजमान बाबा भोलेनाथ को अब पक्की छत नसीब होगी। जिला परिषद सदस्य पिंकी मंडल के नेतृत्व में मंदिर के पक्का निर्माण को लेकर आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में यह निर्णय लिया गया।यह मंदिर वर्षों से स्थानीय आदिवासी संस्कृति और अटूट आस्था का प्रतीक रहा है। यहाँ हर साल मई महीने में पारंपरिक चरक पूजा और भव्य मेले का आयोजन होता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु उमड़ते हैं। इसके बावजूद, अब तक मंदिर का स्वरूप कच्चा ही था, जिसे लेकर ग्रामीणों में लंबे समय से टीस थी। बैठक को संबोधित करते हुए जिला परिषद सदस्य पिंकी मंडल ने कहाः "यह मंदिर केवल एक ढांचा नहीं, बल्कि हमारी परंपरा और सम्मान का प्रतीक है। इसके पक्का निर्माण के लिए ठोस पहल शुरू कर दी गई है और जल्द ही यहाँ सकारात्मक बदलाव दिखेगा।" इस घोषणा के बाद ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने एक स्वर में इस पहल का समर्थन किया और पिंकी मंडल के प्रयासों की सराहना की। इस खास मौके पर अमीन हेंब्रम, सुशील टुडू, ताला हेंब्रम, सनातन मरैया, मारामरी मुर्मू, सुनीता मुर्मू, मरमबेटी, बहामनी टुडू सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। गाँव में इस समय उत्साह और नई उम्मीद का सकारात्मक माहौल बना हुआ है।

टीकाकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, एक सप्ताह में लक्ष्य करें पूराः क्षेत्रीय उपनिदेशक

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।सोनाजोड़ी स्थित सदर अस्पताल के सभागार कक्ष में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय उपनिदेशक पीके शर्मा ने की। इस दौरान जिले में चल रहे नियमित टीकाकरण अभियान, आयुष्मान कार्ड निर्माण और स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई।बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. केके सिंह ने शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा प्रस्तुत किया। आंकड़ों की समीक्षा करते हुए क्षेत्रीय उपनिदेशक पीके शर्मा ने निर्देश दिया कि टीकाकरण कवरेज में तत्काल तेजी लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा, "कोई भी बच्चा या गर्भवती महिला टीकाकरण चक्र से बाहर नहीं रहनी चाहिए। छूटे हुए लाभार्थियों को चिन्हित कर उनका शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करें।"उपनिदेशक ने कार्य में सुस्ती बरतने वाले कर्मियों को चेतावनी देते हुए एक सप्ताह के भीतर निर्धारित लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही या धीमी प्रगति किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।टीकाकरण के अलावा बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं, जैसे आभा आईडी (ABHA ID) और आयुष्मान कार्ड निर्माण कार्य की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अधिक से अधिक लोगों को इन योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए पंजीकरण कार्य में गति लाएं।इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की एएनएम, जीएनएम, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के प्रतिनिधि और विभाग के अन्य कई अधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, पाकुड़ में कांग्रेसियों ने मनाया जश्न

पाकुड़।झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता जनाब आलमगीर आलम को माननीय सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मिल गई है। इस खबर के सार्वजनिक होते ही पाकुड़ जिले समेत पूरे विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। लंबे समय से इस फैसले का इंतजार कर रहे कार्यकर्ताओं ने इसे 'न्याय की जीत' करार दिया है।जमानत की सूचना मिलते ही जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में पाकुड़ स्थित पार्टी कार्यालय और विभिन्न चौराहों पर कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लग गया। उत्साहित समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई, जमकर पटाखे फोड़े और अबीर-गुलाल लगाकर जीत का जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आलमगीर आलम के समर्थन में जमकर नारेबाजी भी की। इस मौके पर उपस्थित कांग्रेस नेताओं ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें देश की न्यायपालिका पर अटूट विश्वास था। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहाः "सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। आज माननीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से यह साबित हो गया है कि अंततः जीत सच्चाई की ही होती है।" क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने कहा कि आलमगीर आलम ने हमेशा गरीबों, मजदूरों, अल्पसंख्यकों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आवाज बुलंद की है। उनके कार्यकाल में हुए विकास कार्यों को जनता आज भी याद करती है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनकी रिहाई से संगठन को नई मजबूती मिलेगी और क्षेत्र के विकास कार्यों को पुनः गति प्राप्त होगी। इस जश्न में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम समर्थक उपस्थित रहे। पाकुड़ के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ अपनी खुशी का इजहार किया।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

बरहरवा।झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जहाँ पूरे झारखंड में कांग्रेसी नेताओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी,वहीं पूर्व मंत्री के निजी विधानसभा क्षेत्र में भी कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। बड़हरवा नगर पंचायत के राजमहल रोड स्थित कांग्रेस के साहिबगंज जिला अध्यक्ष विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के कार्यालय परिसर में सैकड़ो की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर एवं मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई देते हुए जश्न मनाया। इस दौरान जिला अध्यक्ष बरकत खान ने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करते हुए पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को साजिश के तहत फँसाया गया था ताकि उन्हें राजनीतिक लाभ मिल सके। केंद्र सरकार चुनाव में अपनी सीट बचाने के लिए असंवैधानिक रूप से पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को फंसा कर जेल भिजवाया क्योंकि आलमगीर आलम ने अपने राजनैतिक अनुभव और अपने विचारधाराओं से जनता के बीच मजबूत पकड़ बनाई है। इसके बावजूद जनता के आशीर्वाद से विधायक निसात आलम को भारी मतों से जीत हासिल हुई। आज न्याय के मंदिर में साबित हो गया कि पूर्व मंत्री आलमगीर आलम एक ईमानदार नेता हैं। कार्यकर्ताओं ने जोर शोर से जेल का ताला टूट गया आलमगीर आलम छूट गया के नारे लगाते हुए खुशी का इज़हार किया। मौके पर काँग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाब रब्बानी,कमलआर्य मो.नसीरुद्दीन,इस्तेखार आलम,अशोक दास,मनोज घोष,मिथुन मंडल,निताई सरकार,अश्वनी आनंद,अनंत लाल भगत,राकेश महतो,सहित अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

क्या था मामलाः- केंद्रीय एजेंसी ईडी ने टेंडर कमीशन के मनी लांड्रिंग मामले में वर्ष 2024 में की थी गिरफ्तारी।लगभग दो वर्षों से जेल में थे पूर्व मंत्री आलमगीर आलम।इसी मामले में उनके आप्त सचिव संजीव लाल को भी जमानत मिल गई है।

जन्म प्रमाण पत्र के नाम पर अवैध वसूली का आरोप

साहिबगंज।सदर अस्पताल में जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर अवैध पैसे की वसूली का मामला सामने आया है। एक महिला ने सहिया पर पैसे मांगने और भुगतान नहीं करने पर डिस्चार्ज पेपर रोकने का गंभीर आरोप लगाया है। मामले को लेकर पीड़िता ने अस्पताल उपाधीक्षक को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।जानकारी के अनुसार, दुमका निवासी युक्ता भारती ने बताया कि उसने 27 अगस्त 2025 को साहिबगंज सदर अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया था। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सहिया ने उसका डिस्चार्ज पेपर अपने पास रख लिया। महिला का आरोप है कि जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर सहिया ने 1700 रुपये की मांग की।पीड़िता के अनुसार, वह पहले ही 1000 रुपये दे चुकी है लेकिन अब भी 700 रुपये और मांगे जा रहे हैं।वही महिला ने आरोप लगाया कि पैसे नहीं देने की वजह से अब तक उसे न तो बच्ची का जन्म प्रमाण पत्र दिया गया है और न ही डिस्चार्ज पेपर वापस किया गया है।परेशान होकर महिला ने अस्पताल प्रशासन से शिकायत करते हुए जल्द जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने और मामले में कार्रवाई की मांग की है। वहीं आरोपों को लेकर सहिया ने मोबाइल पर बातचीत में कहा कि उसने किसी प्रकार की अवैध राशि की मांग नहीं की है। सहिया के अनुसार, जन्म प्रमाण पत्र बनाने में एफिडेविट और अन्य कार्यालयी प्रक्रिया के लिए 700 रुपये खर्च होते हैं। उसने बताया कि करीब 400 रुपये हैपीडिपिट बनाने, 100 रुपये एएनएम वेरिफिकेशन और 200 रुपये कार्यालय खर्च के रूप में लगते हैं। इधर मामले पर सिविल सर्जन रामदेव पासवान ने कहा कि शिकायत प्राप्त हुआ है। पूरे मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

अपहरण के आरोपी आरपीएफ जवान व सहयोगी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई सोच एक्सप्रेस

» ललन मालाकार ने लगाई प्रशासन से सुरक्षा की गुहार, आरोपियों से परिवार को है खतरा

धनबाद।धनबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्कूली बच्चे के अपहरण के प्रयास मामले में नामजद आरपीएफ जवान सोमनाथ भगत और उसके सहयोगी अभिषेक कुमार को जिला अदालत से बड़ा झटका लगा है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका (Anticipatory Bail) खारिज कर दी है। धनबाद थाना कांड संख्या 81/2026 के अनुसार, घटना 15 नवंबर 2025 की है। ललन मालाकार का पुत्र आर्यन राज, जो अपेक्स एकेडमी में कक्षा दो का छात्र है। स्कूल से छुट्टी होने के बाद घर लौट रहा था। आरोप है कि इसी दौरान आरपीएफ जवान सोमनाथ भगत और अभिषेक कुमार ने जान से मारने की नीयत से बच्चे को अगवा करने का प्रयास किया था। आरोपियों ने कांड संख्या 428/2026 के आलोक में जमानत के लिए याचिका दायर की थी।22 अप्रैल2026 को हुई सुनवाई के दौरान लोक अभियोजन पक्ष ने जमानत का कड़ा विरोध करते हुए तर्क दिया कि यह मामला एक मासूम की सुरक्षा और जान से जुड़ा है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद माननीय न्यायालय ने याचिका को रिजेक्ट कर दिया गया। सोमनाथ भगत की पोस्टिंग धनबाद से बाहर है, तो वह स्कूल में बच्चे से मिलने क्यों पहुंचा? यह एक गहरी साजिश और जांच का विषय है।ललन मालाकार ने मीडिया से बातचीत में अपना दर्द साझा करते हुए बताया कि आरोपी बेहद रसूखदार और खतरनाक हैं। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि आरोपियों के आतंक के कारण वे पहले ही अपने एक बड़े बेटे को खो चुके हैं। अब दूसरे बेटे पर हुए इस हमले ने पूरे परिवार को डरा दिया है। पीड़ित पिता ने उच्च पुलिस अधिकारियों और प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। अदालत से जमानत खारिज होने के बाद आरोपियों को अविलंब गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। आरपीएफ जवान की संदिग्ध भूमिका की गहनता से जांच की जाए। उनके परिवार को उचित सुरक्षा मुहैया कराई जाए ताकि भविष्य में कोई अनहोनी न हो।

इंडोर स्पोर्ट्स सेंटर झील में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट को मिली मंजूरी

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। जिले में खेल प्रतिभाओं को निखारने और पर्यटन स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। सोमवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त श्री हेमन्त सती की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।बैठक में जिले के खिलाड़ियों के लिए मल्टीपरपज इंडोर स्पोर्ट्स सेंटर के निर्माण का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। उपायुक्त ने जिला खेल पदाधिकारी को इसका विस्तृत प्रस्ताव विभाग को भेजने का निर्देश दिया। फुटबॉल, तीरंदाजी, हॉकी (डे-बोर्डिंग) और एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्रों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने प्रशिक्षुओं की गुणवत्ता और राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। स्विमिंग, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो और वॉलीबॉल जैसे खेलों को बढ़ावा देने के लिए भी प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है। सभी खेल मैदानों में शौचालय और प्रकाश व्यवस्था (लाइटिंग) दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।फ्लोटिंग रेस्टोरेंट और 'नो बोरिंग जोन' हजारीबाग की पर्यटन क्षमता को भुनाने के लिए उपायुक्त ने कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर चर्चा कीः

झील का कायाकल्पः हजारीबाग झील में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट शुरू करने के लिए निविदा (टेंडर) प्रक्रिया का प्रारूप तैयार करने का आदेश दिया गया है। साथ ही झील परिसर स्थित एम्फी थियेटर के संचालन की जिम्मेदारी जिला परिषद को सौंपी गई है।बरकट्ठा के प्रसिद्ध सूरजकुंड के 2 किलोमीटर क्षेत्र को "नो बोरिंग जोन" घोषित किया गया है। क्षेत्र में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए चेक डैम का निर्माण किया जाएगा। इसके रख-रखाव का जिम्मा अब जिला परिषद का होगा। जगन्नाथ धाम (सिलवार) और चम्पेश्वरी मंदिर (इचाक) को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्राक्कलन (एस्टीमेट) भेजने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि सभी पर्यटक स्थलों पर छायादार स्थान, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध होनी चाहिए। बैठक में जिला खेल पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलते ही झूम उठे कांग्रेस कार्यकर्ता

नई सोच एक्सप्रेस

» साहिबगंज में मिठाई-बम पटाखों के साथ मनाया जश्न

साहिबगंज।मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मिलने की खबर सामने आते ही पूरे झारखंड में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। इसी क्रम में साहिबगंज जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला अध्यक्ष बरकतउल्लाह खान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जोरदार जश्न मनाया।कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाइयाँ खिलाईं, पटाखे फोड़े और "आलमगीर आलम जिंदाबाद", "कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद" तथा "सत्यमेव जयते" के गगनभेदी नारों से पूरा परिसर गुंजायमान कर दिया। कार्यालय परिसर देर तक नारों और आतिशबाजी की आवाज से गूंजता रहा।इस मौके पर जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कि आज का दिन कांग्रेस परिवार के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आलमगीर आलम को जमानत दिया जाना न्याय की जीत है। उन्होंने कहा, "सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं। आलमगीर आलम ने हमेशा गरीबों, मजलूमों और अल्पसंख्यकों की आवाज़ बुलंद की है। इस फैसले से कार्यकर्ताओं का मनोबल और मजबूत हुआ है।"आगे उन्होंने न्यायपालिका के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के हक और अधिकार की लड़ाई पहले से अधिक मजबूती के साथ लड़ेगी। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधियों द्वारा रची गई साजिश का जवाब अब जनता देगी। इसी क्रम में बरकतुल्लाह खान ने बताया कि साहिबगंज जिले से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रांची रवाना हो रहे हैं और आलमगीर आलम के रांची आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा।इस अवसर पर प्रदेश कोऑर्डिनेशन कमिटी सदस्य अनुकूल मिश्रा, मुर्शाद अली, मो. कलीमुद्दीन, बासुकीनाथ यादव, उमेश पांडे, सुनील पासवान, ऐनुल हक अंसारी, सरफराज आलम, रिजवान, जामुन दास, सतीश पासवान, मो. रियाज अहमद, अली कुरैशी, कार्तिक साह, राम प्रकाश, जाहिद खान, आफताब आलम, मजहर खान सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

माताओं के त्याग और समर्पण को सलाम हर्षोल्लास के साथ मना मदर्स डे

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़। शार कैंप में एक भव्य और भावुक कार्यक्रम का आयोजन किया गया बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड एवं शार प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारियों ने मिलकर मदर्स डे को बेहद उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस विशेष अवसर पर कर्मचारियों के परिवारजनों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की रौनक को दोगुना कर दिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज और परिवार के निर्माण में माताओं के अतुलनीय योगदान, उनके त्याग और निस्वार्थ प्रेम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना था। कंपनी प्रबंधन ने कहा कि यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं बल्कि उस शक्ति को नमन करने का प्रतीक है जो हर परिवार की नींव होती है। समारोह के दौरान विभिन्न मनोरंजक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अंत में उपस्थित सभी माताओं को सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक हों नागरिक, न्याय से कोई न रहे वंचितः डालसा

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।झालसा रांची के निर्देशानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के अध्यक्ष दिवाकर पांडेय के मार्गदर्शन में सोमवार को पाकुड़ मंडल कारा एवं आदिवासी बहुल क्षेत्रों में विशेष विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम डालसा सचिव रूपा बंदना किरो की देखरेख में संचालित 90 दिवसीय गहन जनसंपर्क अभियान के तहत आयोजित किया गया।अभियान के दौरान जेल के बंदियों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके मौलिक कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। टीम ने स्पष्ट किया कि आर्थिक तंगी या जानकारी के अभाव में कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित नहीं रहना चाहिए। जरूरत पड़ने पर कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकार से निशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकता है।लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ सुबोध कुमार दफादार और पैनल अधिवक्ता संजीत कुमार मुखर्जी ने नालसा और डालसा द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे रक्षा परिषद के माध्यम से लोग अपने मुकदमों की पैरवी बिना किसी खर्च के कर सकते हैं। अभियान में पैरा लीगल वॉलंटियर्स (PLV) मनोज सोरेन और सौरभ कुमार यादव ने समाज में व्याप्त कुरीतियों पर प्रहार किया। उन्होंने ग्रामीणों को निम्नलिखित विषयों पर जागरूक कियाः **डायन प्रथाः** इसे एक दंडनीय अपराध और सामाजिक कलंक बताया। **बाल विवाह व दहेज प्रथाः** इन प्रथाओं के कानूनी परिणामों और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। **घरेलू हिंसाः** महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा कानूनों के प्रति सचेत किया गया। जागरूकता के उद्देश्य से टीम द्वारा ग्रामीणों के बीच विधिक जानकारी से संबंधित पर्चे और पंपलेट भी वितरित किए गए, ताकि वे कानून की बुनियादी समझ विकसित कर सकें।

पाकुड़ में अकील अख्तर ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश, गांधी चौक स्थित कार्यालय में हुई संगठनात्मक बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।पाकुड़ के गांधी चौक स्थित AIMIM कार्यालय में सोमवार को राजनीतिक हलचल तेज रही। पूर्व विधायक जनाब अकील अख्तर से मिलने विभिन्न पंचायतों के पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान संगठन की मजबूती और भविष्य की रणनीति पर गहन मंथन किया गया। मुलाकात के दौरान अकील अख्तर ने कार्यकर्ताओं को स्पष्ट संदेश दिया कि पार्टी की असली ताकत उसके कार्यकर्ता हैं। उन्होंने निर्देश दिया किः संगठन को बूथ स्तर तक ले जाकर मजबूत करें। आपसी एकता और अनुशासन बनाए रखें। पार्टी की विचारधारा और नीतियों को घर-घर तक पहुँचाएँ। पंचायत स्तर से आए कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं, जैसे बिजली, पानी और रोजगार के मुद्दों को पूर्व विधायक के समक्ष रखा। समस्याओं को सुनने के बाद अकील अख्तर ने कहा किः "AIMIM हमेशा से गरीब, किसान, मजदूर और युवाओं की आवाज रही है। कार्यकर्ताओं का कर्तव्य है कि वे जनता के सुख-दुख में हमेशा उनके साथ खड़े रहें।" बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। पूर्व विधायक ने युवाओं और सक्रिय पदाधिकारियों से अपील की कि वे जनता के बीच अपनी सक्रियता बढ़ाएं ताकि आने वाले समय में संगठन को और अधिक शक्तिशाली बनाया जा सके। इस मौके पर जिले की विभिन्न पंचायतों के प्रमुख पदाधिकारी और दर्जनों सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने एक स्वर में पार्टी के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

भीषण गर्मी के बीच शहर में बिजली-पेयजल संकट को लेकर भाजपा ने किया जोरदार आक्रोश प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह।भीषण गर्मी के बीच शहर में बिजली और पेयजल संकट को लेकर सोमवार को भाजपा ने गिरिडीह में जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया। प्रदेश नेता सरोज सिंह, कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव, महानगर जिलाध्यक्ष रंजीत राय, ग्रामीण जिला अध्यक्ष महेंद्र वर्मा, जिला मंडल और पंचायत स्तरीय सैकड़ों नेता-कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार विरोधी नारे लगाते हुए शहर में बिजली-पानी की बदहाल स्थिति पर सवाल उठाए। भाजपा नेताओं ने कहा की हेमंत सरकार के कार्यकाल में बिजली-पानी की समस्या लगातार बढ़ रही है। प्रचंड गर्मी में लोगों का जीना मुहाल हो गया है, लेकिन सरकार और प्रशासन मूकदर्शक बने हैं। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि शहरी क्षेत्र में पेयजल और बिजली की गंभीर समस्या है। कई वार्डों में अनियमित जलापूर्ति हो रही है। बिजली विभाग और स्थानीय जनप्रतिनिधि समस्या समाधान में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। भाजपा नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है और केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए 6207 करोड़ रुपये का फंड राज्य सरकार को नहीं मिला है। कहा कि झारखंड भाजपा 6 से 12 मई तक पूरे राज्य में प्रमंडलवार प्रदर्शन कर रही है। गिरिडीह में भी इसी अभियान के तहत सोमवार को प्रदर्शन किया गया। पार्टी ने कहा कि जब तक सरकार बिजली-पानी की समस्या का समाधान नहीं करती, आंदोलन जारी रहेगा. मौके पर भाजपा नेता सुरेश साव, दिलीप वर्मा, दिनेश यादव, विनय सिंह, नवीन सिन्हा, मुकेश जलान, संदीप दंगाइच, मनोज सिंह, कामेश्वर पासवान, हरबिंदर सिंह बग्गा, सिंकू सिन्हा, मनोज संघई, यदुनंदन पाठक, अजय रंजन सिंह, सुरेश मंडल, रंजीत बरनवाल, संजीव सिंह, कुंदन सिंह, सिकंदर हेंब्रम, मनीष कुमार, महिला नेत्री शालिनी वैश्यिकयार, ऊषा कुमारी, जिप अध्यक्ष मुनिया देवी, संगीता सेठ समेत कई भाजपाई कार्यकर्ता गण मौजूद थे।

सेंट डॉन बॉस्को स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मना मदर्स डे

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।सेंट डॉन बॉस्को स्कूल में मदर्स डे का आयोजन बड़े ही गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में स्नेह और सम्मान का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ माताओं के भव्य स्वागत और अभिनंदन के साथ हुआ। बच्चों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नृत्य, कविता पाठ और भावपूर्ण भाषण ने उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया।समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव शंकर दुबे ने माताओं की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा एक बच्चे के व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण माँ के त्याग, स्नेह और दिए गए संस्कारों से ही संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को सदैव अपनी माता का सम्मान करने और उनके दिखाए मार्ग पर चलने की सीख दी।कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समारोह के समापन पर प्रधानाचार्य ने उपस्थित सभी माताओं को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। विद्यार्थियों के लिए भी अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का एक यादगार मंच साबित हुआ।

संक्षिप्त समाचार

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने पहली बार पेशेंट रिकवरी गाइडलाइंस लांच की

पटना।पी एंड जी हेल्थ ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के साथ एक ऐतिहासिक सहयोग में पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत की पहली डॉक्टरों के लिए पेशेंट रिकवरी गाइडलाइंसः रिकवरी में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का क्लिनिकल उपयोग के लॉन्च की घोषणा की। यह साक्ष्य-आधारित गाइडबुक भारतीय रोगी देखभाल में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो क्लिनिशियनों को तीव्र और दीर्घकालिक बीमारियों के व्यापक दायरे तथा सर्जिकल हस्तक्षेपों से रिकवरी को बेहतर बनाने के लिए माइक्रोन्यूट्रिएंट्स के रणनीतिक उपयोग पर महत्वपूर्ण, चरण-दर-चरण मार्गदर्शन प्रदान करती है। मिलिंद थाट्टे, प्रबंध निदेशक, प्रॉक्टर एंड गैम्बल हेल्थ लिमिटेड ने कहा, पी एंड जी हेल्थ में हम रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए हम चिकित्सा समुदाय के साथ साझेदारी जारी रखते हैं, ताकि साक्ष्य-आधारित समाधान लाए जा सकें, जो बेहतर स्वास्थ्य परिणामों को समर्थन दें और रोगियों के जीवन में सार्थक बदलाव ला सकें। हम समझते हैं कि बीमारियों, संक्रमणों और सर्जरी के बाद रिकवरी में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की भूमिका को लेकर जागरूकता बढ़ रही है, लेकिन विशेष रूप से भारतीय रोगियों के लिए इनका प्रभावी उपयोग कैसे किया जाए, इस पर जानकारी अभी भी सीमित है। डॉ. अशुतोष शरण अध्यक्ष, एवं डॉ. दिनेश कुमार, मानद राज्य सचिव आईएमए, बिहार चैप्टर ने कहा, बिहार में क्लिनिशियन अक्सर तीव्र और दीर्घकालिक बीमारियों के विविध और उच्च बोझ का प्रबंधन करते हैं, जहां पोषण में कमी, उपचार में देरी और सीमित फॉलो-अप केयर के कारण रिकवरी के परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। राज्यभर में एंडेमिक सर्विलांस सेटिंग्स में, लंबे समय तक बुखार के साथ आने वाले मरीजों की अक्सर कई बीमारियों जैसे तपेदिक, मलेरिया, कुष्ठ रोग और वायरल संक्रमण के लिए जांच की जाती है, जो एक ही आबादी में ओवरलैपिंग रोग बोझ को दशार्ता है। इन साक्ष्य-आधारित रिकवरी गाइडलाइंस का परिचय राज्यभर में क्लिनिकल प्रैक्टिस को मजबूत करने की दिशा में एक समयोचित कदम है। माइक्रोन्यूट्रिएंट्स, जिसमें बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन्स शामिल हैं, की भूमिका को प्रतिरक्षा कार्य, नसों के स्वास्थ्य और ऊतक मरम्मत में समर्थन देने पर जोर देकर, ये गाइडलाइंस डॉक्टरों को रिकवरी परिणामों को बेहतर बनाने के लिए व्यावहारिक उपकरण प्रदान करती हैं।

सहयोग शिविर आम जनता को स्थानीय स्तर पर देगा त्वरित राहत : रामकृपाल

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी द्वारा सोमवार सात निश्चय-3 के अधीन सबका सम्मान, जीवन आसान निश्चय के अंतर्गत जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान हेतु सहयोग पोर्टल एवं सहयोग हेल्पलाइन नंबर-1100 का लोकार्पण किया गया।इस अवसर पर सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया तथा राज्य सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा कि सहयोग शिविर आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रभावी व्यवस्था सिद्ध होगी। राज्य सरकार आम लोगों की शिकायतों के पारदर्शी, संवेदनशील एवं समयबद्ध निष्पादन के लिए लगातार कार्य कर रही है। पंचायत स्तर तक आयोजित होने वाले सहयोग शिविर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर अपनी समस्याएँ रखने और उनके समाधान का सुलभ मंच प्रदान करेंगे।उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को आयोजित होने वाले इन शिविरों के माध्यम से लोगों को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिलेगी तथा विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जा सकेगा। यह व्यवस्था शासन और जनता के बीच संवाद एवं विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करेगी। सहकारिता विभाग भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेगा।आम नागरिक अब सहयोग पोर्टल पर ऑनलाइन परिवाद दर्ज कर सकेंगे। साथ ही, ह्यह्यसहयोग हेल्पलाइन नंबर-1100ह्लह्ल पर सुबह 08:00 बजे से शाम 08:00 बजे तक संपर्क कर सहयोग शिविर एवं शिकायत निवारण से संबंधित जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। यह व्यवस्था 19 मई 2026 से लागू की जाएगी। इसके अंतर्गत प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायतवार सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे तथा प्राप्त शिकायतों की सहयोग पोर्टल के द्वारा निष्पादन की रियल टाइम मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाएगी।

हर राष्ट्रीय मुद्दे पर तंज कसना ही क्या राहुल गांधी की राजनीति : जदयू

पटना। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता डा निहोरा प्रसाद यादव ने जारी बयान में कहा कि इजरायल, ईरान और अमेरिका के बीच लगातार युद्ध का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से संयम, सहयोग और राष्ट्रहित में कुछ आवश्यक सुझाव साझा किए हैं, ताकि देश इस वैश्विक संकट का मजबूती से सामना कर सके। प्रधानमंत्री का यह आह्वान केवल सरकार का नहीं बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब पूरा देश एकजुट होकर संकट से निबटने की बात कर रहा है, तब कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर राजनीतिक अवसर तलाशने में जुटे हुए हैं। प्रधानमंत्री के सुझावों का समर्थन करने के बजाय जिस प्रकार उन्होंने टिप्पणी की, वह न केवल गैर-जिम्मेदाराना है बल्कि देशहित के खिलाफ भी है। ऐसा प्रतीत होता है कि राहुल गांधी को देश के राजनीतिक इतिहास, लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय एकता की भावना की न तो समझ है और न ही सम्मान। भारत की लोकतांत्रिक परंपरा रही है कि जब-जब देश पर संकट आया है, तब सत्ता और विपक्ष दोनों ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है। चाहे 1971 का युद्ध हो, आर्थिक संकट हो या अंतरराष्ट्रीय दबाव की स्थिति कृ विपक्ष ने हमेशा सरकार के साथ खड़े होकर देश को मजबूत संदेश दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी इसका सबसे बड़ा उदाहरण थे, जिन्होंने कांग्रेस सरकारों के कठिन समय में खुले मंचों से कहा था कि संकट की घड़ी में पूरा विपक्ष देश और सरकार के साथ है। यही परिपक्व राजनीति होती है, यही राष्ट्रधर्म होता है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने कोडिएक में कई नए अपडेट्स पेश किए

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी दूसरी पीढ़ी की कोडिएक में कई नए अपडेट्स पेश किए हैं। इन संवर्द्धनों के साथ, ब्रांड ने अपने लक्ज़री 4 बाय 4 फ्लैगशिप को व्यापक रूप से नया स्वरूप दिया है। साथ ही, "लक्ज़री, ऐज़ इट शुड बी" के अपने दर्शन को और सशक्त किया है। नई कोडिएक रेंज में लाउंज, स्पोर्टलाइन और सेलेक्शन एल एंड के वेरिएंट शामिल हैं। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत रूपये 36,99,000 रखी गई है। नई कोडिएक में एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम्स (एडीएएस), एलईडी मैट्रिक्स हेडलाइट्स, एडेप्टिव क्रूज़ कंट्रोल, लेन असिस्ट, 360-डिग्री कैमरा और इंटेलिजेंट पार्क असिस्ट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। कंपनी के अनुसार, नए अपडेट्स के जरिए बेहतर पहुँच, अधिक स्पोर्टीनेस और प्रीमियम लक्ज़री का अनुभव देने पर फोकस किया गया है। इस अवसर पर स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, "2026 के इन संवर्द्धनों के साथ हमारा उद्देश्य स्पष्ट है अब हर लक्ज़री 4 बाय 4 आकांक्षा के लिए एक कोडिएक उपलब्ध है, चाहे वह बेहतर पहुँच हो, अधिक स्पोर्टीनेस हो या प्रीमियम परिष्कृतता। ये नए फीचर्स पहले से ही आकर्षक इस मॉडल को और मजबूत बनाते हैं।" कोडिएक लाउंज वेरिएंट को वैल्यू, स्पेस और बहुउपयोगिता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। वहीं स्पोर्टलाइन वेरिएंट में मोटरस्पोर्ट से प्रेरित स्पोर्टी डिज़ाइन और अतिरिक्त प्रीमियम फीचर्स शामिल किए गए हैं। सेलेक्शन एल एंड के वेरिएंट में कॉन्यैक लेदर अपहोल्स्ट्री, मसाज, वेंटिलेशन और हीटिंग वाली एर्गो सीट्स जैसी सुविधाएँ दी गई हैं। नई कोडिएक में 2.0 टीएसआई इंजन दिया गया है, जो 150 किलोवाट की पावर और 320 न्यूटन मीटर का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसमें सात-स्पीड डीएसजी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन स्टैंडर्ड रूप से उपलब्ध है।

सम्राट कैबिनेट के मंत्रियों को आवंटित हुए सरकारी आवास

नई सोच एक्सप्रेस

» स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को 2 देशरत्न मार्ग मिला बंगला
» विजय चौधरी, विजेन्द्र यादव, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, दिलीप जायसवाल, मदन सहनी, अशोक चौधरी,लेसी सिंह,संतोष सुमन, शीला मंडल, मइन सहनी, नीतीश मिश्रा,जमा खन को पहले से रह रहा बंगला आवंटित

पटना।बिहार सरकार ने सम्राट कैबिनेट के मंत्रियों को सरकारी आवास आवंटित कर दिए हैं। पहली बार मंत्री बने नेताओं को नए आवास दिए गए हैं, जबकि जो नेता पहले भी मंत्री रह चुके हैं और मौजूदा सरकार में दोबारा मंत्री बने हैं, उनके पुराने आवास का आवंटन बरकरार रखा गया है। इस नाते विजय चौधरी, विजेन्द्र यादव, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, दिलीप जायसवाल, मदन सहनी, अशोक चौधरी,लेसी सिंह,संतोष सुमन, शीला मंडल, मइन सहनी, नीतीश मिश्रा,जमा खन को पहले से रह रहा बंगला ही आवंटित कर दिया गया है। वे अपने पहले के बंगले में ही रहेंगे। सरकार की ओर से जारी आवंटन सूची के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को 2 देशरत्न मार्ग स्थित सरकारी आवास आवंटित किया गया है। यह आवास पहले विधानसभा अध्यक्ष के लिए आवंटित होता रहा है। हालांकि, वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार अपने पुराने सरकारी आवास में ही रह रहे हैं, जिसके कारण यह बंगला स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को दिया गया है। वहीं, मंत्री नंदकिशोर राम को 21 हार्डिंग रोड स्थित बंगला आवंटित किया गया है। पथ निर्माण मंत्री कुमार शैलेंद्र को 12 हार्डिंग रोड का सरकारी आवास मिला है। मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा को गर्दनीबाग स्थित डुप्लेक्स बंगला संख्या 13/20 आवंटित किया गया है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी को 13 हार्डिंग रोड स्थित बंगला दिया गया है। इसके अलावा मंत्री रामचंद्र प्रसाद को गर्दनीबाग स्थित डुप्लेक्स आवास संख्या 10/20 आवंटित किया गया है, जबकि शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल को 33 हार्डिंग रोड स्थित सरकारी बंगला मिला है। सरकारी आवास आवंटन के बाद मंत्री अपने-अपने नए आवास में शिफ्ट होने की तैयारी में जुट गए हैं। परिवहन मंत्री दामोदर रावत को 18 हार्डिंग रोड, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव को 12 नेहरू मार्ग,संजय टाइगर को 2/20 डुप्लेक्स बंगला गर्दनीबाग,अरुण शंकर प्रसाद को 41 हार्डिंग रोड, रमा निषाद को 8 पोलो रोड, रत्नेश सदा को 1/20 डुप्लेक्स बंगला गर्दनीबाग,केदार गुप्ता को 14/20 डुप्लेक्स बंगला गर्दनीबाग,लखेन्द्र कुमार रौशन को 26 एम स्टैण्ड रोड, सुनील कुमार को 26 ए हार्डिंग रोड,श्रेयसी सिंह को 4 स्टैंड रोड, प्रमोद चंद्रवंशी को 27 हार्डिंग रोड, संजय कुमार सिंह को 43 हार्डिंग रोड, संजय कुमार पासवान को 17/20 डप्लेक्स बंगला हार्डिंग तथा दीपक प्रकाश को 12 सर्कुलर रोड बंगला आवंटित हुआ है।

आईटीआई के कर्मचारियों ने वेतन भुगतान सहित अन्य लंबित मांगों हेतु किया विरोध प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।वर्तमान वित्तीय वर्ष में वेतन आदि मद में पर्याप्त फंड के आवंटन के अभाव में आईटीआई कर्मियों को पिछले दो माह से वेतन भुगतान नहीं हो सका है, जिसके कारण कर्मचारियों में मारी नाराजगी है। मजदूर नेता प्रेमचंद कुमार सिन्हा ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि वेतन भुगतान अविलम्ब करने सहित अनुदेशक का पे लेवल -7,पदनाम परिवर्तन, कर्मचारी पक्षी ट्रांसफर पॉलिसी, सेवा सम्पुष्टि, CITS प्रशिक्षण, अनुबंध अनुदेशकों की सेवा नियमितीकरण, LDC का ग्रेड पे लेवल -4 करने और लिपिकीय संवर्ग की नियमावली में संशोधन कर सहायक प्रशासी पदाधिकारी का पद सृजित करने जैसे ज्वलंत मांगों की पूर्ति नहीं होने पर विरोध स्वरुप बिहार के सभी आईटीआई के कर्मचारियों ने काला फीत्ता लगाकर विरोध प्रदर्शन किया, साथ ही टिफिन ऑवर में मांगों के समर्थन में जोरदार नारेवाजी की। विधान परिषद् में भी प्रश्न के जवाब में तत्कालीन मंत्री द्वारा दो दो बार सकारात्मक आश्वासन दिया जा चुका है। अनुदेशकों का पे लेवल -7 करने के लिए हाई कोर्ट का आदेश एवं उसके बाद बनी विभागीय कमिटी की अनुशंसा को भी लागू नहीं होने से आईटीआई के कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। कर्मचारियों ने सोलह वर्ष से काम कर रहे अनुबंध अनुदेशकों की सेवा स्थायी करने, विकल्प मांगकर ट्रांसफर करने के लिए अन्य विभागों की तरह ट्रांसफर पॉलिसी बनाने की भी मांग की है। दूसरे विभागों की तरह लिपिकीय संवर्ग नियमावली में संशोधन कर सहायक प्रशासी पदाधिकारी का पद सृजित करने की मांग दुहराई। इस राज्यव्यापी प्रदर्शन के अन्तर्गत आईटीआई दीघा में मनोज कुमार यादव, नितीश कुमार, प्रभात रंजन,विद्यानंद कुमार,आईटीआई बाढ़ में किशोर साहनी, पवन कुमार प्रभात, आईटीआई सोनपुर में प्रेमचंद कुमार सिन्हा,रौशन कुमार, छपरा में विजय कुमार, आईटीआई जमुई में शशि भूषण आर्य, राजाराम चौधरी, अमरदीप कुमार,गया में चन्द्र शेखर आजाद, मो नौशाद, उदय कुमार आईटीआई सीतामढ़ी में मो रिजवानउल्लाह, आईटीआई आरा में संजय कुमार, जहानाबाद में पी के मौर्या, उज्जवल कुमार,शमीम हैदर,रोहतास में अमरेश पासवान, भागलपुर में राजशेखर आज़ाद, कटिहार में श्रवण कुमार पोद्दार, अररिया में राजेश कुमार यादव, पूर्णिया में शम्भूनाथ राय, राहुल कुमार ,मुजफ्फरपुर में मेजर विनय कुमार, दीपक कुमार रवि, पश्चिम चम्पारण में सुनील चौधरी, श्रवण कुमार, पूर्वी चम्पारण में किरण यादव, लखीसराय में संजय कुमार, लालमोहन प्रसाद, अशोक कुमार विश्वास,बक्सर में राजेश पासवान, शेखपुरा में अंकुर त्यागी, नवादा में कुमार आनंद, अनंत कुमार डेहरी में गौतम कुमार, संजय यादव, सासाराम में अनिल कुमार, कोथुआ (पिरो) में नीरज कुमार, खगड़िया में बसंत कुमार, रामभजन कुमार, दरभंगा बिरौल में राहुल सिंह, समस्तीपुर में सुरेंद्र कुमार, दलसिंहसराय में रामाकांत कुमार, हथुआ गोपालगंज में निकेत आनंद, रितेश कुमार सुपौल में विनोद कुमार,आदि के नेतृत्व में नारेवाजी की गयी।

एक्वा सिटी परिसर में अग्निशमन विभाग द्वारा मॉक ड्रिल आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।राजधानी पटना स्थित एक्वा सिटी परिसर में सोमवार को अग्निशमन विभाग द्वारा अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को आग लगने की स्थिति में बचाव के उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों से सुरक्षित तरीके से निपटने के प्रति जागरूक करना था। मॉक ड्रिल के दौरान अग्निशमन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों ने उपस्थित लोगों को आग बुझाने के विभिन्न तरीकों, शॉर्ट सर्किट से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव तथा ऊंची इमारतों से सुरक्षित तरीके से नीचे उतरने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही अग्निशमन उपकरणों के उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। अधिकारियों ने बताया कि तेजी से बढ़ रही बहुमंजिला इमारतों को देखते हुए इस प्रकार की मॉक ड्रिल अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय सतर्कता और समझदारी से कार्य कर सकें तथा जान-माल की क्षति को न्यूनतम किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता बेला यादव ने डीआईजी मनोज कुमार एवं सुधीर कुमार का स्वागत किया। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इग्नू अध्ययन केंद्र में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन मीट आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद(हसनैन दीवाना)।इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र, स्वामी सहजानंद सरस्वती महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए भव्य इंडक्शन मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ.कृष्णा राव एवं सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आशिफ इकबाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ.कृष्णा राव ने कहा कि वर्तमान समय में दूरस्थ शिक्षा केवल एक विकल्प नहीं बल्कि शिक्षा के लोकतंत्रीकरण का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। उन्होंने कहा कि इग्नू ने देश के लाखों विद्यार्थियों, कामकाजी युवाओं, महिलाओं तथा ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। उन्होंने स्वामी सहजानंद सरस्वती महाविद्यालय स्थित अध्ययन केंद्र की आधारभूत संरचना, शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण दूरस्थ शिक्षा का सशक्त माध्यम बन सकता है। डॉ.राव ने आश्वस्त किया कि निकट भविष्य में अध्ययन केंद्र पर विज्ञान संकाय के विषयों की पढ़ाई शुरू कराने की दिशा में पहल की जाएगी, जिससे ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर विज्ञान शिक्षा का बेहतर अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि इग्नू का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल और आत्मनिर्भरता से जोड़ना है। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ.आशिफ इकबाल ने कहा कि इग्नू आज विश्व के सबसे बड़े मुक्त विश्वविद्यालयों में शामिल है। जिसने शिक्षा को घर घर तक पहुँचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के दौर में दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। इग्नू का लचीला शिक्षण मॉडल उन विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी है जो आर्थिक, सामाजिक अथवा भौगोलिक कारणों से नियमित शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते। कार्यक्रम में अध्ययन केंद्र के सहायक समन्वयक सुबोध कुमार सुमन ने विद्यार्थियों को नामांकन प्रक्रिया एवं अध्ययन संबंधी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अध्ययन केंद्र विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण, परामर्श सत्र, पुस्तकालय सुविधा और आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने इग्नू की शैक्षणिक प्रणाली, पाठ्यक्रमों और भविष्य की संभावनाओं को लेकर अपनी जिज्ञासाएँ भी रखीं, जिनका विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। पूरा कार्यक्रम उत्साह, संवाद और प्रेरणा से परिपूर्ण रहा।

29 वाहिनी गया जी के तत्वावधान में प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी।29 वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल गया जी (बिहार) के तत्वावधान में राजभाषा हिंदी पर कार्यशाला एवं प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुरूआत मुख्य अतिथि मानवेन्द्र, उप महानिरीक्षक, क्षेत्रक मुख्यालय (वि. प्र.), स.सी.ब. गया जी (बिहार) कुणाल, कमांडेंट 29 वाहिनी स.सी.ब. गया जी एवं अन्य गणमान्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया ।तत्पश्चात मुख्य अतिथि उप महानिरीक्षक अपने संबोधन में जानकारी देते हुए बताया की हिंदी भाषा सरल, सहज और वैज्ञानिक भाषा मानी जाती है। इसकी लिपि देवनागरी है, जो स्पष्ट और उच्चारण के अनुसार लिखी जाती है। हिंदी आज भारत में सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। यह केवल उत्तर भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के अनेक राज्यों में लोग इसे समझते और बोलते हैं। यही कारण है कि हिंदी प्रशासन, शिक्षा, मीडिया, साहित्य, सिनेमा और संचार का प्रमुख माध्यम बन चुकी है। इस कार्यक्रम के दौरान हिंदी राजभाषा पर प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके नराकास के सदस्य कार्यालय के प्रतिभागीयों (जैसे पंजाब नैशनल बैक, केनरा बैंक, भारतीय विमानपतन प्राधिकरण, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारतीय प्रबंध संस्थान, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय) क्षेत्रक मुख्यालय (वि. प्र.) एवं 29 वाहिनी, स.सी.ब, गया जी के कर्मिकों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया । प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महोदय द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान दिनेश कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, क्षेत्रक मुख्यालय, रविशंकर कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, अजय कुमार वाजपेयी, उप कमांडेंट, 29 वाहिनी, स.सी.ब, गया जी (बिहार) एवं विभिन्न संस्थाओं/संगठनो के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बलकर्मी उपस्थित रहे ।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 PM मोदी बोलेः पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करें,भारत में तेल के कुएं नहीं;आज वर्क फ्रॉम होम की जरूरत,एक साल तक सोना न खरीदें

2 पीएम आज सोमनाथ मंदिर पहुँचे, भगवान का अभिषेक किए,फिर ध्वज पूजा और आरती;जनसभा और रोडशो भी करेंगे

3 सोमनाथ अमृतपर्वःपहली बार शिखर पर 11 पवित्र तीर्थों के जल से हुआ कुंभाभिषेक; आयोजन के साक्षी बनें PM मोदी

4 सरकारी खजाने से सोमनाथ मंदिर बनवाने के खिलाफ थे गांधी,नेहरू उद्घाटन में क्यों नहीं गए;आज 75 साल पूरे होने पर मोदी पहुँचे

5 नमक से सेमीकंडक्टर तक पहुंचा राज्य,बंगाल के बाद मिशन गुजरात पर पीएम मोदी;गिनाईं विकास की उपलब्धियां

6 बाढ़ और लू से निपटने की तैयारियों की समीक्षा,अमित शाह बोलेःहर राज्य में प्रबंधन टीमें बनाएं,न हो कोई नुकसान

7 जनता पर महंगाई की मार,जेब पर भारी पड़ेगा एफएमसीजी संकट,साबुन-बिस्कुट और राशन के दाम बढ़ने के आसार

8 केरलम सीएम का ऐलान जल्द, वेणुगोपाल राहुल की पसंद,कांग्रेस नेता बोलेःहमारे यहां मोदी-शाह सारे फैसले लें,ऐसा सिस्टम नहीं

9 विजय की शपथ में राष्ट्रगान–वंदेमातरम पर विवाद,DMK बोलीःपहले तमिल गीत बजाने की परंपरा,इसे तीसरे नंबर पर धकेला; लेफ्ट–VCK का भी विरोध

10 तेल-कंपनियों को हर दिन 1,700 करोड़ का नुकसान,10-हफ्ते में 1 लाख करोड़ का घाटा,वजह-वैश्विक तनाव के बीच पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए

11 IPL:मुंबई आखिरी बॉल पर हारी,प्लेऑफ रेस से बाहर,बेंगलुरु 2 विकेट से जीती;क्रुणाल ने 73 रन बनाए,भुवनेश्वर को 4 विकेट

12 MP-राजस्थान में हीटवेव का अलर्ट, बाड़मेर समेत 3 शहरों में पारा 46°C पार;UP में 2 दिन में 5°C बढ़ा तापमान

13 इस हफ्ते ईरान-अमेरिका तनाव पर होगी निवेशकों की नजर,चौथी तिमाही के नतीजों समेत 5 फैक्टर्स तय करेंगे चाल;निफ्टी के लिए 24,500 पर रेजिस्टेंस

14 पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से उत्तर-पश्चिम भारत और निकटवर्ती राज्यों के मैदानी क्षेत्रों में सोमवार से मौसम का मिजाज फिर बदलने जा रहा है। इन क्षेत्रों में पहाड़ियों से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक भारी बारिश,आंधी-तूफान और कुछ जगहों पर ओले गिरने की संभावना है। गुजरात और राजस्थान समेत कुछ राज्यों में लू भी चल सकती है और जम्मू-कश्मीर में पारा अधिक बना रह सकता है।

15 रिपोर्टःईरान ने समुद्र में 3,000 बैरल तेल बहाया,ऑयल स्टोर की जगह कम पड़ी,होर्मुज संकट और अमेरिकी प्रतिबंधों का साइड इफेक्ट

16 अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक बार फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है। ईरान ने युद्धविराम को लेकर अमेरिका के नए प्रस्ताव का जवाब पाकिस्तान के माध्यम से भेज दिया है,लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे तुरंत खारिज करते हुए 'पूरी तरह अस्वीकार्य' बताया। हालांकि ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि प्रस्ताव में ऐसी कौन-सी बातें थीं जिन्हें अमेरिका मानने को तैयार नहीं है

17 होर्मुज में फिर युद्ध का खतरा,ईरान की ट्रंप को खुली चेतावनी,हमारे टैंकर छुए तो उड़ा देंगे अमेरिकी बेस

18 200 यूनिट फ्री बिजली,महिलाओं की सुरक्षा के लिए स्पेशल फोर्स का होगा गठनः विजय

19 अम्बाला छावनी में एशिया के सबसे बड़े शहीद स्मारक का उद्घाटन करेंगे पीएम नरेंद्र मोदीःअनिल विज

20 केरलम में CM पर सस्पेंस,कांग्रेस ने दावेदारों के पोस्टर हटवाए,दावाःविधायकों का वेणुगोपाल को समर्थन;असम में हिमंता की शपथ मंगलवार को

21 न्यायिक आयोग करेगा जबलपुर क्रूज हादसे की जांच,हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस संजय द्विवेदी बने चीफ;5 बिंदुओं पर 3 महीने में देंगे रिपोर्ट

22 तेलंगाना में कांग्रेस CM से मोदी का मजाक,कहाःमेरे साथ जुड़ जाओ;10 साल में जितना गुजरात को मिला,आपको देने को तैयार

23 ISI से जुड़े MP के 3 युवक गिरफ्तार,दिल्ली पुलिस का खुलासाःमंदिर,ढाबा और मिलिट्री कैंप उड़ाने वाले थे; पाकिस्तान भेजी तस्वीरें

24 ट्रंप का जस्टिस गोरसच पर निशाना, टैरिफ फैसले को बताया नुकसानदायक

25 दोनों भारतीय सुरक्षित,हंतावायरस की आशंका से स्पेन में फंसे क्रूज पर बड़ा अपडेट

26 यूपी कैबिनेट विस्तारःनए चेहरों से भविष्य पर नजर,योगी ने हिंदुत्व से साधा जातीय गणित; अखिलेश के पीडीए की काट

27 चीन भी नहीं आया पाकिस्तान के काम... 8 अरब डॉलर का निवेश डूबा,5 लाख नौकरियों का सपना टूटा

28 अमेरिका में भारतीय मूल के अनिल कोचर ने दिखाया बड़ा दिल,चुकाया 176 छात्रों का एजुकेशन लोन

29 48 घंटे से ज्यादा काम पर मिलेगा दोगुना ओवरटाइम,लागू हुआ नया श्रम कानून

30 हाइपरसोनिक शक्ति की ओर भारत की बड़ी छलांग; DRDO ने स्क्रैमजेट परीक्षण से रचा इतिहास

31 ड्राइवर और नौकर के नाम खरीदी संपत्ति अब होगी जब्त,सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले ने छीन ली काला धन छिपाने वालों की नींद!

32 लेबनान में इजरायली हमलों में 39 लोगों की मौत,महिलाएं और बच्चे भी शामिल, इमारत में हिजबुल्लाह आतंकवादियों पर हमला

33 9,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करने हैदराबाद पहुंचे मोदी

34 रूस की सालाना विक्ट्री परेड बेहद कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच हुई,इस परेड में कई देशों के नेताओं ने भी शिरकत की

35 कश्मीर की वादियों में हिट हुई जम्मू-श्री नगर वंदे भारत ट्रेन,ऑक्यूपेंसी 96 प्रतिशत पार

36 CSK vs LSG: चेन्नई ने लगाई जीत की हैट्रिक,लखनऊ को 5 विकेट से हराया

37 IPL 2026 से बाहर हुई मुंबई इंडियंस,अंतिम गेंद पर RCB की रोमांचक जीत,क्रुणाल पांड्या चमके

38 पश्चिम बंगाल में मंत्रियों के विभागों का बंटवारा,दिलीप घोष को पंचायती विभाग मिला

39 पंजाब के तरनतारन में बीजेपी दफ्तर पर हमला,करीब 20 लोगों ने तोड़फोड़ की

40 ने ठग सुकेश केस में सरकारी गवाह बनने की जैकलीन की अर्जी का कोर्ट में विरोध किया

संक्षिप्त समाचार

सहयोग शिविर जनजीवन को और अधिक सरल व सुविधायुक्त बनाएगा : उमेश

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को जारी अपने बयान में कहा कि नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षी सात निश्चय योजना के अंतर्गत सबका सम्मान - जीवन आसान के संकल्प को साकार करने हेतु पंचायत स्तर पर सहयोग शिविर की शुरूआत एक ऐतिहासिक और जनहितकारी पहल है। उन्होंने कहा कि जनसुविधा को और अधिक सुलभ बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी द्वारा सहयोग पोर्टल एवं सहयोग हेल्पलाइन नंबर का शुभारंभ किया गया है, जिससे आमजन अब घर बैठे ही अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे और उनका समाधान सुनिश्चित हो सकेगा। इस पहल से प्रशासनिक पारदर्शिता एवं जवाबदेही और अधिक सशक्त होगी।प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि हर महीने के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनका मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है। यह व्यवस्था विशेष रूप से गरीब, असहाय एवं वंचित वर्ग के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2005 में राज्य की बागडोर संभालने के बाद से नीतीश कुमार ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके जीवन को सरल, सुगम एवं सुविधाजनक बनाने के लिए निरंतर कार्य किया है। इसी जनकल्याणकारी दृष्टिकोण के तहत सात निश्चय- भाग 3 के अंतर्गत सबका सम्मान - जीवन आसान कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। नई व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त प्रत्येक शिकायत का समाधान 30 दिनों के भीतर करना अनिवार्य होगा।

कल्याणकारी योजनाओं को वंचित लोगों तक पहुंचाएंगे: रमा निषाद

पटना। पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की मंत्री रमा निषाद ने सोमवार को सचिवालय स्थित कार्यालय वेश्म में पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, कार्यान्वयन स्थिति की जानकारी ली। मंत्री ने कहा कि पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का मुख्य उद्देश्य पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग के अंतिम पंक्ति में बैठे वंचित, असहाय, एवं गरीब लोगों का उत्थान करना है। विभाग की सभी योजनाओं को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, ताकि पात्र एवं वंचित लाभुकों तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंच सकें। मंत्री ने विशेष रूप से महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि इनको सशक्त बनाना हमारी पहली प्राथमिकता है। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ एवं आर्थिक स्वावलंबन को मजबूत करने के लिए नए-नए प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि योजनाओं की निगरानी और समीक्षा को और सख्त बनाया जाएगा तथा फील्ड स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। इस अवसर पर विभाग के अपर मुख्य सचिव एच आर श्रीनिवास ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मंत्री का स्वागत किया।

होर्मूज संकट के बीच भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सुरक्षित और सक्षम : संतोष सुमन

पटना। होर्मूज जलडमरूमध्य में उत्पन्न अंतरराष्ट्रीय संकट को लेकर मंत्री एवं हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा से के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया ऊर्जा, व्यापार और समुद्री आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। ऐसे में किसी एक सामरिक समुद्री मार्ग में उत्पन्न तनाव का असर पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। डॉ. सुमन ने कहा कि होर्मूज जलडमरूमध्य में तेल और गैस से भरे हजारों जहाजों के फंसे होने तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर संकट गहराने से पूरी दुनिया चिंतित है। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक स्थिरता और समुद्री सुरक्षा आज कितनी महत्वपूर्ण हो चुकी है। उन्होंने कहा कि ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश मजबूती और संतुलन के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक तेल भंडारण, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों और आत्मनिर्भर भारत अभियान को जिस गंभीरता से आगे बढ़ाया, उसका लाभ आज देश को मिल रहा है।डॉ. सुमन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी नीतियों के कारण भारत आज वैश्विक संकटों के बीच भी मजबूती से खड़ा है। भारत सरकार लगातार देशवासियों, उद्योगों और किसानों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह समय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकजुटता और मजबूत नेतृत्व के साथ खड़े होने का है। भारत आज दुनिया में एक जिम्मेदार और प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभर रहा है तथा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश हर चुनौती का सामना करने में सक्षम है।

जैव उर्वरकों के प्रयोग से घटेगी खेती की लागत

पटना। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा नौबतपुर प्रखंड के बादीपुर एवं भेलवारामपुर गाँवों में किसानों के लिए जागरूकता एवं प्रत्यक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं मत्स्य क्षेत्र में सतत, पर्यावरण-अनुकूल तथा कम लागत वाली उत्पादन प्रणाली को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कि रासायनिक उर्वरकों का लगातार एवं अत्यधिक उपयोग मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करता है। इससे मिट्टी में उपस्थित लाभकारी सूक्ष्मजीव नष्ट होते हैं तथा भूमि की जैविक गुणवत्ता में गिरावट आती है। वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी कि वे सबसे पहले अपने खेतों की मिट्टी की जाँच अवश्य कराएं तथा आवश्यकता के अनुसार ही रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करें। वैज्ञानिकों ने खेती की लागत कम करने एवं मिट्टी की सेहत सुधारने के लिए जैव उर्वरकों एवं जैविक संसाधनों के उपयोग पर विशेष बल दिया। इस दौरान अजोला, ढैंचा, कम्पोस्ट एवं केंचुआ खाद के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि अजोला एक तेजी से बढ़ने वाला जलीय फर्न है, जिसमें उपस्थित नीला-हरित शैवाल वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर कर मिट्टी को प्राकृतिक रूप से उपजाऊ बनाता है। धान की खेती में अजोला के प्रयोग से रासायनिक नाइट्रोजन उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है तथा मिट्टी की नमी एवं जैविक गुणों में सुधार होता है। इसी प्रकार ढैंचा को हरी खाद के रूप में उपयोग करने से मिट्टी में जैविक पदार्थ एवं नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ती है। वहीं कम्पोस्ट एवं केंचुआ खाद मिट्टी की संरचना सुधारने, जल धारण क्षमता बढ़ाने तथा लाभकारी जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि करने में सहायक होते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी बताया कि मिट्टी में मौजूद लाभकारी बैक्टीरिया एवं सूक्ष्मजीव पौधों को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने, जैविक पदार्थों के अपघटन तथा मिट्टी को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान किसानों के बीच अजोला उत्पादन एवं उसके खेतों में उपयोग का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया। साथ ही किसानों को अजोला संवर्धन सामग्री, ढैंचा बीज एवं सूडान ग्रास के बीज भी वितरित किए गए। किसानों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जैव उर्वरकों एवं जैविक खादों के उपयोग से खेती की लागत कम करने, मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने तथा दीर्घकालीन उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

बिहार प्राइड कप ट्रायल 15 और 16 मई को, प्रभात कुमार बने कन्वेनर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार प्राइड कप के ट्रायल मैच आगामी 15 और 16 मई को बिहार के चार जिलों — पटना, मोतिहारी, समस्तीपुर और लखीसराय — में एक साथ आयोजित किए जाएंगे। टूनार्मेंट के लिए प्रभात कुमार को कन्वेनर बनाया गया है। प्रभात कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रायल मैचों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर पूरे बिहार से 60 खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी बिहार प्राइड कप की छह टीमों का हिस्सा बनेंगे। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी खिलाड़ियों का कैंप पटना में लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि बिहार क्रिकेट एसोसिएशन से 30 सीनियर खिलाड़ियों की मांग की गई है, ताकि सभी छह टीमों में

पांच-पांच अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया जा सके। इससे युवा खिलाड़ियों को सीनियर खिलाड़ियों के अनुभव से सीखने और अपने खेल को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि ट्रायल और चयन प्रक्रिया के लिए किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है। कुछ असामाजिक तत्व खिलाड़ियों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए खिलाड़ियों और अभिभावकों से सतर्क रहने की अपील की गई है। गौरतलब है कि यह टूनार्मेंट पद्मभूषण राम विलास पासवान की पुण्य स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। टूनार्मेंट के अध्यक्ष सुनील पासवान ने कहा कि बिहार प्राइड कप राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच देने की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और छोटे शहरों में छिपी प्रतिभाओं को आगे लाने तथा बिहार क्रिकेट को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा खिलाड़ियों का चयन पूरी पारदर्शिता के साथ केवल प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। हमारा उद्देश्य बिहार के युवाओं को बेहतर अवसर और सही मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

49 वर्षों के शासन परिवर्तन को लेकर हरदीप सिंह पुरी का बयान, बंगाल में भाजपा की जीत को बताया ऐतिहासिक

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह राज्य में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ जनता का स्पष्ट जनादेश है। वाराणसी में जारी अपने बयान में पुरी ने कहा कि कभी देश की औद्योगिक और वाणिज्यिक राजधानी रहे पश्चिम बंगाल ने वर्षों में आर्थिक और औद्योगिक गिरावट देखी है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में लंबे समय तक चली राजनीतिक व्यवस्थाओं के कारण उद्योगों का पलायन हुआ, रोजगार के अवसर घटे और आर्थिक विकास प्रभावित हुआ। पुरी ने कहा कि बंगाल के मतदाताओं ने इस बार विकास,

शांति और सुशासन के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और संगठनात्मक मजबूती का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी ने बूथ स्तर तक पहुंच बनाकर जनता के मुद्दों को सामने रखा। उन्होंने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा, भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं और कथित भ्रष्टाचार के मामलों को भी चुनावी मुद्दा बताया। उनके अनुसार, इन मुद्दों ने मतदाताओं के फैसले को प्रभावित किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने जनता के बीच सकारात्मक प्रभाव छोड़ा है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पश्चिम बंगाल अब नए राजनीतिक और आर्थिक दौर की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य फिर से औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन के केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों ने बदलाव के पक्ष में मतदान कर स्पष्ट संदेश दिया है कि वे शांति, स्थिरता और विकास आधारित शासन चाहते हैं।

अखिल भारतीय चौरसिया महासभा के प्रदीप चौरसिया अध्यक्ष,सुधीर चौरसिया महामंत्री निर्विरोध हुए निर्वाचित

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। अखिल भारतीय चौरसिया महासभा का आगामी सत्र 2026-2029 के लिए चुनावी प्रक्रिया होटल रमाडा (रामनगर रोड कटेसर) में संपन्न हुई | इस दौरान चुनाव अधिकारी महेश कानडी उज्जैन,जगत नारायण चौरसिया सिंगरौली मध्य प्रदेश,सुरेश चौरसिया द्वारा आमसभा आयोजित की गई जिसमे में पिछले तीन वर्षों में किये गये कार्यों का विवरण एवं आय-व्यय का लेखा-जोखा पूरे पारदर्शिता के साथ प्रस्तुत किया गया जिसका सभी ने कर्तल ध्वनी से स्वागत किया | इस मौके चुनाव अधीकारी महेश कानड़ी ने बताया कि नामांकन की अन्तिम तारीख 10 अप्रैल 2026 थी जिसके अर्न्तगत अध्यक्ष के लिए प्रदीप चौरसिया,महासचिव सुधीर चौरसिया व कोषाध्यक्ष पद हेतु नरेन्द्र नाथ चौरसिया ने

अपना नामांकन दाखिल किया | विरोध में कोई नामांकन दाखिल नही होने चुनाव अधीकारीयों द्वारा जमा नामांकन फार्मों का गहन जाँच पड़ताल के बाद प्रत्याशियों को निर्विरोध घोषित कर निर्वाचन प्रमाण-पत्र प्रदान पूर्व मंत्री कैलाशनाथ चौरसिया द्वारा निर्वाचित पदाधिकारीयो को शपथ दिलाकर उन्हें दायित्वभार सौंपा गया | नवनिर्वाचीत टीम द्वारा चुनाव अधीकारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया तथा राष्ट्रीय प्रभारी,पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री टी एन चौरसिया को भीष्म पितामह सम्मान से सम्मानित किया गया | इस अवसर पर मुख्य रूप से गंगाबाबू चौरसिया

» पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री टी एन चौरसिया को भीष्म पितामह सम्मान से किया गया सम्मानित
» नवनिर्वाचीत टीम द्वारा चुनाव अधिकारियों को स्मृति चिन्ह देकर किया गया सम्मान

(पूर्व राज्यपाल सिक्किम), कैलाश नाथ चौरसिया (पूर्व मंत्री उ.प्र.) रामेश्वर चौरसिया (पूर्व विधायक नोखा बिहार),सुरेन्द्र चौरसिया (विधायक,रामपुर कारखाना),आलोक चौरसिया (विधायक, डाल्टेनगंज),डॉ प्रदेश अध्यक्ष डॉ अजय चौरसिया,देव कुमार चौरसिया,राजेन्द्र बनारसी,राजेश महतों सहित काफ़ी संख्या मे चौरसिया समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे ||

ट्रैम्फैंट सीसी रेड और बिहार क्रिकेट एकेडमी की शानदार जीत

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। सरदार पटेल स्पोटर्स फाउंडेशन के तत्वावधान में स्थानीय कृष्णा क्रिकेट ग्राउंड, खेमनीचक पर आयोजित समाजसेवी नन्हक महतो मेमोरियल अंडर-15 अंतर स्कूल क्रिकेट टूनार्मेंट के पांचवें संस्करण में सोमवार को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। दिन के पहले मैच में ट्रैम्फैंट सीसी रेड ने एससीए एकादश को छह विकेट से हराया, जबकि दूसरे मुकाबले में बिहार क्रिकेट एकेडमी ने एके क्रिकेट एकेडमी पर चार विकेट से जीत दर्ज की।पहले मुकाबले में एससीए एकादश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन ट्रैम्फैंट सीसी रेड के गेंदबाज प्रियांशु जेएस के सामने पूरी टीम संघर्ष करती नजर आई। प्रियांशु की धारदार गेंदबाजी के आगे एससीए की पारी 15.2 ओवर में महज 58 रन पर सिमट गई। कृष ने सर्वाधिक 29 रन बनाए, जबकि

टीम का कोई अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका। प्रियांशु जेएस ने पांच ओवर में केवल 16 रन देकर पांच विकेट झटके। मयंक ने भी दो विकेट हासिल कर उनका अच्छा साथ निभाया। 59 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी ट्रैम्फैंट सीसी रेड ने 11.2 ओवर में चार विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अमित कुमार ने 22 और स्पर्श ने 14 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि प्रतीक सिन्हा 10 रन बनाकर नाबाद लौटे। शानदार गेंदबाजी के लिए प्रियांशु जेएस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास फर्रुखाबाद जनपद में संगठन समीक्षा बैठक सम्पन्न

नई सोच एक्सप्रेस

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास द्वारा संगठन सुदृढ़ीकरण एवं बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश नेतृत्व द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक नंदकुमार पासवान एवं मंडल प्रभारी आनंद सिंह की उपस्थिति में संगठनात्मक समीक्षा की गई। बैठक में जिला प्रभारी सम्भू नाथ गुप्ता ने जिले की संगठनात्मक स्थिति बूथ गठन सदस्यता अभियान, कार्यकर्ता सक्रियता तथा आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि पार्टी को गांव-गांव एवं बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए सभी पदाधिकारी पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करें। मंडल प्रभारी आनंद सिंह ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास गरीब, शोषित, दलित, पिछड़े एवं युवा वर्ग की आवाज बनकर लगातार आगे बढ़ रही है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के नेतृत्व को मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक में विधानसभा एवं सेक्टर स्तर के पदाधिकारियों से संगठन विस्तार, बूथ कमेटी गठन एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। साथ ही प्रत्येक बूथ पर सक्रिय टीम तैयार करने एवं नियमित बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

एम्स पटना ने हृदय देखभाल के लिए उन्नत IVUS तकनीक लॉन्च किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) पटना के कार्डियोलॉजी विभाग में, कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल द्वारा एक नए हाई-डेफिनिशन इंट्रावैस्कुलर अल्ट्रासाउंड (IVUS) सिस्टम के उद्घाटन के साथ, रोगी-केंद्रित और सटीक हृदय देखभाल को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस उन्नत इमेजिंग तकनीक से संस्थान में की जाने वाली जटिल कोरोनरी प्रक्रियाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और सटीकता में काफी सुधार होने की उम्मीद है। IVUS एक अत्याधुनिक इंट्राकोरोनरी इमेजिंग तकनीक है जो कोरोनरी धमनियों के अंदर से अत्यधिक विस्तृत, वास्तविक समय की छवियां प्रदान करती है। पारंपरिक एंजियोग्राफी के विपरीत, जो केवल रक्त प्रवाह की रूपरेखा दिखाती है, IVUS कार्डियोलॉजिस्ट को रक्त वाहिकाओं के आकार, प्लाक की संरचना, कैल्शियम की मात्रा और धमनी में रुकावटों की गंभीरता को सटीक रूप से देखने में सक्षम बनाती है। यह डॉक्टरों को सही स्टेंट का आकार

चुनने, स्टेंट को सही ढंग से लगाने और एंजियोप्लास्टी प्रक्रियाओं के दौरान होने वाली जटिलताओं को कम करने में मदद करता है। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि IVUS का अधिग्रहण AIIMS पटना की बिहार और पड़ोसी क्षेत्रों के रोगियों को उन्नत और किफायती हृदय देखभाल प्रदान करने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अत्याधुनिक तकनीकें केवल महानगरों तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के रोगियों को भी अपने घरों के करीब विश्व स्तरीय उपचार सुविधाओं तक पहुंच का अधिकार है। उन्होंने आगे कहा कि IVUS के जुड़ने से कार्डियोलॉजी विभाग के भीतर शैक्षणिक प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों को काफी मजबूती मिलेगी। D.M. कार्डियोलॉजी के छात्रों और युवा इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत उन्नत इमेजिंग-निर्देशित प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा, जिससे संस्थान में नैदानिक विशेषज्ञता और अनुसंधान क्षमताओं दोनों में सुधार होगा। कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख प्रो. (डॉ.) अनुपम भंभानी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि IVUS-निर्देशित प्रक्रियाओं को विश्व स्तर पर बेहतर प्रक्रियात्मक सटीकता, स्टेंट की विफलता की कम दरों और बार-बार

» अत्याधुनिक तकनीकें केवल महानगरों तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के रोगियों को भी अपने घरों के करीब विश्व स्तरीय उपचार सुविधाओं तक पहुंच का अधिकार है : प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल

हृदय प्रक्रियाओं की आवश्यकता में कमी से जोड़ा गया है। AIIMS पटना में इस तकनीक की उपलब्धता से मरीज़ों को उन्नत इंटरवेंशनल कार्डियक देखभाल के लिए राज्य से बाहर जाने की ज़रूरत कम होने की उम्मीद है, जिससे परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक और भावनात्मक, दोनों तरह का बोझ कम होगा। इस नई सुविधा के जुड़ने के साथ ही, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) पटना अपनी उन्नत इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के बुनियादी ढांचे को लगातार मज़बूत कर रहा है, और बिहार तथा पूर्वी भारत के लोगों को सुलभ, साक्ष्य-आधारित और तकनीक-संचालित स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराता है।

उत्तर प्रदेश के नव-निर्वाचित मंत्रियों को हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के प्रदेश अध्यक्ष रघु मिश्रा ने दी बधाई

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रघु मिश्रा ने आज उत्तर प्रदेश सरकार के नए मंत्रिमंडल में शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों को हार्दिक बधाई एवं सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दी हैं | रघु मिश्रा ने विशेष रूप से भूपेंद्र सिंह चौधरी,मनोज पाण्डेय, अजीत सिंह पाल,सोमेंद्र तोमर,कृष्णा पासवान,कैलाश राजपूत,सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा सहित सभी मंत्रियों को प्रदेश के विकास में नई ऊर्जा फूंकने हेतु बधाई दी | इस अवसर पर श्री मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में प्रदेश विकास के स्वर्णिम काल की ओर अग्रसर है | एनडीए गठबंधन का यह नया मंत्रिमंडल सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की अवधारणा को

धरातल पर उतारने का काम करेगा | रघु मिश्रा ने संगठन के मार्गदर्शक और केंद्रीय सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी तथा बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री डाक्टर संतोष कुमार सुमन के विजन को दोहराते हुए कहा कि 'हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा' उत्तर प्रदेश में एनडीए के एक सक्रिय घटक के रूप में "रोजगार से

» प्रदेश अध्यक्ष रघु मिश्रा ने कहा एनडीए गठबंधन के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा प्रदेश

राजनीति" के संकल्प को सिद्ध करने हेतु प्रतिबद्ध है उन्होंने आगे कहा एमएसएमई मंत्रालय के माध्यम से हम उत्तर प्रदेश के हर जिले में 'उद्यम मित्र' तैयार कर रहे हैं ताकि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सुगमता से पहुँचे | आज का यह शपथ ग्रहण समारोह उत्तर प्रदेश को 'सर्वोत्तम प्रदेश' बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है | अंत में श्री मिश्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त मंत्रीगण जन आकांक्षाओं पर खरे उतरेंगे और मोदी-योगी के विजन को नई गति प्रदान करेंगे | यह जानकारी मीडिया प्रभारी संतोष कुमार सिंह द्वारा प्रेषित की गई ||

लैगून बॉल यूनो क्लब में पिकलबॉल कोर्ट का उदघाटन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार पिकलबॉल संघ से मान्यता प्राप्त लैगून बॉल यूनो क्लब,परसा बाजार ,पटना का उदघाटन मुख्य अतिथि प्रो गिरीश कुमार चौधरी अध्यक्ष,बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग के द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री चौधरी ने कहा कि बिहार जैसे राज्य में पिकलबॉल खेल के विकास के लिए बिहार पिकलबॉल संघ के सचिव रंजन गुप्ता का 14 शाल का परिश्रम दिखाई पर रहा है। आज बिहार में चौथा क्लब का उदघाटन हो रहा है। 12 वर्ष पूर्व राजकीय मध्य विद्यालय रामजीचक,पटना से जो कारवां चल था अब धीरे धीरे वृक्ष का रूप लेते जा रहा है। इस अवसर पर वार्ड पार्षद सतेन्द्र यादव, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता विनोद कुमार,लैगून वाटर पार्क के निदेशक सोनू रॉय,कृष कुमार सामाजिक कार्यकर्ता कुमार रोहित, पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी मो जावेद खान, अफरोज कुरेशी ,बिहार पिकलबॉल संघ के संयुक्त सचिव अभय कुमार, कोषाध्यक्ष आनन्द सिंह, प्रेम कुमार, राष्ट्रीय खिलाड़ी अरविंद कुमार उपस्थिति थे। अतिथियों का स्वागत बिहार पिकलबॉल संघ के सचिव रंजन गुप्ता ने किया।

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

रश्मिका ने 'माइसा' की शूटिंग पूरी होने पर जताई खुशी

अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'माइसा' की शूटिंग बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने केरल में पूरी कर ली है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह फिल्म की टीम के साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रही हैं। शूटिंग की थकान के बावजूद वीडियो में पूरी टीम के चेहरे पर काम पूरा होने की खुशी साफ दिखाई दे रही है। रश्मिका मंदाना ने वीडियो साझा करते हुए लिखा कि केरल में फिल्म का लंबा शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। उन्होंने टीम की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को संभव बनाने में सभी लोगों ने काफी मेहनत की है। अभिनेत्री ने सभी का दिल से धन्यवाद करते हुए कहा कि वह जल्द ही दोबारा फिल्म के सेट पर वापसी करेंगी। बताया जा रहा है कि फिल्म 'माइसा' में रश्मिका मंदाना का किरदार उनके अब तक के निभाए गए किरदारों से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होगा।

फिल्म के कई महत्वपूर्ण दृश्य केरल की खूबसूरत लोकेशनों पर फिल्माए गए हैं। रश्मिका ने अपने पोस्ट में फिल्म के निर्देशक रविंद्र पुल्ले और प्रोडक्शन हाउस 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' को भी टैग करते हुए इस अनुभव को खास बताया। 'माइसा' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें रश्मिका मंदाना गोंड जनजाति की महिला के किरदार में दिखाई देंगी। फिल्म का निर्देशन रविंद्र पुल्ले कर रहे हैं, जबकि अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी ने इसे अपने बैनर 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' के तहत प्रोड्यूस किया है। निर्माताओं के अनुसार फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है और इसमें एक्शन के साथ दमदार भावनात्मक कहानी भी देखने को मिलेगी। फिल्म को हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। हालांकि अभी तक फिल्म की रिलीज तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन दर्शकों के बीच इसे लेकर काफी उत्साह बना हुआ है। 'माइसा' के अलावा रश्मिका मंदाना अपनी दूसरी बड़ी फिल्मों को लेकर भी चर्चा में हैं। वह जल्द ही शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ फिल्म 'कॉकटेल-2' में नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2012 में आई सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। जानकारी के अनुसार यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'कॉकटेल-2' का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं।

फिल्म पति पत्नी और वो 2 से जारी हुआ धमाकेदार गाना

रैपर बादशाह ने बांधा समां

आयुष्मान खुराना अपनी पत्नी और प्रेमिकाओं के साथ 15 मई को सिनेमाघरों में आ रहे हैं। जी हां, यहां बात उनकी आगामी फिल्म पति पत्नी और वो 2 की हो रही है, जिसमें सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी हैं। इन तीनों के बीच में आयुष्मान बेचारा पति बनकर फंसे हुए हैं। खैर ट्रेलर पहले से लोगों को फिल्म देखने के लिए उत्साहित कर चुका है। अब एक धमाकेदार गाना भी आ गया है। गाने का नाम हमने वहीं लगाया दिल है, जिसे टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम किया गया है। रैपर बादशाह ने हितेन के साथ मिलकर इसे कंपोज किया है। हालांकि गाने में रैप और संगीत उन्होंने अकेले दिया है। आवाज 2 भाइयों, कृष मंडल और किशोर मंडल की है जो यूट्यूब पर वायरल गायकों में से एक हैं। इसमें उनका साथ इप्सिता ने दिया है। जोशीले संगीत वाला यह गाना लोगों को काफी पसंद आ रहा है। बता दें कि पति पत्नि और वो नाम की पहली फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे ने लीड रोल निभाया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी और लोगों को खूब पसंद आई थी। बॉक्स ऑफिस पर सफलता के बाद अब इसी तरह की एक और फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। 15 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म से मेकर्स को अच्छी उम्मीदें हैं। अब देखना होगा कि क्या ये फिल्म भी कमाई के मामले में कुछ कमाल कर पाती है या नहीं। ट्रेलर रिलीज होते ही फैन्स का भी इंतजार खत्म हो गया है। फिल्म के ट्रेलर में इसकी कहानी की भी झलक देखने को मिल रही है। फिल्म में दमदार कॉमेडी देखने को मिलने वाली है। विजय राज जैसे कमाल के कलाकार भी इस फिल्म में अपनी दमदार एक्टिंग का जलवा दिखाते नजर आने वाले हैं।

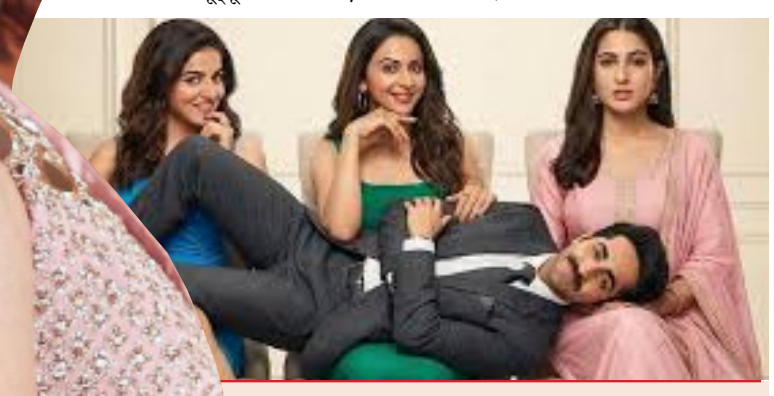

शाहिद कपूर की कॉमेडी फिल्म तैयार, पहली बार जाह्नवी कपूर के साथ करेंगे रोमांस

बॉलीवुड गलियारों से एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। दरअसल, शाहिद कपूर को अब अपनी अगली फिल्म के लिए नई हीरोइन मिल गई है। चर्चा है कि बधाई हो जैसी सुपरहिट फिल्म देने वाले निर्देशन अमित शर्मा ने अपनी अगली बड़े बजट की फिल्म के लिए जाह्नवी कपूर से संपर्क किया है। पर्दे पर पहली बार शाहिद और जाह्नवी की जोड़ी देखने को मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में शाहिद के अपोजिट लीड रोल निभाने के लिए जाह्नवी से बातचीत अंतिम चरण में है। बधाई हो और मैदान जैसी फिल्में देने वाले निर्देशक अमित शर्मा इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। ये एक रिलेशनशिप कॉमेडी फिल्म होगी, जो प्यार और रिश्तों पर आज के युवाओं के नजरिए को एक नए और मजेदार अंदाज में पेश करेगी। अगर बात बन गई ये पहला मौका होगा, जब शाहिद और जाह्नवी की केमिस्ट्री दर्शकों को देखने को मिलेगी। इस फिल्म की कहानी एक बहुत ही मजेदार और आम लोगों से जुड़ी प्रेम कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है। ये पूरी तरह से एक जबरदस्त कॉमेडी फिल्म होगी। शाहिद भी काफी समय बाद इस तरह के मजेदार विषय पर लौट रहे हैं और वो इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। गंभीर भूमिकाएं निभाने के बाद दर्शकों को एक बार फिर पर्दे पर शाहिद का वही पुराना मजाकिया और बेमिसाल अंदाज देखने को मिलेगा। अमित शर्मा अपनी कहानियों में कॉमेडी और भावनाओं का बेहतरीन तालमेल बिठाने में माहिर हैं।

यही वजह है कि शाहिद-जाह्नवी की इस नई जोड़ी को लेकर काफी उम्मीदें जताई जा रही हैं। खबरों की मानें तो ये फिल्म अक्टूबर 2026 में शुरू हो सकती है। शाहिद फिलहाल राज और डीके की वेब सीरीज फर्जी 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं और उसे पूरा करने के बाद ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू करेंगे। फिलहाल फिल्म की तैयारियां जोरों पर हैं। अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा तो इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी और इसे 2027 में रिलीज करने का लक्ष्य रखा गया है। सभी चीजें सही बैठीं तो बॉलीवुड की ये नई जोड़ी बड़े पर्दे पर धमाल मचा देगी। उधर जाह्नवी फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म पेड्डी में व्यस्त हैं, जिसमें वो दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार राम चरण के साथ नजर आने वाली हैं।

कपिल शर्मा और नीतू कपूर की फिल्म का पहले दिन बुरा हाल, जोरदार प्रमोशन के बाद भी नहीं कमा पाई एक करोड़

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा और नीतू कपूर की फिल्म का पूरे कपूर खानदान ने बहुत ही जोर शोर से प्रमोशन किया. लेकिन बॉक्स ऑफिस पर दादी की शादी की हालत खराब नज़र आ रही है. इस फिल्म को ऑडियंस नहीं मिल रही है. फिल्म के पहले दिन फिल्म का कलेक्शन बहुत ही कम रहा है. शुक्रवार को जब ये फिल्म रिलीज हुई तो ऐसा माना जा रहा था कि कपिल शर्मा की फैन फॉलोइंग इसे एक अच्छी ओपनिंग दिलाएगी. नीतू कूपर ने भी जमकर प्रचार किया. फिल्म के प्रीमियर पर नीतू कपूर के बेटे रणबीर कपूर और आलिया भट्ट भी पहुंचे. रेखा से लेकर आमिर खान तक ने फिल्म की खूब तारीफ की. हालांकि, बॉक्स ऑफिस के आंकड़े कुछ और ही कहानी कह रहे हैं. दादी की शादी ने शुक्रवार को सिर्फ 60 लाख रुपये का कलेक्शन किया है. सैकनिक की रिपोर्ट के मुताबिक ये फिल्म एक करोड़ के आसपास भी नहीं पहुंची. फिल्म की कुल ऑक्यूपेंसी 9त्न रही है. इस फिल्म के जरिए रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी ने एक्टिंग में डेब्यू किया है. इस फिल्म से उन्हें काफी उम्मीदें थीं. वो इससे पहले वेब सीरीज फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइफ में नजर आ चुकी हैं. रिपोर्ट के अनुसार, दादी की शादी का बजट 45 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. अब देखना होगा कि ये आने वाले दिनों में बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म करती है. फिल्म दादी की शादी में सरथ कुमार, निखत हेगड़े, तेजस्विनी कोल्हापुरे और सादिया खतीब जैसे एक्टर्स भी नजर आ रहे हैं. इस फिल्म के डायरेक्टर आशीष आर. मोहन हैं. फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है.

बॉक्स ऑफिस पर राजा शिवाजी की दहाड़ जारी

लाखों में सिमटी धुरंधर 2 और पैट्रियट की कमाई

बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों का क्लैश होना आम बात है. इस शुक्रवार को भी जबरदस्त टक्कर देखने के लिए मिली. राजा शिवाजी के आगे नई रिलीज फिल्में दादी की शादी और कृष्णावतारम पार्ट 1 तक का सिक्का नहीं चल पाया. दोनों ही फिल्में धराशायी हो गईं. इसके साथ ही भूत बंगला और धुरंधर 2 के साथ ही पैट्रियट भी शुक्रवार को दम नहीं दिखा पाईं. राजा शिवाजी केवल दो भाषाओं में कलेक्शन कर रही है. इस फिल्म को हिंदी और मराठी में रिलीज किया गया है और दर्शकों से इसे जबरदस्त रिस्पांस मिला. 8वें दिन भी फिल्म कमाल का प्रदर्शन कर रही है. जहां सबकी कमाई लाखों में सिमटी है वहीं, इसकी कमाई करोड़ों में रही.

– सैकनिल्क के अनुसार, राजा शिवाजी ने 8वें दिन यानी कि दूसरे शुक्रवार को 3.20 करोड़ का बिजनेस किया. फिल्म ने हिंदी में 70 लाख और मराठी में 2.50 करोड़ की कमाई की है. फिल्म ने पहले हफ्ते में 55.85 करोड़ का बिजनेस किया था. बहरहाल, अगर धुरंधर 2 और पैट्रियट की कमाई की बात की जाए तो दोनों की कमाई अब लाखों की डिजिट में सिमटने लगी है. सैकनिल्क के अनुसार, मोहनलाल की फिल्म पैट्रियट ने 8वें दिन 67 लाख रुपये का कलेक्शन किया और इसकी कुल ऑक्यपेंसी 14.0 प्रतिशत दर्ज की गई है. फिल्म का टोटल कलेक्शन 27.65 करोड़ हो चुका है. इसके साथ ही आदित्य धर की फिल्म धुरंधर 2 की कमाई के बारे में बता करें तो सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने 51वें दिन यानी कि 8वें शुक्रवार को 42 लाख का बिजनेस किया, जिस पर 16.4 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई. फिल्म 1,141.09 करोड़ (इंडिया नेट कलेक्शन) कर चुकी है.

माइक्रोवेव में आसानी से बनाएं स्वादिष्ट पोहा

आसान है इसकी रेसिपी

पोहा एक स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ता है, जिसे सुबह के समय खाना पसंद किया जाता है। इसे बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और यह जल्दी तैयार हो जाता है। अगर आपके पास समय की कमी है, तो आप माइक्रोवेव का उपयोग करके पोहा आसानी से बना सकते हैं। आइए जानते हैं माइक्रोवेव में पोहा बनाने का तरीका, जिससे आप कुछ ही मिनटों में स्वादिष्ट पोहा तैयार कर सकते हैं। पोहा बनाने के लिए आपको पतला चावल, प्याज, हरी मिर्च, हल्दी पाउडर, नमक, नींबू का रस, मूंगफली, करी पत्ता और हरा धनिया जैसी चीजों की जरूरत होगी। इसके अलावा आप अपनी पसंद की सब्जियां जैसे मटर, गाजर या शिमला मिर्च भी मिला सकते हैं। इन सामग्रियों से आप एक पौष्टिक और स्वादिष्ट नाश्ता बना सकते हैं, जो न केवल पेट को भरेगा बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होगा। माइक्रोवेव में पोहा बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को पानी में भिगो दें। इसके लिए एक बड़े बर्तन में पोहे डालकर उस पर पानी डालें और उन्हें 5-10 मिनट तक भिगोने दें। इससे पोहे नरम हो जाएंगे और पकाने में आसानी होगी। ध्यान रखें कि पोहे को ज्यादा देर तक पानी में न रखें, क्योंकि इससे वे चिपचिपे हो सकते हैं और स्वाद खराब हो सकता है। अब माइक्रोवेव के बर्तन में थोड़ा तेल डालकर उसे गर्म करें, फिर उसमें कटा हुआ प्याज डालें और उसे 1-2 मिनट तक भूनें जब तक कि वह नरम न हो जाए। इसके बाद इसमें कटी हुई हरी मिर्च और हल्दी पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को 2-3 मिनट तक माइक्रोवेव में पकाएं ताकि सभी मसाले अच्छी तरह से मिल जाएं और उनकी खुशबू निकलने लगे। अब भिगोए हुए पोहे को छानकर माइक्रोवेव के बर्तन में तैयार प्याज वाले मिश्रण में डालें और अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण पर नींबू का रस निचोड़ें और ऊपर से भुनी हुई मूंगफली डालें। मूंगफली पोहे को एक कुरकुरापन देती है, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। आप चाहें तो इसमें और भी सब्जियां डाल सकते हैं, जैसे मटर, गाजर या शिमला मिर्च, जिससे पोहा और भी पौष्टिक बन जाएगा। अब माइक्रोवेव को मध्यम आंच पर सेट करके उसमें तैयार पोहे को 2-3 मिनट तक गर्म करें, ताकि सभी मसाले अच्छे से मिल जाएं। इसके बाद इसे एक प्लेट में निकालकर ऊपर से हरा धनिया डालकर सजाएं और गर्मागर्म परोसें। इस तरह से आप आसानी से माइक्रोवेव में स्वादिष्ट पोहा तैयार कर सकते हैं, जो न केवल स्वादिष्ट है बल्कि सेहत के लिए भी अच्छा है। इसे अपने परिवार और दोस्तों के साथ जरूर साझा करें।

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

मुंबई के कोच जयवर्धने ने कहा- बहुत सारे अगर-मगर हैं, लेकिन हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया

एजेंसी, रायपुर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली दो विकेट की हार के बाद मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2026 में प्लेऑफ का सपना पूरी तरह टूट गया। पांच बार की चैंपियन टीम अब इस सीजन ट्रॉफी नहीं जीत पाएगी और उसके सामने अब आखिरी स्थान से बचने की चुनौती है।

मैच के बाद मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी टीम पूरे सीजन में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। उन्होंने माना कि टीम गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही। जयवर्धने ने कहा, "यह सीजन निराशाजनक रहा। हमारे पास मौके थे, लेकिन हम अच्छे नहीं थे। गेंद और बल्ले दोनों से निरंतरता की कमी साफ दिखाई दी। हम प्लेऑफ

की दौड़ में बने रह सकते थे, लेकिन दो-तीन जीत हमसे छूट गईं।"

उन्होंने कहा कि अभी पूरे सीजन का विश्लेषण करना मुश्किल है क्योंकि हार की निराशा काफी ताजा है, लेकिन इतना तय है कि टीम अपने कौशल और योजनाओं को सही तरीके से लागू नहीं कर पाई। आरसीबी के खिलाफ मुंबई इंडियंस की हार का सबसे बड़ा कारण आखिरी ओवर माना जा रहा है, जिसमें युवा ऑलराउंडर राज अंगद बावा को गेंद सौंपी गई। बावा अपने चार साल के आईपीएल करियर में पहली बार आखिरी ओवर फेंक रहे थे। उन्होंने ओवर की शुरुआत वाइड और नो-बॉल से की। हालांकि तीसरी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड का विकेट लेकर मैच में रोमांच जरूर पैदा किया, लेकिन फिर एक और वाइड डाल दी। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार ने छक्का लगाकर बेंगलुरु को जीत दिला दी। इस फैसले पर जयवर्धने ने कहा, "उस समय हमारे सभी प्रमुख गेंदबाज अपने ओवर पूरे कर चुके थे। हमारे पास अनुभवी विकल्प नहीं बचे थे। हमारे पास कुछ स्पिनर थे, लेकिन हमने राज अंगद बावा पर भरोसा जताया। अभ्यास में वह अच्छी यॉर्कर डालते हैं और दबाव में गेंदबाजी करने की क्षमता रखते हैं।" उन्होंने माना कि दबाव में बावा से कुछ गलतियां हुईं, लेकिन टीम ने आखिर तक संघर्ष किया। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 166 रन बनाए। जयवर्धने का मानना है कि टीम 170 से 180 रन तक पहुंच सकती थी, लेकिन बीच के ओवरों में जल्दी विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी।

आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी, ढ़ाका

बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी में उतरेगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरु होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए

अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स , टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं उसिसे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी। यह सीरीज खिलाड़ियों को यूरोपीय हालातों के अनुसार ढ़लने और अपनी रणनीति को परखने का अवसर देगी। त्रिकोणीय-सीरीज के समाप्त होने के बाद, टीम लॉफबोरो जाएगी, जहां वे अपने टी-20 विश्व कप वार्म-अप मैचों में भाग लेंगी।

टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को एजबेस्टन में नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। बीसीबी के अनुसार टीम की कप्तान निगार सुल्ताना और उपकप्तान नाहिदा अख्तर अनुभवी हैं जो टीम को प्रेरित करेंगी। बीसीबी को उम्मीद है कि टीम विश्वकप में भाग ही नहीं लेगी बल्कि अपने प्रदर्शन से भी प्रभावित करेगी।

वैभव को तीनों प्रारुपों में खेलते देखना चाहिते हैं अश्विन

एजेंसी, चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे 15 साल के उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भविष्य का सितारा है। अश्विन ने ये भी कहा कि वह इस युवा को तीनो प्रारुपों में खेलते हुए देखना चाहते हैं। अश्विन ने वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी शैली की सराहना करते हुए कहा, वह जिस प्राकर से सभी गेंदबाजों को निशाना बनाता है। उससे साफ है कि वह

निडर है और किसी भी गेंदबाज को खेल सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि वैभव में टेस्ट क्रिकेट खेलने की भी क्षमताएं हैं। अश्विन ने कहा, उसे टेस्ट में जगह मिलेगी तो प्रशंसक स्वयं मैच देखने आएंगे क्योंकि वह दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करता है। उन्होंने वैभव के अंडर-19 विश्व कप फाइनल के प्रदर्शन को याद करते हुए कहा कि उसमें गेंद को पूरी ताकता से खेलने की क्षमताएं हैं।

वहीं ये भी माना कि इतनी कम उम्र में वैभव पर जरुरत से अधिक दबाव न डाला जाये। अश्विन ने कहा कि उन्हें खुलकर क्रिकेट खेलने देना चाहिए। साथ ही कहा कि क्रिकेट करियर में बहुत कम मौके आते हैं जब आप बिना किसी दबाव के खेल का आनंद लेते हैं। वह अभी सिर्फ 15 साल का है। हमें उसे उसी तरह खेलने देना चाहिए।

मुंबई को हराकर अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंची आरसीबी

एजेंसी, रायपुर : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम ने मुम्बई इंडियंस को आईपीएल 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में अंतिम गेंद पर हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वहीं इस हार के साथ ही मुंबई की टीम अंतिम स्थान पर खिसक गयी है। इस जीत के साथ ही आरसीबी की प्लेऑफ के लिए दावेदारी मजबूत होगी। इस मैच में 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने अंतिम गेंद पर जीत हासिल की। इसी के साथ ही मुंबई की टीम को11 मैचों में आठवीं हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही मुम्बई की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के बाद प्लेऑफ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गयी है। वहीं इस जीत के साथ ही आरसीबी के अब सबसे अधिक 14 अंक हो गये हैं और वर नंबर एक पर पहुंच गयी है। वहीं इतने ही अंक लेकर सरनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि इनका नेट रन रेट कम रहा है । इस में आरसीबी को जीत के लिए 15 रनों की जरुर थी। मुंबई की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने राज अंगद बावा को ओवर दिया। ओवर की शुरुआत में वाइड और नो-बॉल से हुई, जिससे आरसीबी को आसानी से 5 रन मिल गए।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस

मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं। मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बिजनेस

मोबाइल डेटा जैसी क्रांति लाएगा एआई, ऊर्जा खपत में होगी बड़ी वृद्धि : गौतम अडाणी

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के दिग्गज कारोबारी एवं अडाणी समूह के चेयमैन गौतम अडानी ने सोमवार को कहा कि आने वाले दशकों में ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर ही भू-राजनीतिक शक्ति को परिभाषित करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने भारत से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वैल्यू चेन में अपनी संप्रभु क्षमताएं विकसित करने का आह्वान किया।

अडाणी ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन-2026 में कहा कि एक दशक पहले कुछ ही लोगों ने भारत में मोबाइल डेटा के विस्फोट के पैमाने की कल्पना की थी, लेकिन जैसे ही स्मार्टफोन किफायती हुए, नेटवर्क का विस्तार हुआ, डेटा की कीमतें गिरीं और खपत में जबरदस्त उछाल आया। उन्होंने कहा कि एआई मोबाइल डेटा विस्फोट जैसी क्रांति लाएगा और इससे ऊर्जा की खपत में तेज वृद्धि होगी। अडाणी ने कहा, "एआई

भी इसी तरह की वृद्धि लाएगा, लेकिन यह वृद्धि कहीं अधिक ऊर्जा खपत करने वाली होगी। डेटा सेंटर की क्षमता, जिसके 2030 तक 5 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है, 2047 तक लगभग 75 गीगावाट तक बढ़ सकती है, इसीलिए भारत को अभी से तैयारी करनी होगी।"

उन्होंने कहा कि भारत आम परिवारों, फैलते शहरों, सक्रिय कारखानों, इलेक्ट्रिक वाहनों और विस्तार की प्रतीक्षा कर रहे लाखों छोटे व्यवसायों के लिए विकास कर रहा है। देश में एक बड़ा फायदा यह है कि हम जो कुछ भी बनाएंगे, उसकी मांग पहले से ही मौजूद होगी। हमारे सामने चुनौती है ऐसी क्षमता का निर्माण करना जो मांग के साथ तालमेल बिठा सके। उन्होंने कहा कि भारत ने एनर्जी सेक्टर में असाधारण प्रगति की है और मार्च 2026 में स्थापित ऊर्जा क्षमता 500 गीगावाट से अधिक हो गई है। बीते 10 वर्षों में स्थापित क्षमता में 53 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है। भारत अपनी इस क्षमता को 4 गुना तक बढ़ाने के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले दो दशक यानी 2047 तक यह 2,000 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। अडाणी ने कहा कि देश को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में 67 वर्ष का समय लगा, लेकिन अगले दो ट्रिलियन डॉलर अगले 12 वर्षों में ही जोड़े गए। भारत तेजी से विकास कर रहा है। हर सड़क, बंदरगाह, हवाई अड्डा, कारखाना, ऊर्जा संसाधन और डेटा सेंटर विकास के अगले स्तर को बढ़ा रहा है। इस रफ्तार से भारत हर दशक में अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एक नई यूरोपीय अर्थव्यवस्था के बराबर वृद्धि करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य अपने आप नहीं आता। उसे बनाना पड़ता है। अगली आजादी की लड़ाई, हमारे ग्रिड, हमारे डेटा सेंटर, हमारी फ़ैक्टरियों, हमारी क्लासरूम, हमारी लैब्स और हमारे दिमाग़ में लड़ी जाएगी। आज एआई के दौर में आज़ादी का मतलब होगा "खुद को पावर देने, खुद के लिए कंप्यूट करने और खुद के लिए सपने देखने की काबिलियत।

ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीएचआरपी दाखिल किया

एजेंसी, नई दिल्ली

बेंगलुरु की कंपनी ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड ने पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी का लक्ष्य आईपीओ के जरिये 750 करोड़ रुपये जुटाना है। सेबी के समक्ष ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स की जमा आईपीओ दस्तावेज के अनुसार 2 रुपये फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ 750 करोड़ रुपये तक का एक नया ईश्यू है। इस निर्गम में प्रोमोट्रॉन अनंत महेश बेलाड और राजेश्वरी शिवानंद महाशेट्टी द्वारा 750 करोड़ रुपये के नए शेयर और 57.10 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी के अनुसार ऑनलाइन इंस्ट्रूमेंट्स इंडिया लिमिटेड अपने नए निर्गम से प्राप्त राशि में से 160 करोड़ रुपये का उपयोग कुछ ऋणों के पुनर्भुगतान या पूर्व-भुगतान के लिए करेगी। इसके अलावा 330 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में लगाए जाएंगे, जबकि शेष राशि संभावित अधिग्रहण और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल होगी।

प्रधानमंत्री के सात सूत्र देश की अर्थव्यवस्था के लिए जरूरीः खंडेलवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से सात सूत्री अपील का स्वागत किया है। खंडेलवाल ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ रहे और आम लोगों को कोई परेशानी न हो, उसको देखते हुए प्रधानमंत्री ने देश को एक सात सूत्री संकल्प लेने का आह्वान किया है जिस पर अमल करने से देश की स्थिति मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने यह आह्वान कल हैदराबाद में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए किया था।

सामानों की आवाजाही के लिए रेलवे परिवहन को प्राथमिकता देने के प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप खंडेलवाल ने आज रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजकर कहा कि प्रधानमंत्री का यह सुझाव बढ़ती ईंधन खपत, यातायात दबाव, पर्यावरणीय चुनौतियों तथा देश की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को मजबूत करने की

आवश्यकता के मद्देनज़र अत्यंत प्रासंगिक और समयानुकूल है। उन्होंने मोदी सरकार में भारतीय रेल में हुए व्यापक परिवर्तन और आधुनिकीकरण की सराहना करते हुए कहा कि रेलवे में आधारभूत संरचना, विद्युतीकरण, फ्रेट कॉरिडोर, तकनीकी एकीकरण, स्टेशन पुनर्विकास, स्वच्छता, सुरक्षा मानकों, समयबद्धता और संचालन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं, जिससे भारतीय रेल के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है और रेलवे देश की आर्थिक प्रगति का एक मजबूत आधार बना है। उन्होंने कहा कि रेल परिवहन माल ढुलाई का सबसे किफायती, पर्यावरण अनुकूल और प्रभावी माध्यम है। यदि बड़े स्तर पर सड़क से माल परिवहन रेलवे की ओर स्थानांतरित होता है तो इससे पेट्रोल और डीजल की खपत में भारी कमी आएगी, लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी, प्रदूषण कम होगा, राजमार्गों पर दबाव कम पड़ेगा तथा एक हरित और मजबूत भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। हालांकि, खंडेलवाल ने यह भी कहा कि रेलवे में सुधारों के बावजूद देशभर के व्यापारियों और एमएसएमई इकाइयों को रेलवे फ्रेट और पार्सल सेवाओं के उपयोग में अनेक व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके कारण व्यापारी रेल परिवहन को अपनाने से हिचकते हैं और उन्हें अपेक्षाकृत महंगे सड़क परिवहन पर निर्भर रहना पड़ता है। खंडेलवाल ने पत्र में रेल मंत्री से रेलवे फ्रेट प्रणाली में व्यापक सुधार करने की मांग करते हुए कहा कि फ्रेट बुकिंग प्रक्रिया को पारदर्शी और डिजिटल बनाया जाए, डिलीवरी व्यवस्था में जवाबदेही तय की जाए, व्यापारियों के लिए फ्रेट सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएं, कंसाइनमेंट की रियल टाइम ट्रैकिंग की व्यवस्था हो, फ्रेट दरों को तर्कसंगत बनाया जाए, पार्सल वैन क्षमता बढ़ाई जाए, आधुनिक लोडिंग-अनलोडिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाए।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर देने के कारण पश्चिम एशिया में जारी तनाव के शीघ्र खत्म होने की संभावना काफी कम हो गई है। इसकी वजह से कच्चे तेल की कीमत में एक बार फिर तेजी आ गई है, जिससे दुनिया भर के बाजार पर दबाव बन गया है। घरेलू शेयर बाजार में भी आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी।

बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवालों ने अपना दबाव बना दिया। लगातार हो रही बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.31 प्रतिशत और निफ्टी 1.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। 11 बजे तक का कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, सन फार्मास्युटिकल्स, कोल इंडिया, मैक्स हेल्थकेयर और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 3.26 प्रतिशत से लेकर 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टाइटन कंपनी, इंटर ग्लोबल एविएशन, एसबीआई, एटरनल और भारती एयरटेल के शेयर 7.05 प्रतिशत से लेकर 3.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,340 रुपये से लेकर 1,54,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,39,640 रुपये से लेकर 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज शुरुआती कारोबार के दौरान 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,52,490 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वैल्यू 148 कम्युनिकेशंस की स्टॉक मार्केट में कमजोर लिस्टिंग, अपर सर्किट के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

मार्केटिंग और पीआर सॉल्यूशन कंपनी वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 98 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 78.40 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 82.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल

तक पहुंच गया। अपर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक फिलहाल 16.02 प्रतिशत के नुकसान में थे। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस का 41.69 करोड़ रुपये का आईपीओ चार से छह मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.24 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।